Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Monday, 05 May 2025 ● Year : 03 ● Issue : 109 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

गेहूं हम खाते हैं, गुलाब हम सूंघते हैं। एक से शरीर की पुष्टि होती है, दूसरे से मानस तृप्त होता है।

–रामवृक्ष बेनीपुरी

Rhea Chakraborty After IGL Row...

SARAFA

सोना	:	8,930
चांदी	:	108.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

सरकार किसी भी भाषा का विरोध नहीं करती : शाह

NEW DELHI : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि संस्कृत भाषा और भारतीय संस्कृति के पुनरुत्थान के लिए संघ और संस्कृत भारती ने एक मजबूत अभियान शुरू किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार किसी भी भाषा का विरोध नहीं करती, बल्कि सभी भाषाओं को सशक्त बनाना चाहती है। यह बातें शाह ने संस्कृत भारती द्वारा आयोजित 1008 संभाषण शिविरों के समापन समारोह में कही। शाह ने कहा कि संस्कृत अधिकांश भारतीय भाषाओं की जननी है। यदि संस्कृत मजबूत होगी तो बाकी भाषाएं भी मजबूत होंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। नई शिक्षा नीति में भी संस्कृत के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। शाह ने कहा कि संस्कृत के अमृत ज्ञान को सरल भाषा में दुनिया तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने सभी से अपील की कि संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार में सहयोग करें।

चुनाव आयोग जल्द लॉन्च करेगा 'ईसीआईनेट'

NEW DELHI : चुनाव आयोग (ईसीआई) एक नई डिजिटल पहल के तहत 'ईसीआईनेट' नामक एक सिंगल-पॉइंट प्लेटफॉर्म लॉन्च करने की तैयारी में है, जो 40 से अधिक मौजूदा वेब और मोबाइल आधारित आईटी ऐप्स को समाहित करेगा। इसमें सीविजिल ऐप, वोटर हेल्पलाइन ऐप, वोटर टर्नआउट ऐप जैसी ऐप्स शामिल हैं। इस कदम का उद्देश्य नागरिकों, चुनाव अधिकारियों, राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के लिए एक सुगम, एकीकृत और उपयोगकर्ता-अनुकूल अनुभव प्रदान करना है। संभावना है कि इसे आने वाले बिहार चुनाव के पहले ही लॉन्च कर दिया जाएगा। ईसीआईनेट को चुनाव संबंधी सभी सेवाओं के लिए एकमात्र सहयोगी के रूप में विकसित किया जा रहा है। इससे उपयोगकर्ताओं को कई ऐप डाउनलोड करने और विभिन्न लॉगिन याद रखने की आवश्यकता नहीं होगी। चुनाव आयोग का कहना है कि प्लेटफॉर्म मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की परिकल्पना है।

एमईएस का सिविल इंजीनियर घूस लेते अरेस्ट

NEW DELHI : सीबीआई ने मिलिटरी इंजीनियर सर्विस (एमईएस) के सिविल असिस्टेंट इंजीनियर कौशलेश कुमार को 50 हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथ गिरफ़्तार किया है। साथ ही इंजीनियर के घर पर छापेमारी के दौरान मिले आठ लाख नकद और बैंक खाते में जमा 63 लाख रुपये जब्त किए हैं। गिरफ़्तार इंजीनियर एयरफोर्स स्टेशन दरभंगा में पदस्थापित है। दिल्ली की एक कंपनी ने सीबीआई से इस इंजीनियर के खिलाफ घूस मांगने की शिकायत दर्ज करायी थी। दर्ज शिकायत में यह कहा गया था कि दिल्ली की कंपनी को दरभंगा में सड़क निर्माण का काम दिया गया था। काम के बदले उसे 29.93 लाख रुपये का भुगतान मिला था। चार लाख रुपये के भुगतान से संबंधित दस्तावेज प्रोसेस करने और कंपनी को पहले किये जा चुके भुगतान को मिला कर इंजीनियर दो लाख रुपये घूस मांग रहा है।

पहलगाम आतंकवादी हमला : 13वें दिन एक और बड़ा एक्शन

भारत ने पाक के लिए चिनाब पर बना बागलीहार डैम का पानी रोका

AGENCY NEW DELHI :

22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के 13वें दिन रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ भारत ने एक और बड़ा एक्शन लिया है। पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि सस्पेंड करने के बाद भारत ने चिनाब नदी पर बने बागलीहार डैम का पानी रोक दिया है। एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू के रामबन में बने बागलीहार बांध से चिनाब का पानी रोका गया है। कश्मीर में किशनगंगा बांध के जरिए झेलम नदी का पानी रोकने की प्लानिंग चल रही है। भारत ने यह फैसला जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद लिया है, जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी और अधिकतर पर्यटक थे।

गौरतलब है कि बागलीहार डैम पर रन ऑफ द रिवर हाईड्रो पावर प्लांट बनाया गया था। इस डैम से पानी के बहाव को अभी तक रोका नहीं जा रहा था। पानी के बहाव को रोके बिना बिजली पैदा की जा रही थी। सिंधु जल संधि के तहत जिन छह नदियों का जिक्र है, उसमें चिनाब भी शामिल है। यह पश्चिमी नदी है और संधि के मुताबिक इस नदी के पानी का इस्तेमाल भारत हाइड्रो पावर जेनरेशन के लिए कर सकता है। उधर, एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री और एयरचीफ मार्शल के बीच पहलगाम हमले को लेकर बातचीत हुई। पहलगाम आतंकी हमले को 13 दिन हो चुके हैं।

11 दिन पहले मोदी सरकार ने सिंधु जल समझौता को कर दिया था सस्पेंड

कश्मीर में किशनगंगा बांध के जरिए झेलम का पानी रोकने की प्लानिंग

- एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से की मुलाकात
- पाक से तनाव के बीच सेना प्रमुखों के साथ लगातार मीटिंग कर रहे पीएम

पंजाब में दो पाक जासूस गिरफ्तार

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान में तनाव के बीच पंजाब पुलिस ने दो पाकिस्तानी जासूस पकड़े हैं। पुलिस के मुताबिक, ये दोनों अमृतसर में आर्मी कैंट और एयरफोर्स बेस से जुड़ी संवेदनशील सूचनाएं पाकिस्तानी भेज रहे थे। इन आरोपियों से एक मोबाइल बरामद हुआ है, जिसमें आर्मी की मूवमेंट और एयरफोर्स बेस की तस्वीरें मिली हैं। ये दोनों अमृतसर की जेल में बंद हरप्रीत सिंह उर्फ पिट्टू उर्फ हैप्पी के जरिए आईएसआई से जुड़े हुए थे। आरोपियों की पहचान पलक शेर मसीह और सूरज मसीह के रूप में हुई है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि इस मामले में ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। अमृतसर रूरल पुलिस जल्द ही इस बारे में और जानकारी देगी।

इमरान-बिलावल का 'एक्स' बैन

भारत में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पूर्व मंत्री बिलावल भुट्टो का 'एक्स' अकाउंट बैन कर दिया गया है। यह कार्रवाई पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत विरोधी गतिविधियों और बयानों को देखते हुए की गई है। इमरान अभी जेल में बंद हैं।

अरब सागर में चल रहा इंडियन नेवी का अभ्यास, अलर्ट जारी

भारतीय नौसेना के अरब सागर में चल रहे अभ्यास के मद्देनजर भारत के समुद्री अधिकारियों ने वाणिज्यिक जहाजों के लिए नेविगेशन चेतावनी जारी की है। नेविगेशन वॉर्निंग अलर्ट भारत के नेशनल हाइड्रोग्राफिक ऑफिस ने जारी किया है, जो भारतीय नौसेना के अधीन काम करता है। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वाणिज्यिक जहाजों को इस क्षेत्र से दूर रहने की सलाह दी गई है।

असम में अब तक 39 लोग गिरफ्तार

असम में पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान का समर्थन करने पर अब तक 39 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि देशद्रोहियों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, किसी को बख्शा नहीं जाएगा। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के सख्त रुख के बीच रेलवे मिलिट्री ट्रेन के परिचालन के लिए तैयार है। रेलवे हर छह मिनट के अंतराल पर सैन्य साजो सामान से लदी ट्रेन चलाने में सक्षम है। आपात स्थिति में यात्री ट्रेनों की टाइमिंग को री-शेड्यूल या रद्द करने का ब्लू प्रिंट तैयार है। रेलवे के एक अफसर का कहना है कि पाकिस्तान की सीमा से लगे ज्यादातर रेलवे रूट पर परिचालन उत्तर रेलवे करता है।

रामबन में खाई में गिरा सेना का वाहन 3 जवानों की मौत

AGENCY RAMBAN :

रविवार को जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले के बैटरी चश्मा इलाके में सेना का एक वाहन 600 मीटर गहरी खाई में गिर गया। इस हादसे में तीन जवानों की मौत हो गई। मृतक जवानों की पहचान अमित कुमार, सुजीत कुमार और मन बहादुर के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, सेना का वाहन जम्मू से श्रीनगर जा रहे काफिले का हिस्सा था। करीब साढ़े 11 बजे जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे 44 पर ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया, जिससे गाड़ी खाई में गिर गई। सेना, पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर स्थिति को संभाला। बता दें कि शुक्रवार को रामबन में बादल फटने से भारी नुकसान हुआ था। सड़क पर मडस्लाइडिंग (कीचड़) के चलते एनएच-44 को दोनों तरफ से बंद कर दिया गया। प्रशासन ने लोगों ने अलर्ट किया था कि हाईवे क्लियर होने की जानकारी मिलने के बाद ही सफर के लिए निकले। इससे पहले 4 जनवरी को बांदीपोरा जिले में सेना का ट्रक खाई में गिरने से 4 जवानों की मौत हुई थी। 2 जवान गंभीर रूप से घायल थे।

जम्मू से श्रीनगर जा रहे जवानों के काफिले का हिस्सा था वाहन

- अमित कुमार, सुजीत कुमार और मन बहादुर के रूप में हुई है मृतकों की पहचान
- नेशनल हाईवे 44 पर ड्राइवर ने खो दिया कंट्रोल, 600 मीटर गहरी खाई में गिरी गाड़ी
- दो दिन पहले ही हाईवे पर सफर करने को लेकर जारी किया गया था अलर्ट

8 के बाद फिर बदलेगा मौसम का मिजाज

5-7 डिग्री सेल्सियस बढ़ेगा अधिकतम पारा

PHOTON NEWS RANCHI :

मौसम के मिजाज में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। वर्तमान में तीखी गर्मी का रुख नरम हो गया है, लेकिन तीन-चार दिनों के बाद स्थिति बदल जाएगी। मौसम विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, झारखंड के अधिकतर जिलों में आठ मई के बाद तापमान में पांच-सात डिग्री की वृद्धि होगी। तापमान में वृद्धि से राज्य में फिर से प्रचंड गर्मी पड़ेगी। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने रविवार को बताया कि मई माह में गर्मी पिक पर रहती है। इससे तापमान भी उच्चतम स्तर पर रहता है। हालांकि उन्होंने राज्य भर में लू चलने की आशंका से इनकार किया है। रविवार को रांची और आसपास के इलाकों में मौसम साफ रहा। दोपहर में गर्मी महसूस की गई। रविवार को रांची में तापमान 33 डिग्री, जमशेदपुर में 37.1, डाल्टनगंज में 37.4, बोकारो में 30.1 और चाईबासा में अधिकतम तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

- आज रांची में कहीं-कहीं हो सकती है बारिश वज्रपात की भी आशंका
- राज्य भर में लू चलने की आशंका से मौसम विभाग ने किया इनकार

कहीं-कहीं हुई हल्की वर्षा

मौसम विभाग ने बताया है कि रविवार को रांची में बादल छाए रहे। कुछ जगहों पर हल्की बारिश हुई, कहीं ठनका भी गिरा। सोमवार को भी ऐसी स्थिति होने की संभावना है। जमशेदपुर और डाल्टनगंज का भी मौसम ऐसा ही रहा। मौसम विभाग ने कहा है कि 5 मई को रांची में आसमान में बादल छाए रहेंगे। ठनका गिरने के भी आसार हैं। अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

बदरीनाथ के कपाट खुले पीएम मोदी के नाम से हुई पहली महाभिषेक पूजा

DEHRADUN : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बदरीनाथ के कपाट खुलने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से पहली महाभिषेक पूजा कर देश और राज्य की सुख समृद्धि की कामना की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने धाम में तीर्थयात्रीयों और श्रद्धालुओं का अभिवादन किया और तीर्थयात्रियों से यात्रा व्यवस्थाओं का फीडबैक भी लिया। मांगलिक स्वर लहरियों के बीच बदरीनाथ मंदिर के कपाट रविवार सुबह छह बजे रवि पुष्य लग्न में श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। सुबह लगभग 10 बजे भगवान बदरी विशाल का अभिषेक पूजा शुरू हुई। बद्री केदार मंदिर समिति और उत्तराखंड सरकार की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से भगवान बदरीविशाल का प्रथम महा अभिषेक पूजा सम्पन्न हुई। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर मंदिर परिसर में स्थित लक्ष्मी मंदिर, गणेश मंदिर, आदि गुरु शंकराचार्य गद्दी सहित सभी मंदिरों में पूजा अर्चना की।

खनिज सर्वे करने वाली कंपनी सीएमपीडीआई की साइट पर बोला धावा

लातेहार में नक्सलियों का उत्पात, दो ड्रिलिंग मशीन और 6 वाहनों को किया आग के हवाले

PHOTON NEWS LATEHAR :

शनिवार की देर रात में नक्सलियों ने लातेहार में जमकर उत्पाद मचाया। इस दौरान चंदवा थाना क्षेत्र के तोरीसोत गांव के पास खनिज सर्वे करने वाली कंपनी सीएमपीडीआई की साइट पर धावा बोल दिया। वहां खड़ी दो ड्रिलिंग मशीन समेत 8 गाड़ियों में आग लगा दी। नक्सलियों की ओर से फायरिंग भी करने की सूचना है। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद लातेहार एसपी कुमार गौरव के निर्देश पर बालूमाथ डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन आरंभ कर दी है। इस संबंध में डीएसपी ने रविवार को बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची। पूरे मामले की छानबीन की जा रही है। पूरे इलाके की घेराबंदी कर अभियान भी चलाया जा रहा है।

चंदवा थाना क्षेत्र के तोरीसोत गांव के पास दिया वारदात को अंजाम

- लगभग 1 घंटे तक हंगामा करने के बाद नक्सली वहां से चले गए, पूरे इलाके में दहशत का माहौल
- बालूमाथ डीएसपी के नेतृत्व में घटनास्थल पर पहुंची पुलिस की टीम, छानबीन शुरू

किया जा रहा था कोयले का सर्वे

चंदवा थाना क्षेत्र के चकला पंचायत अंतर्गत तोरीसोत गांव के पास खनिज सर्वे कंपनी की साइडिंग बनाई गई थी। कंपनी द्वारा क्षेत्र में कोयला का सर्वे किया जा रहा था। इसी बीच शनिवार देर रात हथियारबंद नक्सली साइट पर पहुंचे और वहां फायरिंग करते हुए गाड़ियों में आग लगा दी।

इलाके को सील कर छापेमारी कर रही पुलिस

घटना की जानकारी मिलने के बाद लातेहार एसपी कुमार गौरव के निर्देश पर फौरन डीएसपी विनोद रवानी के नेतृत्व में पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस की टीम पूरे इलाके को सील कर छापामारी भी आरंभ कर दी है।

काफी सुदूर इलाका है घटनास्थल

बता दें कि घटनास्थल काफी सुदूर इलाका है। यह इलाका लातेहार-चतरा और रांची का बॉर्डर इलाका है। काफी सुदूर इलाका होने के कारण इस इलाके में नक्सलियों की गतिविधियों की सूचना मिलती रहती है।

न्यू स्टडी पर्यावरण के संतुलन को बिगाड़ने में निभा रहे बड़ी भूमिका

नावों के माध्यम से पूरी दुनिया में दीमक का तेजी से हो रहा प्रसार

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :

जीव वैज्ञानिकों ने सभी प्राणियों को दो मूलभूत स्तरों पर विभाजित किया है। पहला रीढ़ वाले और दूसरा बिना रीढ़ वाले। दीमक बिना रीढ़ वाले कीट हैं। पहले ऐसा समझा जाता था कि दीमक तिलचट्टों से बिलकुल भिन्न हैं, लेकिन वगार्नुवाशिक अध्ययन से पता चला है कि दीमक का विकास तिलचट्टों से ही हुआ है। दोनों का वर्ग कीट ही है। सामान्य रूप से दीमक का नाम सुनते ही हमें लकड़ी और कागज को चाट कर नष्ट कर देने वाले जीव का ध्यान आता है। नमी की स्थिति में इनकी एक्टिविटी अधिक तेज हो जाती है। दीमक हल्के पीले या भूरे रंग की कोमल कीट होती है। कॉलोनी में रहने वाली यह कीट सुव्यवस्थित जातियां या बहुरूपता प्रदर्शित करती हैं। एक कॉलोनी में हजार से लेकर लाखों की संख्या में इनकी उपस्थिति होती है। हाल के एक विशेष अध्ययन से यह पता चला है कि दीमक का प्रकोप अब केवल प्राकृतिक मार्गों या स्थानीय निर्माण स्थलों तक सीमित नहीं है। वैश्विक स्तर पर इसका एक नया और चिंताजनक स्वरूप सामने आया है।

अर्थव्यवस्था पर भी असर, सालाना 40 अरब डॉलर से अधिक का वैश्विक नुकसान

अमेरिका स्थित एफएलआरईसी के वैज्ञानिकों ने व्यापक स्तर पर किया अध्ययन

- तीन प्रमुख आक्रामक प्रजातियों को रिसर्च के केंद्र में रखकर किया गया विश्लेषण
- मनोरंजन के लिए प्रयुक्त नावें इन दीमकों के लिए आदर्श ट्रांसपोर्ट वाहन का कर रहीं काम
- जिस तटीय इलाके में रुकती है नाव, वहां के पर्यावरण में घुलमिल जाती है दमक

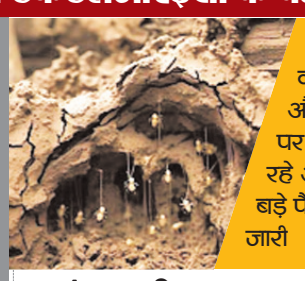

स्थानीय वनस्पतियों और इमारतों पर लगातार हो रहे आक्रमण से बड़े पैमाने पर क्षय जारी

अंतरराष्ट्रीय प्रसार का आधार

रिसर्च में तीन प्रमुख आक्रामक दीमक प्रजातियों- फॉर्मोसन सबटेरेनियन टर्माइट, एशियाई सबटेरेनियन टर्माइट और वेस्ट इंडियन ड्राईवुड टर्माइट के नावों के जरिए अंतरराष्ट्रीय प्रसार पर गहराई से प्रकाश डाला गया है।

साल 2020 से अब तक का आर्थिक नुकसान

शोधकर्ताओं के अनुसार, मनोरंजन और निजी उपयोग के लिए प्रयुक्त नावें इन दीमकों के लिए आदर्श ट्रांसपोर्ट वाहन बन चुकी हैं, जिससे ये कीट एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप तक फैल रहे हैं। नाव किसी तटीय इलाके में रुकती है, तो दीमक वहां के पर्यावरण में घुलमिल जाती हैं। बाद में ये स्थानीय वनस्पतियों और इमारतों पर आक्रमण कर देते हैं। व्यापक स्तर पर किया गए शोध में यह जानकारी दी गई है कि केवल 2020 से अब तक दीमकों के कारण दुनियाभर में हर साल 40 अरब डॉलर से अधिक का आर्थिक नुकसान हो रहा है। विशेष रूप से फॉर्मोसन दीमक ही अकेले 20.3 से 30 अरब डॉलर के बीच नुकसान के लिए जिम्मेदार मानी जाती है। इस नुकसान में इमारतों की मरम्मत, संक्रमित पेड़ों की कटाई, भूमि पुनर्विकास, और कीटनाशक उपायों पर खर्च होने वाली राशि शामिल है।

नहीं रहे 129 साल के योग गुरु पद्मश्री बाबा शिवानंद पीएम ने जताया शोक

VARANASHI : योग के क्षेत्र में अप्रतिम योगदान देने वाले और दीर्घायु जीवन के लिए प्रसिद्ध पद्मश्री योग गुरु बाबा शिवानंद अब नहीं रहे। उनका शनिवार देर शाम निधन हो गया। 129 वर्ष के सुदीर्घ जीवन जीने वाले बाबा ने बीएचयू के सर सुंदरलाल अस्पताल में अंतिम सांस ली। उम्र जनित स्वास्थ्य समस्याओं के चलते वह पिछले तीन दिनों से अस्पताल में भर्ती थे। उनका पार्थिव शरीर शनिवार रात करीब साढ़े 11 बजे दुगार्कुंड स्थित कबीरनगर कॉलोनी के आश्रम लाया गया। बाबा शिवानंद का अंतिम संस्कार रविवार को हरिश्चंद्र घाट पर किया गया। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

20 लाख घूस ले रहा था विधायक का गनमैन

एसीबी ने बीएपी एमएलए को रिश्वत केस में किया अरेस्ट

AGENCY JAIPUR :

रविवार को एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने बागीदौरा (बांसवाड़ा) से विधायक जयकृष्ण पटेल को रिश्वत लेने के मामले में अरेस्ट कर लिया। राजस्थान में यह पहली बार है, जब किसी विधायक को रिश्वत के मामले में अरेस्ट किया गया है। बताया जा रहा है कि विधानसभा में खनन विभाग से संबंधित उठाए गए सवालों को वापस लेने के लिए भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के विधायक ने 2.5 करोड़ की डिमांड की थी। जयकृष्ण के जयपुर में ज्योति नगर स्थित सरकारी क्वार्टर पर डील हुई थी। एसीबी की टीम ने विधायक से पूछताछ की। विधायक को सर्विलांस रिपोर्ट के बारे में बताया गया।

- विस में खनन विभाग से जुड़े सवालों को वापस लेने के लिए 2.5 करोड़ की थी डिमांड

BRIEF NEWS

कृषि मंत्री पहुंचीं जमशेदपुर, कार्यकर्ताओं से मिलीं

JAMSHEDPUR : राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की रविवार को जमशेदपुर पहुंचीं। यहां उन्होंने बिष्टुपुर स्थित पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कार्यालय (तिलक पुस्तकालय) में कार्यकर्ताओं से मिलीं। बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री ने 6 मई को रांची में होने वाली संविधान बचाओ रैली में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को पहुंचने का आग्रह किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जयंती पर याद किए गए पंत व टैगोर

JAMSHEDPUR : साहित्य समिति, तुलसी भवन द्वारा संस्थान के प्रयाग कक्ष में रविवार को मासिक 'काव्य कलश' सह छायावाद के चार स्तंभों में से एक सुमित्रा नंदन पंत एवं विश्वविख्यात कवि रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती मनाई गई। संस्थान के अध्यक्ष सुभाष चंद्र मुनका की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम का संचालन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष यमुना तिवारी 'व्यथित' ने किया। इस अवसर पर स्वागत वक्तव्य तुलसी भवन कार्यकारिणी के प्रसन्न वदन मेहता व धन्यवाद ज्ञापन समिति के सचिव डॉ. अजय कुमार ओझा ने किया। इस मौके पर तुलसी भवन के न्यासी अरुण कुमार तिवारी भी मंचासीन रहे।

तालाब में डूबकर दो मासूमों की मौत

KHUNTI : शहर के आजाद रोड के रहने वाले दो मासूम बच्चों की रविवार को तालाब में डूबने से मौत हो गई। मृतकों में 11 वर्षीय अब्दुल समद और नौ वर्षीय हमजा अंसारी शामिल हैं। एक साथ दो मासूमों की इस तरह की मौत ने सभी की आंखों को नम कर दिया। अब्दुल समद, रांची के टेंडर हर्ट स्कूल में कक्षा चार का छात्र था। फिलहाल अपने दादा मो मन्नान अंसारी के पास खूंटी में रह रहा था। उसके पिता राजा मुराद सऊदी अरब में काम करते हैं। हमजा अंसारी, आईडियल स्कूल में पढ़ता था वह काफी चंचल, हंसमुख बच्चा था। वह सब्बन अंसारी का इकलौता पुत्र था। रविवार को गर्मी से राहत पाने के लिए चार बच्चे महादेव मंडा के पीछे बने एक अधूरे डोभा में नहाने गये थे। मासूमों को क्या पता था कि यह ठंडा पानी उनकी जिंदगी लील लेगा। दो बच्चे नहाने उतरे और फिर ऊपर न आ सके। अन्य दो बच्चों ने शोर मचाकर लोगों को बुलाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और दोनों बच्चे मौत के आगोश में जा चुके थे। घटना की सूचना मिलते ही शहर के लोग शोक संतप्त परिवार कें घर पहुंचे। मृतक के रिश्तेदार मो अजहर ने बताया कि रविवार था और चार बच्चे दूसरी बेला खेलने की बात कहकर निकले थे, लेकिन वे नहाने के लिए तालाब चले गये। नहाने के दौरान तालाब में डूबने से उनकी मौत हो गई। खालिक हुसैन ने बताया कि बच्चे खेलने की बात कह कर घर से निकले थे और वे चारों बच्चे गिरजा टोली के पीछे एक तालाब में पहुंचे और नहाने लगे। दो बच्चे डूब गए। आनन-फानन में उन्हें निकाल कर सदर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

सर्पदंश से चार वर्षीय बच्ची ने तोड़ा दम

DUMKA : सर्पदंश से चार वर्षीय बच्ची की इलाज के दौरान रविवार को मौत हो गई। मृत बच्ची जिला के गोपीकांदर थाना क्षेत्र के रामपुर आदिवासी टोला निवासी भुवनेश्वर सोरेन की पुत्री तेरेसा सोरेन है। जानकारी के अनुसार शनिवार की दोपहर विषैला सांप ने बच्ची को काट लिया। मृतक बच्ची के पिता भुवनेश्वर सोरेन ने बताया घर के आंगन में बेटी खेल रही थी। खेलते समय जहरीले सांप ने बेटी को काट लिया। आनन-फानन में बच्ची को पाकुड़ जिले के आमड़ापाड़ प्रखंड सोहरजोड़ी मिशन अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

बोरदीरी की झाड़ियों में मिले शव की हुई पहचान

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर थाना क्षेत्र के बाईपी पंचायत के बोरदीरी नव प्राथमिक विद्यालय की झाड़ियों से शुक्रवार को चक्रधरपुर पुलिस ने एक अज्ञात युवक का शव बरामद किया था। उस समय युवक की पहचान नहीं हो पाई थी। युवक की पहचान बाईपी पंचायत के तोडांगसाई गांव निवासी 35 वर्षीय सत्यप्रकाश पुरती की रूप में हुई है। इसके बाद चक्रधरपुर थाना की पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। बतातें चलें कि बोरदीरी टोला स्थित विद्यालय के नवनिर्मित भवन की छत पर खून के धब्बे, शराब की बोतलें व अन्य सामान को पुलिस ने जब्त किया था। पुलिस ने बताया कि मामले का अनुसंधान चल रहा हैं, जल्द ही हत्यारों की गिरफ्तारी होगी।

धनबाद में पति ने पत्नी को गला घोंटकर मार डाला, हुआ गिरफ्तार

आरोपी ने पत्नी के मायके वालों को फोन पर दी झूठी सूचना, उसी से परिजनों को हुआ संदेह

PHOTON NEWS DHANBAD : जिले के राजगंज थाना क्षेत्र में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। मनबोध पंडित नामक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की निर्मम हत्या कर दी। आरोपी ने पत्नी का गला दबाकर उसे मौत के घाट उतारा, फिर उसके शव को घर से लगभग आधा किलोमीटर दूर ले जाकर दफना दिया। इस अपराध का पदार्फाश तब हुआ, जब मनबोध ने खुद ही मृतक महिला के मायके वालों को फोन कर उसकी आत्महत्या की झूठी सूचना दी। पत्नी की मौत की खबर सुनकर सदमे में आए परिजनों को मनबोध की बातों पर संदेह हुआ। उन्होंने सच्चाई जानने के लिए स्थानीय पंचायत के मुखिया और समिति सदस्य से संपर्क किया, जिन्होंने तत्काल पुलिस को इस संदिग्ध मामले की जानकारी दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मनबोध को हिरासत में लिया और उससे पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपी टूट गया और उसने अपना गुनाह कबूल करते हुए हत्या के स्थान का खुलासा कर दिया। पुलिस ने बताए गए स्थान पर पहुंचकर शव को बरामद किया और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल, आरोपी पति पुलिस की गिरफ्त में है।

मृतक लक्ष्मी की चाची ईश्वर प्रजापति ने बताया कि उनकी भतीजी पांच बहनों में दूसरे नंबर पर थी और सात वर्ष पूर्व उसका विवाह मनबोध के साथ हुआ था। उन्होंने यह भी बताया कि मनबोध पहले भी लक्ष्मी के साथ मारपीट करता था, जिसकी शिकायत भी दर्ज कराई गई थी। बाघमारा के एसडीपीओ पुरूषोतम कुमार सिंह ने बताया कि मृतक लक्ष्मी की बहन नेहा ने अपने जीजा मनबोध पर हत्या और शव को ठिकाने लगाने का आरोप लगाया है। पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

शव बरामद करने पहुंचे पुलिस के जवान ● फोटोन न्यूज

बहादुरपुर में व्यवसायी की हुई हत्या, घर में मिली लाश, जांच में जुटी पुलिस

BOKARO : बोकारो जिले के पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र के बहादुरपुर गांव स्थित मानटांड़ में 32 वर्षीय सुमित कुमार महतो की हत्या अज्ञात लोगों ने कर दी। चास थाना क्षेत्र के तेलीडीह निवासी सुमित ईंट भट्ठा व्यवसाय से जुड़े थे। उनका शव उनके घर से बरामद हुआ। पिंड्राजोरा पुलिस हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक के शव के पास खून लगा हुआ गमछा भी पुलिस को मिला है। आसपास के लोगों से पूछताछ जारी है। फिलहाल हत्या के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है।

देसी कट्टा व गोली के साथ धराया अपराधी

GODDA : गोड्डा थाना की पुलिस ने शनिवार की रात एक अपराधी को देसी कट्टा व गोली के साथ दबोचा। बताया जाता है कि पुलिस अधीक्षक को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति देसी कट्टा व गोली के साथ अपाची बाइक पर भगैया से घमड़ी की तरफ आ रहा है। इस सूचना पर भगैया-धमड़ी मार्ग पर एंटी क्राइम चेकिंग शुरू किया गया। चेकिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्ति आता दिखा और पुलिस टीम को देखकर बाइक छोड़कर अंधेरे का लाभ उठाकर भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस जवानों ने उसे दौड़ाकर दबोच लिया। पकड़े गए व्यक्ति अक्षय कुमार मंडल उर्फ अक्षय कुमार की उम्र 20 वर्ष है। वह धमड़ी थाना अंतर्गत मेहरमा का रहने वाला है। उसे विभिन्न धारा लगाकर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, चार लोग हुए घायल

LATEHAR : लातेहार सदर थाना क्षेत्र के कोने गाव के पास रविवार को सवारी गाड़ी और ऑटो की जोरदार टक्कर हो गई। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई है, जबकि चार अन्य घायल हो गए हैं। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है, जबकि घायलों में सुमंती देवी , संदीप उरांव , मानिता कुमारी और कोमल कुमारी शामिल हैं। सभी गारू थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं । मिली जानकारी के अनुसार सरयू से लातेहार की ओर ऑटो आ रही थी। वही विपरीत दिशा से एक सवारी गाड़ी आ रही थी। सदर थाना क्षेत्र के कोने गांव से थोड़ी दूर पर मोड़ के पास दोनों गाड़ियां में सीधी टक्कर हो गई। इस घटना में ऑटो पर सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस की सहायता से अस्पताल पहुंचाया। जहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया । जबकि चार अन्य लोगों का प्राथमिक इलाज अस्पताल में किया गया। चिकित्सकों के अनुसार घायल लोगों की स्थिति खतरे से बाहर है। इधर पुलिस दुर्घटनाग्रस्त दोनों गाड़ियों को जब्त कर ली है। मृत व्यक्ति की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

अस्पताल पहुंचे परिजन

चार साल पुराने हत्या व लूट के मामलों का शीघ्र करें निष्पादन : एसपी रीष्मा

क्राइम मीटिंग में थाना प्रभारियों से कहा, लोगों को बताएं डायल 112 पर तत्काल दें सूचना

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू के जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में रविवार को क्राइम मीटिंग हुई, जिसमें पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (डीएसपी), थाना प्रभारी और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने और अपराध नियंत्रण के लिए कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। इसमें हत्या, लूट, डकैती, दहेज हत्या और साइबर क्राइम जैसे अपराध के लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने और पीड़ितों को न्याय दिलाने के निर्देश दिए गए। विशेष रूप से चार साल से अधिक पुराने सभी लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन किया जाए। बढ़ते साइबर क्राइम पर रोकथाम के लिए विशेष टीम गठित करने और लोगों को जागरूक करने पर चर्चा की गई। साइबर सुरक्षा को प्राथमिकता देने और त्वरित कार्रवाई के लिए निर्देश दिए गए। थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र के स्कूलों व कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाएंगे, जिसमें महिला उत्पीड़न, महिलाओं से जुड़े कानून, साइबर फ्रॉड से बचाव और आपात स्थिति में डायल 112 सेवा का उपयोग कैसे करें, इस पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी। पुलिस द्वारा आमजन को डायल 112 सेवा की महत्ता और त्वरित सहायता के लिए इसके प्रयोग के प्रति जागरूक किया जाएगा। मादक पदार्थ तस्करी को खत्म करने के लिए विशेष अभियान चलाने और संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क निगरानी रखने का निर्णय लिया गया। सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए यातायात नियमों को सख्ती से लागू करने और जन-जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। महिलाओं के खिलाफ अपराधों को रोकने के लिए विशेष कदम उठाने पर जोर दिया गया।

पासपोर्ट शाखा के पदाधिकारी को सम्मानित करतीं एसपी रीष्मा रमेशन

पासपोर्ट शाखा को किया सम्मानित

पलामू जिले की पासपोर्ट शाखा को राज्य स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया है। राज्य में पासपोर्ट से जुड़े मामलों के निष्पादन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिलों में पलामू का नाम शामिल किया गया, जहां 99 प्रतिशत मामलों का सफलतापूर्वक निष्पादन किया गया है। इस उपलब्धि के लिए एसपी रीष्मा रमेशन ने पासपोर्ट शाखा और उसमें कार्यरत कर्मियों को ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

आज सम्मानित होंगे संताली फिल्मों के कलाकार

PHOTON NEWS JSR : रास्का के स्थापना दिवस पर सोमवार को 13वें संताली फिल्म का पुरस्कार समारोह बिष्टुपुर स्थित नरभेराम हंसराज इंग्लिश स्कूल प्रेक्षागृह में होगा। संस्था के निदेशक रवींद्रनाथ मुर्मू ने बताया कि इस रंगारंग कार्यक्रम में बतौर अतिथि राज्य के पूर्व मंत्री तथा सांसद जोबा मांझी, प बंगाल सरकार की मंत्री बीर बाहा हांसदा, टाटा स्टील फाउंडेशन के सीईओ सौरभ राय, ट्राइबल आइडेंटिटी व टाटा स्टील फाउंडेशन के हेड जीरेन टोपनो, पद्मश्री डॉ. दमयंती बेसरा, साहित्यकार भोगला सोरेन आदि भी सम्मिलित होंगे।

पुरस्कार के लिए नामितों की सूची

सर्वश्रेष्ठ फिल्म
- रेगेंज किसाड़ : आर एस टी फिल्म प्रोडक्शन
- साकाम आलोम ओरेजा : गंगा फिल्म्स
- जोनोम जोनोम : तिरियो बानाम प्रोडक्शन

सर्वश्रेष्ठ कहानी
- मानसिंह माडीं : साकाम आलोम ओरेजा
- राजेंद्र सोरेन : जोनोम जोनोम
- रघुनाथ टुडू : रेगेंज किसाड़

सर्वश्रेष्ठ निर्देशक
- राजेंद्र सोरेन : जोनोम जोनोम
- दशरथ हांसदा : साकाम आलोम ओरेजा
- स्टार संजू : आम लगीत

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता
- अमरदीप टुडू : आम लगीत
- सुरेंद्र टुडू : साकाम आलोम ओरेजा
- प्रियो हेंब्रम : जोनोम जोनोम

सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री
- सुनीता हेंब्रम : आम लगीत
- रिबिका : रेगेंज किसाड़
- टीना हेंब्रम : साकाम आलोम ओरेजा

सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता
- संतोष मुर्मू : सोरेस दो ओकोय टिंग
- राजेंद्र सोरेन : साकाम आलोम ओरेजा
- दीपक बारी : जोनोम जोनोम

सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री
- पारुल हांसदा : साकाम आलोम ओरेजा
- रानी देवगम : जोनोम जोनोम
- मोनिका टुडू : आम लगीत

सर्वश्रेष्ठ छायाकार
- राजमोहन सोरेन : साकाम आलोम ओरेजा
- शिवा अंगराई और सरोज कुमार : जोनोम जोनोम
- अनिल हेंब्रम : सोरेस दो ओकोय टिंग

सर्वश्रेष्ठ संपादक
- राजमोहन सोरेन : साकाम आलोम ओरेजा
- पालु हेंब्रम और संजू मंडी : जोनोम जोनोम
- रघुनाथ टुडू : रेगेंज किसाड़

सर्वश्रेष्ठ गीतकार
- सारी कथा : संजय सोरेन : आम लगीत
- ओबला मोने : श्याम सुंदर माझी : जोनोम जोनोम
- जहां हिलो खोन : फुरमल बेसरा : साकाम आलोम ओरेजा

सर्वश्रेष्ठ गायक
- ओबला मोने : कुमार सावन : जोनोम जोनोम
- सारी कथा : नेल्सन टुडू : आम लगीत
- जहां हिलो खोन : फुरमल बेसरा : साकाम आलोम ओरेजा

सर्वश्रेष्ठ गायिका
- ओबला मोने : निर्मला किस्कू : जोनोम जोनोम
- सारी कथा : पूर्णिमा सोरेन : आम लगीत
- जहां हिलो खोन : पुरायनी सोरेन : साकाम आलोम ओरेजा

सर्वश्रेष्ठ खलनायक
- स्टार संजू : आम लगीत
- जोय मुर्मू : साकाम आलोम ओरेजा
- सत्यम सुंदर हांसदा : जोनोम जोनोम

सर्वश्रेष्ठ हास्य अभिनेता
- लखन मुर्मू : पाप रेयां कुदय
- दिनेश हेंब्रम : आम लगीत
- डॉक्टर मुर्मू : रेगेंज किसाड़।

मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

ट्रक से मिला 47 क्विंटल अफीम, एक गिरफ्तार

GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र के पास रविवार को पुलिस ने छापा मार कर एक ट्रक से 47 क्विंटल 32 किलो डोडा (अफीम) बरामद किया, जो 212 बोरों में रखे थे। पुलिस ने एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी गणपत राम राजस्थान के बालेतर (बाडमेर) का निवासी है। जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि टाटा से बहरागोड़ा की ओर जाने वाली एनएच-18 मुख्य मार्ग से ट्रक में डोडा ले जाया जा रहा है। इस सूचना पर वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल ने अनुमडंल पुलिस पदाधिकारी घाटशिला व अंचल अधिकारी धालभूमगढ़ के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया। छापामारी दल ने घाटशिला की ओर से आने-वाले वाहनों को जांच करने के लिए जयरामडीह गांव के समीप चेकिंग प्रारंभ किया। इसी बीच घाटशिला की ओर से आ रहे एक ट्रक का चालक पुलिस को देखकर घबरा गया और भागने लगा। उसने जयरामडीह के पहले कच्ची सड़क पर ट्रक को घुसा दिया, लेकिन छापामारी दल ने उसे घेर कर पकड़ लिया। वाहन की तलाशी लेने पर सफेद रंग के प्लास्टिक के बोरों में डोडा भरा हुआ पाया।

सॉलिड-लिक्विड मैनेजमेंट के लिए डस्टबिन का समुचित उपयोग करने का आग्रह

स्वच्छ जिला बनाने में व्यापारी करेंगे सहयोग

PHOTON NEWS LATEHAR: लातेहार के प्रखंड कार्यालय में रविवार को सॉलिड एवं लिक्विड रिसोर्स मैनेजमेंट (एसएलआरएम) पर कार्यशाला हुई, जिसमें लातेहार के व्यापारियों को ठोस व तरल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय हरित सेवा के परियोजना निदेशक, सलाहकार सी. श्रीनिवासन ने सॉलिड-लिक्विड रिसोर्स मैनेजमेंट पर उपचार और पुनर्चक्रण के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि जिले में सॉलिड व लिक्विड रिसोर्स मैनेजमेंट (एसएलआरएम) कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसके तहत अपशिष्ट प्रबंधन की वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर जिले को स्वच्छ और हरित बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

कार्यक्रम में उपस्थित लातेहार जिला के व्यवसायी ● फोटोन न्यूज

कार्यशाला में डॉक्यूमेंट्री फिल्म द्वारा इंटीग्रेटेड सॉलिड एवं लिक्विड वेस्ट रिसोर्स मैनेजमेंट प्रणाली की जानकारी विस्तृत रूप से दी और प्रश्नों के उत्तर दिए।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक प्रतिष्ठान, दुकानों को हरा एवं लाल डस्टबिन उपलब्ध करा दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठानों व दुकानों से निकलने वाले गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखें। गीले कचरे (जैसे कि खाने-पीने का कचरा, सब्जी के छिलके आदि) को हरे रंग के डस्टबिन में डालें। सूखे कचरे (जैसे कि प्लास्टिक, कागज आदि) को लाल रंग के डस्टबिन में डालें, ताकि कचरे का उचित निपटान सुनिश्चित कर रीसायकल या खाद्य के रूप में उपयोग किया जा सके। जिले को स्वच्छ व हरा-भरा बनाए रखने के लिए पर्यावरण के दृष्टिगत हमें ठोस व तरल अपशिष्ट प्रबंधन की तकनीक अपनाने की जरूरत है। इस मौके पर नगर प्रशासक, नगर पंचायत लातेहार राजीव रंजन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अल्का हेंब्रम, चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष, सदस्य, प्रतिष्ठानों के व्यवसायी उपस्थित थे।

वाणिज्यिक बागवानी प्रशिक्षण का समापन

KHUNTI : बैंक ऑफ इंडिया आरसेटी में चल रहे 13 दिवसीय प्रशिक्षण का समापन समारोह रविवार को आयोजित किया गया। 22 अप्रैल से जारी प्रशिक्षण में विभिन्न प्रखंडों के 33 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। दुमका से आयीं प्रशिक्षिका स्नेहली हेम्ब्रोम ने प्रशिक्षुओं को वाणिज्यिक बागवानी से संबंधित विभिन्ना पहलुओं की जानकारी और प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का अंतिम मुल्यांकन नेशनल एकेडमी ऑफ रूडसेटी के विवेकानंद भगत और नीरज गुप्ता ने किया। प्रशिक्षण के दौरान बागवानी संबंधी उन्नत बीजों और खादों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। विभिन्न मौसमों में फलने वाले फलों और वृक्षों की जानकारी के साथ उन्हें उन्नत बीजों एवं पौधों को रोपने का सही तरीका बताया गया। इसके अलावा प्रशिक्षुओं को पेड़-पौधों की सही देखभाल और ज्यादा फलदार वृक्षों की जानकारी दी गई।

अवैध खनन पर लगी लगाम, सड़कों पर लौटा सन्नाटा, अब कार्रवाई का इंतजार

PHOTON NEWS CHAIBASA : एक समय था जब नोवामुंडी से चाईबासा तक की सड़कें लौह अयस्क से लदे ट्रकों से भरी रहती थीं। अवैध माइनिंग, जाली चालान और खनन माफियाओं की मिलीभगत से यह इलाका मानो अवैध खनन का गलियारा बन चुका था। आम जनजीवन प्रभावित था और सड़कों पर चलना तक मुश्किल हो गया था। लेकिन हाल ही में जब पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने बिना किसी वैध दस्तावेज के आयरन ओर से लदी 6 गाड़ियों को रोक कर पुलिस के सुपुर्द किया। खनन विभाग ने भी जामदा क्षेत्र में 2 और ट्रक पकड़े, तो हालात अचानक बदल गए। आज वही सड़कें, जो कभी ट्रकों की कतार से जाम रहती थीं, लगभग 80 प्रतिशत तक खाली हो चुकी हैं। सड़कों पर पसरा सन्नाटा इस बात का प्रमाण है कि वर्षों से बड़े पैमाने पर अवैध रूप से खनिजों का दोहन और परिवहन हो रहा था।

नोवामुंडी-चाईबासा सड़क पर पसरा सन्नाटा ● फोटोन न्यूज

यह परिस्थिति सरकार और खनन विभाग के लिए एक चेतावनी है कि यदि थोड़ी सी सख्ती इतना बड़ा प्रभाव ला सकती है, तो एक संगठित और ठोस रणनीति इस पूरे रैकेट को जड़ से समाप्त कर सकती है। अब समय आ गया है कि अवैध खनन पर पूर्ण विराम लगाने के लिए विशेष जांच दल गठित किए जाएं।

सड़क मार्गों की डिजिटल निगरानी और जीपीएस ट्रैकिंग अनिवार्य हो। जाली चालानों पर रोक के लिए तकनीकी समाधान लागू हों। दोषी अधिकारियों और माफिया पर कड़ी कार्रवाई की जाए। जनहित में यह आवश्यक है कि सरकार इस मुद्दे को सर्वोच्च प्राथमिकता पर ले और अवैध खनन के खिलाफ कठोर कदम उठाए। अब जब पर्दा उठ चुका है, तो समाधान भी ठोस और पारदर्शी होना चाहिए।

BRIEF NEWS

झारखंड सीएसआर कॉन्क्लेव 20-21 जून को, पंजीकरण शुरू

RANCHI : मिशन ब्लू फाउंडेशन और आई 3 फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में झारखंड सीएसआर कॉन्क्लेव-2025 का आयोजन 20 और 21 जून को किया जाएगा। रांची के होटल चाणक्य बीएनआर में होने वाले इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य कॉर्पोरेट, एनजीओ, सिविल सेवाओं के प्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं को साझा मंच प्रदान कर राज्य में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व को और अधिक प्रभावशाली बनाना है। कॉन्क्लेव के आयोजनकर्ता पंकज सोनी और राजीव गुप्ता ने रविवार को आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि कॉन्क्लेव में राज्यभर में कार्यरत हजारों एनजीओ के प्रतिनिधि और 200 से अधिक सरकारी और निजी कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। दो दिवसीय इस आयोजन में पैनल चर्चा, सीएसआर प्रोजेक्ट्स की प्रदर्शनी और नेटवर्किंग सेशन्स आयोजित किए जाएंगे।

अधिवक्ताओं के लिए स्वास्थ्य बीमा ऐतिहासिक निर्णय : हाजी मतलूब

RANCHI : झारखंड राबता हज कमेटी के अध्यक्ष हाजी मतलूब इमाम ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बधाई देते हुए कहा कि

झारखंड के अधिवक्ताओं को स्वास्थ बीमा योजना का लाभ देने का निर्णय स्वागत योग्य है। झारखंड इस तरह का निर्णय लेने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। झारखंड राब्ता हज कमेटी इसका स्वागत करती है। हाजी मतलूब इमाम ने कहा कि हम मुख्यमंत्री से अपील करते हैं कि झारखंड के पत्रकारों, झारखंड आंदोलनकारियों को भी स्वास्थ्य बीमा योजना से जोड़ा जाए और इनको भी बीमा योजना का लाभ दिया जाए। मुख्यमंत्री के उस निर्णय का भी स्वागत करते हैं, जिसमें उन्होंने कहा कि बेहतरीन लॉ यूनिवर्सिटी झारखंड में बनेगी।

ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस उलेमा ने संविधान बचाओ रैली का किया समर्थन

RANCHI : ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस-ए-उलेमा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुफ्ती अब्दुल्ला अजहर कासमी ने झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निमंत्रण पर पार्टी कार्यालय में मुलाकात की। संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ रैली को सफल बनाने पर चर्चा की गई। मुफ्ती अब्दुल्ला अजहर ने केशव महतो को आश्वस्त किया कि भारत का संविधान हमारे पूर्वजों द्वारा जाति और धर्म से ऊपर उठकर मानवता और देश की रक्षा के लिए लिखा गया था। भारत के इस संविधान ने अल्पसंख्यकों को धार्मिक, शैक्षिक, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक संरक्षण के अवसर प्रदान किए हैं।

गर्मी, बरसात और ठंड के दिनों में होती है ट्रैफिक जवानों को परेशानी

स्मार्ट सिटी की सूची में शामिल रांची के ट्रैफिक पोस्ट बेहाल

PHOTON NEWS RANCHI : स्मार्ट शहरों की सूची में शामिल झारखंड की राजधानी रांची में स्मार्ट ट्रैफिक पोस्ट खुद ही बदहाली की कहानी बयां कर रहे हैं। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत विकसित किए गए ये ट्रैफिक पोस्ट अब महज नाम के 'स्मार्ट' रह गए हैं। हकीकत ये है कि कई पोस्टों पर प्लास्टिक के शेड लगाए गए हैं, तो कहीं तिरपाल बांधकर ट्रैफिक जवानों के लिए अस्थायी छाया की व्यवस्था की गई है। इतना ही नहीं, कई पोस्ट की हालत तो जर्जर हो चुकी है। इसके बावजूद विभाग का ध्यान इस ओर नहीं है।

हर मौसम में होती है परेशानी : ट्रैफिक पोस्टों की जर्जर स्थिति के कारण ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को गर्मी, बरसात और ठंड जैसे सभी मौसमों में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। दिनभर धूप में खड़े रहना, बरसात में भीगना और ठंड में बिना किसी सुरक्षा के ड्यूटी करना उनकी डेली ड्यूटी की कहानी बन चुकी है।

» कहीं प्लास्टिक का बना है शेड, तो कहीं पोस्ट में बांध रखा है तिरपाल

हरमू चौक के नजदीक

» जर्जर ट्रैफिक पोस्ट में सुबह से रात तक रहते हैं जवान

करमटोली चौक पर

स्मार्ट सिटी का हिस्सा हैं ये पोस्ट

राजधानी में करीब दर्जनों ट्रैफिक पोस्ट हैं, जहां सुबह से लेकर देर रात तक पुलिस जवान ट्रैफिक संचालन का जिम्मा संभालते हैं। लेकिन, इन पोस्टों की स्थिति देखकर नहीं लगता कि ये किसी 'स्मार्ट सिटी' का हिस्सा हैं। कई जगहों पर ट्रैफिक बूथ टूटे-फूटे हैं, शेड उखड़ चुके हैं, और कुछ जगहों पर शेड की जगह तिरपाल बांधकर काम चलाया जा रहा है। यह स्थिति न केवल ट्रैफिक पुलिस के लिए असुविधाजनक है, बल्कि शहर की छवि को भी धूमिल कर रही है। आम नागरिकों के लिए 'स्मार्ट सिटी' का मतलब आधुनिक सुविधाओं और बेहतर व्यवस्था से है, लेकिन रांची की ट्रैफिक व्यवस्था इससे कोसों दूर नजर आती है।

पोस्ट के अंदर-बाहर दिक्कत

एक ट्रैफिक जवान ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि गर्मी के मौसम में पोस्ट के अंदर खड़ा रहना मुश्किल हो जाता है। छाया के अभाव में कई बार उन्हें लू लगने जैसी स्थिति का सामना करना पड़ता है। बरसात के समय तिरपाल भी काम नहीं आता और वे भीगते हुए ड्यूटी करते हैं।

जवानों के कंधों पर है पूरा दारोमदार

रांची स्मार्ट सिटी मिशन के तहत करोड़ों रुपये की योजनाएं चलाई जा रही हैं। लेकिन, जमीनी हकीकत यह है कि मूलभूत सुविधाओं तक का ध्यान नहीं रखा जा रहा। स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम की बात तो की जा रही है, लेकिन जिन पर यह व्यवस्था टिकी है उन ट्रैफिक जवानों की जरूरतों को नजरअंदाज किया जा रहा है। ऐसे में जरूरत है नगर निगम और स्मार्ट सिटी प्रबंधन ट्रैफिक पोस्ट की स्थिति पर गंभीरता से ध्यान दें। सुविधाओं से युक्त ट्रैफिक बूथ बनाए जाएं, ताकि जवानों को सुरक्षित और आरामदायक वातावरण मिल सके।

आदिवासी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए हेमंत सरकार प्रतिबद्ध : चमरा लिंडा

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने बुंडु स्थित आदिवासी कॉलेज छात्रावास का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने वहां की मूलभूत सुविधाओं, प्रबंधन व्यवस्था और विद्यार्थियों की स्थिति का गहराई से मूल्यांकन किया। कहा कि हेमंत सरकार आदिवासी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने छात्रावास में रह रहे छात्र-छात्राओं से उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं और सुझावों को गंभीरता से सुना। छात्रों ने भोजन, पढ़ाई, स्वास्थ्य और सफाई व्यवस्था से जुड़ी कई महत्वपूर्ण बातें सामने रखी, जिन पर मंत्री ने त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। मौके पर तमाड़ विधायक विकास मुंडा, विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, प्रबंधन समिति के सदस्य और कई जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि आप सभी इस राज्य का भविष्य हैं। हेमंत सरकार आपकी शिक्षा, सुरक्षा और सुविधा के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। मेरी प्राथमिकता है कि सभी छात्रावास में समुचित खानपान, पढ़ाई, पुस्तकालय, स्वच्छता और देखरेख की व्यवस्था सुनिश्चित हो। जल्द ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से विशेष बैठक कर आदिवासी छात्रावासों की स्थिति में व्यापक सुधार हेतु योजनाओं पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि आने वाले समय में राज्य के हर आदिवासी छात्रावास में कुक, लाइब्रेरियन, वार्डन और सफाईकर्मी की स्थायी नियुक्ति की जाएगी। बच्चों को निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण भोजन भी उपलब्ध कराया जाएगा।

भवन निर्माण में अनियमितता पर सख्ती : निरीक्षण के दौरान मंत्री ने छात्रावास के नए भवन निर्माण में अनियमितताओं पर नाराजगी जताई। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्य की गुणवत्ता में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कास्ट सेंसस पर कांग्रेस ने भाजपा पर बोला हमला, केशव महतो कमलेश बोले-

केंद्र वर्षों से जातिगत जनगणना की मांग का उड़ाता रहा मजाक

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने जातिगत जनगणना को लेकर मोदी सरकार पर बड़ा हमला बोला है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार वर्षों से जातिगत जनगणना की मांग का मजाक उड़ाती रही है, लेकिन कांग्रेस के दबाव और राहुल गांधी की सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता के चलते अंततः सरकार को झुकना पड़ा और जनगणना की घोषणा करनी पड़ी।

कार्यकताओं को सच्चाई से कराएंगे अवगत : उन्होंने बताया कि आगामी संविधान बचाओ रैली में कांग्रेस कार्यकताओं को जातिगत जनगणना की सच्चाई से अवगत कराया जाएगा, ताकि वे आम जनता को भाजपा की बहुजन विरोधी सोच और जनगणना के विरोध में की गई कोशिशों के बारे में विस्तार से बता सकें। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर तक के ग्रामीणों को यह समझाया जाएगा कि भाजपा किस तरह उनके संवैधानिक अधिकारों को लगातार कुचल रही है।

पिछड़े वर्गों की आवाज दबाने का प्रयास

केशव महतो कमलेश ने कहा कि भाजपा की सरकार सामाजिक न्याय की राह में रोड़ा बन रही है और पिछड़े वर्गों की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने सभी कांग्रेस कार्यकताओं से अपील की कि वे संविधान बचाओ रैली को जन आंदोलन का रूप दें और जातिगत जनगणना जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे को आम जनता तक पहुंचाएं।

जातिगत जनगणना पर विस्तृत चर्चा : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया कि हाल ही में कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में जातिगत जनगणना को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और कई अहम प्रस्ताव पारित किए गए। इन प्रस्तावों में अनुच्छेद 15(5) को तत्काल लागू करने की मांग प्रमुख रूप से शामिल है, जिससे दलित, आदिवासी और ओबीसी समुदाय को निजी शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण मिल सके।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने संविधान बचाओ रैली को बताया नौटंकी

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली पर तीखा हमला बोलते हुए इसे महज एक नौटंकी करार दिया। प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में बाबूलाल मरांडी ने कांग्रेस पर सत्ता और तुष्टिकरण के लिए बार-बार संविधान से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने 60 वर्षों के शासनकाल में 79 बार संविधान संशोधन कर लोकतंत्र और उसकी मूल भावना को कमजोर किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने संविधान को तुष्टिकरण का घोषणापत्र बना दिया। उन्होंने पहला संविधान संशोधन, अनुच्छेद 35अ और राष्ट्रपति शासन के दुरुपयोग का उदाहरण देते हुए कहा कि कांग्रेस ने संविधान को अपनी जागीर समझा। प्रेस वार्ता में भाजपा प्रवक्ता राफिया नाज और योगेंद्र प्रताप सिंह भी उपस्थित थे।

आपातकाल में मौलिक अधिकारों को कुचला

बाबूलाल ने कहा कि इंदिरा गांधी द्वारा लागू किया गया 42वां संविधान संशोधन लोकतंत्र पर सबसे बड़ा प्रहार था, जिसे मिनी संविधान कहा गया। आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों को कुचला गया, प्रेस और न्यायपालिका की स्वतंत्रता छीनी गई। उन्होंने शाहबानो केस, वक्फ कानून और मुस्लिम आरक्षण की सिफारिशों का हवाला देते हुए कांग्रेस पर अल्पसंख्यक तुष्टिकरण का आरोप लगाया। साथ ही, राहुल गांधी द्वारा कैबिनेट पेपर फाड़ने और ईडी दफ्तरों के बाहर कांग्रेस कार्यकताओं द्वारा किए गए विरोध को भी संविधान और संसदीय प्रणाली का अपमान बताया।

हटाए गए कांके थाना प्रभारी सुशील कुमार, प्रकाश रजक बने नए थानेदार

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड की राजधानी रांची में कई पुलिस पदाधिकारी को इधर से उधर किया गया है। डीआईजी-सह-एसएसपी के आदेश से ये ट्रांसफर-पोस्टिंग हुई है। वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय ने बताया है कि पुलिस निरीक्षक स्तर के 3 पदाधिकारियों का तबादला कर दिया गया है। सभी को तत्काल नई जगह पर योगदान देकर इसकी जानकारी देने के लिए कहा गया है। जिन पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया गया है, उनके नाम सुशील कुमार, प्रकाश रजक और रणविजय शर्मा हैं। कांके थाना प्रभारी सुशील कुमार को पुलिस केंद्र रांची भेज दिया गया है। तमाड़ अंचल के पुलिस निरीक्षक प्रकाश रजक को कांके का थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक बनाया गया है। पुलिस केंद्र रांची में पदस्थापित पुलिस निरीक्षक रणविजय शर्मा का ट्रांसफर करते हुए तमाड़ अंचल का पुलिस निरीक्षक नियुक्त किया गया है।

कांके के नए थाना प्रभारी प्रकाश रजक

चूहे की तरह कुतरा जा रहा संविधान : बंधु

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को केंद्र सरकार द्वारा बनाया गया वक्फ अमेंडमेंट एक्ट 2025 के खिलाफ डोरंडा में रिसालदार शाह बाबा उर्स मैदान में विरोध सभा का आयोजन झारखंड मुस्लिम युवा मंच एवं मुस्लिम समाजिक संगठनों द्वारा किया गया। इसकी अध्यक्षता अध्यक्ष शाहिद अयूबी ने की। आमया संगठन के अध्यक्ष एस अली ने कहा भारत में हर समुदाय और संस्थाओं को अपनी धार्मिक मान्यता के अनुसार संपत्तियों का प्रबंध करने का अधिकार है। लेकिन, वक्फ अमेंडमेंट एक्ट 2025 अनुच्छेद 26 में मिले अधिकार को छीनता है, अमेंडमेंट एक्ट में वक्फ बाय यूजर और धारा 40 समाप्त करने से

मौखिक और सादे कागज में स्थापित वक्फ संपत्तियों पर खतरा मंडरा रहा। सभा में पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि जिन लोगों की देश की आजादी और संविधान के निर्माण में कोई भूमिका नहीं, वे सत्ता का दुरुपयोग कर संविधान को चूहे की तरह कुतर रही है। अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम ने कहा कि मोदी सरकार बहुमत का दुरुपयोग कर काला कानून बनाया है।

आयोग के उपाध्यक्ष ज्योति सिंह माथरू ने कहा कि वक्फ की जमीन अल्लाह की है, जिसे किसी भी रूप छीनने नही दिया जा सकता। इदार ए शरिया के नाजिम ए आला ने कहा कि मुस्लिम समुदाय से बुना सहमति के वक्फ एक्ट में बदलाव किया गया है जो संविधान के लिए घातक है।

केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने की सीसीएल व सीएमपीडीआई की संयुक्त रिव्यू मीटिंग

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने रविवार को रांची में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड और सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड की संयुक्त समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में दोनों कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। मंत्री ने गत वित्तीय वर्ष के प्रदर्शन, वर्तमान कार्ययोजना और भविष्य की रणनीतियों की समीक्षा की। उन्होंने सीसीएल की उपलब्धियों की सराहना करते हुए ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में इसके योगदान को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने परियोजनाओं को समय पर पूरा करने, तकनीकी नवाचार अपनाने और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक में सीसीएल व सीएमपीडीआई के सीएमडी सहित कई निदेशक व अधिकारी उपस्थित रहे। अंत में मंत्री ने टीम की प्रतिबद्धता की सराहना की और बेहतर परिणामों की आशा जताई।

खेलगांव स्थित ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इंडोर स्टेडियम में हुई ऑल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप

कराटे प्रतियोगिता में 19 गोल्ड मेडल के साथ झारखंड बना ओवरऑल चैंपियन

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के खेलगांव स्थित ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इंडोर स्टेडियम में सिकोकई कराटे इंटरनेशनल झारखंड के तत्वाधान में हुई दूसरी सिकोकई ऑल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप में झारखंड के कराटे खिलाड़ियों ने उम्दा प्रदर्शन किया। शानदार प्रदर्शन करते हुए 19 स्वर्ण पदक जीत कर ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। दूसरे स्थान पर छत्तीसगढ़ की टीम 14 स्वर्ण पदक के साथ रही। बंगाल की टीम 9 स्वर्ण पदक के साथ तीसरे स्थान पर रही। पुरुष वर्ग में चैंपियन का खिताब छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी रियांश परमार को मिला। वहीं महिला वर्ग में चैंपियन का खिताब

» दूसरे स्थान पर छत्तीसगढ़ की टीम 14 स्वर्ण पदक के साथ रही

» बंगाल की टीम 9 स्वर्ण पदक के साथ तीसरे स्थान पर रही

प्रतियोगिता के परिणाम

- जूनियर फीमेल कुमिते - 48 किलो
- चंद्रधारी इशिका गोल्ड, छत्तीसगढ़
- मांझी गायत्री सिल्वर, ओड़िशा
- सीनियर फीमेल कुमिते - 50 किलो
- रितिका तिग्गा गोल्ड, झारखंड
- अश्विनी खलखो सिल्वर, झारखंड
- राजा रविदास गोल्ड, पश्चिम बंगाल
- इशांत पांडे सिल्वर, झारखंड
- कैडेट मेल कुमिते - 45 किलो
- अर्पित साहू गोल्ड, छत्तीसगढ़
- अभिराज सिल्वर, झारखंड
- अंडर 8 वर्ष फीमेल कुमिते -30
- जयंती सेठी, कांस्य
- गायत्री कुमारी कांस्य, झारखंड
- नेतम इक्षा कांस्य, छत्तीसगढ़।

झारखंड की खिलाड़ी रितिका तिग्गा ने पाया।

अनुशासित टीम का खिताब ओड़िशा को : समापन समारोह के मुख्य अतिथि डिवाइन सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल रांची झारखंड के मेडिकल डायरेक्टर डॉ देवनीस खेस ने सभी खिलाड़ियों को पदक देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने यह कहा कि प्रतिभा की कमी नहीं है। राज्य में बस जरूरत है उसे निखारने की। वहीं कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के ट्राइबल एंड माइनॉरिटी डेवलपमेंट कमीशन के चेयरमैन शिहान सुनील किस्पोट्टा ने कहा कि रांची का खेलगांव पूरे विश्व में प्रचलित है। इस खेल गांव में अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता भी कराई जा सकती है। जल्द ही राज्य सरकार के साथ समन्वय बना कर यहां पर अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा।

कांके विधायक सुरेश बैठा ने कालीकरण व पीसीसी पथ निर्माण का किया शिलान्यास

PHOTON NEWS RANCHI : रांची क्षेत्रीय विकास प्राधिकार, नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा कांके प्रखंड के सुकुरहुट्टू सरना टोली से लेकर रिंग रोड तक लगभग 2.5 किलोमीटर कालीकरण और पीसीसी पथ निर्माण का शिलान्यास कांके विधायक सुरेश बैठा, उप प्रमुख अंजय बैठा, जिप सदस्य सुषमा देवी और मुखिया अनीता मुंडा ने किया। विधायक ने कहा कि कांके क्षेत्र का सुकुरहुट्टू गांव को पूर्व के सभी विधायक हमेशा विकास के नाम पर नजरअंदाज करते रहे हैं। पूर्व के विधायक यहां की जनता से सिर्फ वोट लेने का काम किए हैं। 35 सालों से सुकुरहुट्टू के सरना टोली गांव की यह सड़क जर्जर अवस्था में थी। मैंने चुनाव के दौरान ही इस सड़क को बनाने का वादा किया था। आज सुकुरहुट्टू के लोगों को इस सड़क की सौगात दे कर अपना वादा पूरा कर रहा हूं। सुकुरहुट्टू के तेलिया टंगरा टोली की सड़क भी बरसात से पहले पहले बना दी जाएगा।

गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं विधायक ने संवेदक को चेताते हुए कहा कि सड़क निर्माण कार्य में किसी भी तरह के गुणवत्ता पर अनियमिता नहीं बरती जाएगी। शिकायत मिलने पर कार्रवाई भी की जाएगी। सड़क कार्य निगरानी कमेटी भी बनाई जाएगी, जो सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर नजर रखेगी। मौके पर झामुमो नेता समनूर मंसूरी, दिलेशर महतो, अजीजुल अंसारी, विधायक प्रतिनिधि संजीव महतो, बिनोद साहू, हरिनाथ साहू, सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

शहरनामा

वीरेंद्र ओझा

पाठशाला बनी अखाड़ा

राजनीति के लिए बड़ी पाठशाला सरकारी अस्पताल को ही माना जाता है, क्योंकि दूसरों की सेहत का ख्याल रखने वाला ही अक्सर बीमार रहता है। इस बार तो हद ही हो गई, स्वस्थ होने के लिए आए तीन लोग सुरधाम पहुंच गए। खैर, इसी बहाने यह पाठशाला अखाड़ा में तब्दील हो चुकी है। चतुर चाचा भी होशियार भतीजे को खरी-खोटी सुना रहे हैं, तो बहूरानी भी काफी कुछ कह गईं। ले-देकर ठीकरा उसी के माथे फूटा, जिस पर कलंक का टीका लगना था। भतीजा अभी शांत हैं, क्योंकि उसी ने इसके कायाकल्प का संकल्प लिया था। चाचा अपने समय में खून-पसीना बहाकर भी इसे नहीं सुधार सके थे। भतीजे ने भी बिल्डिंग दर बिल्डिंग खड़ी कर दी, जबकि पुराने में प्लास्टर तक कराने की जहमत नहीं उठाई। बहरहाल, इसी पाठशाला में पढ़ाई करके कई आक्रामक नेता बन गए, कुछ ने समाजसेवी की पगड़ी बांध ली।

समाज की राजनीति

आमतौर पर राजनीति बड़े सदन की कुर्सी के लिए होती है, लेकिन बड़ी संख्या समाज की राजनीति के लिए भी होती है। हर समाज में कुछ कुख्यात-विख्यात-प्रख्यात हस्ती होते हैं, अमूमन उन्हें ही अपना नेता या कहें प्रतिनिधि चुन लिया जाता है। इसमें ज्यादातर प्रतिनिधि आक्रामक स्वभाव के ही होते हैं, जिससे यह धारणा बनती है कि यही व्यक्ति समाज की मांग प्रभावी तरीके से मनवा सकता है। बहरहाल, हम बात कर रहे हैं, ऐसे नेता की जो हाल में असमय काल के गाल में समा गए। कारण चाहे जो हो, लेकिन उनके लिए बड़े नेता भी आ गए। उनके डील-डौल और तेवर को देखकर ऐसा लगा कि अब तो प्रशासन को घुटने पर बैठा ही देंगे, लेकिन पता नहीं क्या हुआ, दूसरे दिन से ही नेताजी कहीं गायब हो गए। उनकी मांग भी पता नहीं कहां चली गई। पुलिसिया अनुसंधान भी अभी पूरी नहीं हुई है।

पुल ने किया खुश

लौहनगरी के उपनगर मानगो में एक पुल बन रहा है, जिससे अब सभी खुश नजर आ रहे हैं। पहले इसे बनाने वाले नेताजी और उनके समर्थकों ने खुशी व्यक्त की, तो अब इसमें घोटाला-गड़बड़ी की बात करने वाले भी लगता है कि खुश हो गए हैं। चचा भी इसमें कुछ योगदान जुड़वा कर खुश हो गए हैं, तो बीच में काम बंद कराने वाले उनके समर्थक भी लगता है संतुष्ट हो गए हैं। सबसे ज्यादा खुश तो मानगो में विचरण करने वाले हैं, जो अक्सर चौक पर बैरिकेडिंग या संकरे रास्ते की वजह से दुखी रहते थे। पुल बनने के बाद पता नहीं जाम का क्या होगा, लेकिन अभी चौक तो मैदान सरीखा नजर आ रहा है। अब ट्रैफिक पुलिस भी नजर नहीं आती, क्योंकि उनका काम ही हल्का हो गया है। जिसे जहां से मन आता है, इधर से उधर विचरण कर जाता है।

निगम का क्या होगा

लंबे समय से मानगो को अक्षेस से निगम बने हुए हो गया, लेकिन उसका भविष्य अब भी ठीक नहीं दिखाई दे रहा है। बीच में कुछ लोग मेयर-डिप्टी मेयर व वार्ड सदस्य बनने की होड़ में दिख रहे थे, पता नहीं वे अब किस बिल में समा गए हैं। हो भी क्यों नहीं, उन्हें निगम का ही कोई भविष्य नजर नहीं आ रहा है। बीच में जब चुनाव की सुगबुगाहट शुरू हुई थी, तो समाज में घंटे-दो घंटे देने वाले भी मूंछ पर ताव देने लगे थे। अब उनका भी अता-पता नहीं है। अब वही मार्केट में दिख रहे हैं, जिनके लिए समाजसेवा शौक बन चुका है। हाल में, पंचायत वालों ने विद्रोह का बिगुल फूंक कर निगम की रही-सही संभावना की भी कमर तोड़ कर रख दी है। उन्होंने चेतावनी दी है कि खबरदार, जो हमारी तरफ आंख उठाकर भी देख लिया तो ठीक नहीं होगा।

करंट लगने से 12 भेड़ों की मौत, लापरवाही का आरोप

सारंडा वन क्षेत्र में बिजली की चपेट में आकर जानवरों की गई जान

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा के सारंडा क्षेत्र अंतर्गत लेम्ब्रे गांव में बिजली के पोल से फैले करंट की चपेट में आकर 12 भेड़ों की मौत का मामला रविवार को प्रकाश में आया है। यह हादसा बिजली विभाग की लापरवाही के कारण हुआ, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। गंगदा पंचायत के लेम्ब्रे गांव में गुरुवार देर रात जब बिजली आपूर्ति शुरू हुई, तो खंभे पर लगे इंसुलेटर के टूटने से करंट जमीन में फैल गया। तेज आंधी और बारिश के कारण जमीन भीगी हुई थी, जिससे करंट ने पास में बैठी दर्जनों भेड़ों को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते 12 भेड़ों की मौके पर ही झुलसकर मौत हो गई। यह घटना गांव के गरीब पशुपालकों के लिए आर्थिक तबाही लेकर आई, क्योंकि भेड़ों की औसत कीमत 5 से 7 हजार रुपये होती है। गांव के देवेन्द्र चाम्पिया ने रविवार को बताया कि हादसे के तुरंत बाद ग्रामीणों ने बिजली विभाग, स्थानीय लाइनमैन और मनोहरपुर बीडीओ को कई बार फोन कर बिजली आपूर्ति बंद करने की गुहार लगाई, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया। कई अधिकारियों के मोबाइल फोन 'स्विच ऑफ' थे। इससे ग्रामीणों का गुस्सा और भड़क गया। ग्रामीणों का कहना है कि वे पहले भी कई बार जर्जर खंभों और तारों की शिकायत कर चुके हैं, लेकिन विभाग ने कभी संज्ञान नहीं लिया। अब वे मुआवजे और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। चेतावनी दी गई है कि यदि जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो गांववाले आंदोलन करेंगे। उनकी मांग है कि मवेशियों की मौत का मुआवजा तत्काल दिया जाए, जर्जर तारों और उपकरणों की जांच कर जिम्मेदारों को बर्खास्त किया जाए।

मृत अवस्था में पड़े भेड़ • फोटोन न्यूज

समाचार सार

नगर कांग्रेस कमेटी, चाईबासा का हुआ पुनर्गठन

CHAIBASA : नगर कांग्रेस कमेटी, चाईबासा की बैठक रविवार को कांग्रेस भवन में हुई। इसमें नगर कमेटी का अध्यक्ष मो.सलीम, उपाध्यक्ष सुभाष राम तुरी व मो. एहसान, महासचिव प्रेम निषाद के अलावा डॉ.क्रांति प्रकाश, बिट्टू सिंह, शंभू कच्छप, मो.अखलाक, विजय सिंह, मो.शहजादा, राहुल महतो, मो.शहनवाज हुसैन, मो.वजीर व मो.अजमत को मनोनीत किया गया है। इस दौरान पर्यवेक्षक के रूप में राजेश शुक्ला तथा कांग्रेस के जिला प्रवक्ता त्रिशानु राय भी उपस्थित थे।

चक्रधरपुर में करोड़ों की योजनाओं का शिलान्यास

BANDGAON : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बंदगांव प्रखंड के कराईकेला एवं नकटी गांव में रविवार को करोड़ों की लागत से बनने वाली योजनाओं का शिलान्यास किया गया, जिसमें सड़क, गार्डवाल व पुलिया भी शामिल है। शिलान्यास के बाद विधायक सुखराम उरांव ने बताया कि नकटी में सड़क निर्माण तथा कराईकेला पंचायत के आहर-बांध पर गार्डवाल एवं पुलिया निर्माण का कार्य जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) से होगा। इस दौरान जिला परिषद की सदस्य बसंती पूर्ति, विधायक प्रतिनिधि मिथुन गागराई, प्रमुख पीटर घनश्याम तियु समेत कई जनप्रतिनिधि व ग्रामीण मौजूद थे।

घाटशिला प्रखंड कार्यालय का मना स्थापना दिवस

GHATSILA : घाटशिला प्रखंड कार्यालय का 62वां स्थापना दिवस रविवार को झामुमो कार्यकताओं ने मनाया। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत ने केक काट कर बच्चों में वितरित किया। भकत ने कहा कि प्रखंड व अंचल कार्यालय से हर व्यक्ति जुड़े रहते हैं। 61 वर्ष पूर्व घाटशिला को प्रखंड का दर्जा मिला था। इस मौके पर काजल डॉन, विकास मजूमदार, नीलकमल महतो सहित झामुमो के अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

एचसीएल की ठेका कंपनी पर यूनियन ने लगाए आरोप

JADUGORA : मुसाबनी कन्सेंट्रेट प्लांट के यूनियन नेता हेमराज कुमार व कार्यकारी अध्यक्ष इरफान ने एचसीएल की ठेका कंपनी गर्ग इंजीरियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड पर श्रम कानूनों के उल्लंघन के आरोप लगाए हैं। इंटक के प्रदेश अध्यक्ष राकेश्वर पांडेय से रविवार को मुलाकात कर नेताओं ने कहा कि इस बात की शिकायत सहायक श्रमायुक्त चाईबासा को भी सौंपी गई है। आरोप है कि ठेका कंपनी मजदूरों की ग्रेच्युटी, कार्य के दौरान सुरक्षा के लिए पीपीई किट, कंपनी परिसर में प्राथमिक उपचार, एंबुलेंस तक की सुविधा नहीं देती है। इसी तरह मेडिकल, अर्जित आकस्मिक छुट्टी, यूनिफॉर्म, वॉशिंग भत्ता, मकान भत्ता, ईएसआई आदि से मजदूरों को वंचित रखा गया है। रात्रि भत्ता के नाम पर कुछ भी नहीं दिया जाता है।

कारोबारी की कार में जलकर हो गई मौत, सभी दरवाजे हो गए थे लॉक

कदमा में मेरीन ड्राइव पर हुआ हादसा, गैस सिलेंडर में विस्फोट की वजह से लगी आग

PHOTON NEWS JSR: जमशेदपुर के मेरीन ड्राइव पर चलती कार में आग लगने से सीमेंट कारोबारी सुनील अग्रवाल (55) की जिंदा जल कर मौत हो गई है। सुनील अग्रवाल घर से मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

पुलिस की जांच में पता चला है कि कार में ड्राइविंग सीट के बगल में एक घरेलू गैस सिलेंडर रखा था। आशंका जताई जा रही है कि इस गैस सिलेंडर से गैस लीक कर रही थी। कार में मौजूद कदमा के विजया हेरिटेज निवासी सीमेंट कारोबारी सुनील अग्रवाल सिगरेट पी रहे थे। इसी के चलते कार में आग लग गई। गैस सिलेंडर विस्फोट कर गया और कार धू-धू कर जलने लगी। कार लॉक होने की वजह से सुनील अग्रवाल को बचने का मौका ही नहीं मिला।

उनकी जली हुई लाश ड्राइविंग सीट पर ही मिली है। वह सीट-बेल्ट तक नहीं हटा पाए। घटना के पीछे कई सवाल अब भी अनसुलझे हैं। पुलिस जांच में पता चला है कि सुनील अग्रवाल रविवार की सुबह 4.40 बजे घर से निकले थे। उन्होंने कार में एक एलपीजी गैस सिलेंडर रख लिया था। शायद यह गैस सिलेंडर उन्हें किसी को देना था। घटना के बाद परिवार के सदमे में होने की वजह से पुलिस उनसे अभी ज्यादा जानकारी नहीं जुटा पा रही है।

सुनील अग्रवाल की मौत हो गई। वे हुंडई क्रेटा कार में सवार थे, जब अचानक उनकी कार में आग लग गई । सुनील अग्रवाल कदमा के विजया हेरीटेज अपार्टमेंट में रहते थे और जेके लक्ष्मी सीमेंट के सीएनएफ एजेंट थे। इससे पहले वे अंबुजा सीमेंट के सीएनएफ एजेंट भी रह चुके हैं।

घटनास्थल पर जली कार • फोटोन न्यूज

पुलिस जांच में सामने आएंगे कई तथ्य

इस घटना के वीडियो भी सामने आए हैं, जिसमें कार जलती नजर आ रही है, लेकिन यह नहीं दिख रहा कि कारोबारी ने बाहर निकलने की कोशिश की हो। इससे कई सवाल उठने लगे हैं—आखिर उन्होंने दरवाजा क्यों नहीं खोला? क्या वे बेहोश हो चुके थे या उन्हें बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला?

घटनास्थल के पास का नहीं मिला सीसीटीवी फुटेज

घटना को लेकर इलाके में कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं। सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या आसपास के लोगों ने बचाव के प्रयास किए थे। पुलिस ने घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है, ताकि यह पता चल सके कि कहीं यह कोई साजिश तो नहीं थी। पुलिस को सुनील अग्रवाल के कदमा स्थित विजया हेरीटेज से निकलने का सीसीटीवी फुटेज मिला है। मगर, पुलिस को घटनास्थल का सीसीटीवी फुटेज अब तक नहीं मिला है। पुलिस को घटनास्थल के पास अब सीसीटीवी कैमरे नहीं मिल पाए हैं। फिलहाल प्रारंभिक जांच में पुलिस को यह एक दुर्घटना ही लग रही है, लेकिन पुलिस कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती।

परिवार में छा गया मातम

सुनील अग्रवाल के बेटे मुंबई में एक बड़ी कंपनी में कार्यरत हैं, जबकि बेटी अमेरिका में रहती हैं। जैसे ही परिवार को घटना की जानकारी मिली, विजया हेरीटेज सोसाइटी में मातम छा गया। जानने वालों के मुताबिक, सुनील अग्रवाल बेहद हंसमुख और मिलनसार व्यक्ति थे। शनिवार को शहर लौटे थे और रात को आदित्यपुर स्थित मोटल मधुबन में अपने दोस्तों से मुलाकात की थी।

हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान, जांच करने एमजीएम पहुंची डालसा की पूरी टीम

PHOTON NEWS JSR: एमजीएम अस्पताल में मेडिसिन वार्ड का कॉरिडोर गिरने के मामले में हाई कोर्ट ने संज्ञान लिया है। झारखंड हाई कोर्ट के झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष सुजीत नारायण प्रसाद के निदेर्शानुसार और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व्यवहार न्यायालय जमशेदपुर के मार्गदर्शन में डालसा की टीम ने एमजीएम अस्पताल एवं टीएमएच मामले की जांच की। घटनास्थल का दौरा किया, अस्पताल अधीक्षक, उपाधीक्षक और सिविल सर्जन से मिले। घायल मरीज और मृतक के परिजनों से मिलकर जानकारी ली। डालसा की टीम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश (प्रभारी) बिमलेश कुमार सहाय, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी विशाल गौरव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार जमशेदपुर के प्रभारी सचिव अभिषेक प्रसाद, प्रभारी न्यायाधीश सिद्धांत तिग्गा समेत कोर्ट स्टाफ और पीएलवी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश (प्रभारी) बिमलेश कुमार सहाय ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पूरे मामले की रिपोर्ट हाई कोर्ट को सौंपी जाएगी। बिमलेश कुमार सहाय ने कहा कि इस दुर्घटना में जख्मी हुए मरीज और मृतकों के परिजनों को हरसंभव मदद होगी। डालसा के मार्फत कैसे और किस तरह पीड़ितों की मदद हो सकती है, इसे हम देखेंगे। वहीं यह भी देखा जा रहा है कि कैसे इतनी बड़ी घटना घटी।

टीएमएच में घायलों से मिले

डालसा टीम घायल सुनील कुमार से मुलाकात की, घटना के बारे में जानकारी ली। डालसा टीम टीएमएच गए तथा रेणुका देवी से मिले, जो वर्तमान में क्रिटिकल केयर यूनिट में भर्ती हैं तथा उनका इलाज चल रहा है। चूंकि मृतक तथा एक घायल के परिजन का पता नहीं चल पाया था, इसलिए पीएलवी नागेन्द्र कुमार एवं दिलीप जायसवाल की मदद से जमशेदपुर निवासी के दो मृतकों के परिजनों का पता लगाया गया तथा उन्हें घटना के बारे में विधिवत जानकारी दी गई। इसके अलावा मृतक श्रीचंद तांती तथा घायल रेणुका देवी में से एक सरायकेला-खरसावां जिले के हैं, इसलिए डीएलएसए सरायकेला के समन्वयक एवं सरायकेला के पीएलवी मुकेश कुमार मिश्रा एवं फागुराम महतो द्वारा उनके परिजनों का भी पता लगाया गया तथा उन्हें घटना के बारे में जानकारी दी गई।

मानगो में ऑटो ने बाइक को मारी टक्कर, 3 जख्मी

JAMSHEDPUR : मानगो के छोटे पुल पर रविवार की सुबह ऑटो और बाइक के बीच टक्कर हो गई, जिसमें तीन लोग घायल हो गए। यह हादसा सुबह करीब 11 बजे हुआ, जब एक ऑटो साकची से मानगो की ओर जा रही थी और बाइक सवार दो युवक मानगो से साकची की ओर जा रहे थे। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार दोनों युवक बुरी तरह घायल हो गए। उन्हें मौके पर मौजूद लोगों ने टीएमएच भेजा। हादसे में ऑटो में सवार एक युवक को भी चोटें आई हैं। वहीं, ऑटो चालक मौके से ऑटो छोड़कर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि दोनों ही वाहन तेज रफ्तार में थे, और मानगो छोटा पुल के पास मोड़ पर नियंत्रण नहीं रख पाने के कारण टक्कर हो गई। घटना के बाद पुल पर कुछ समय के लिए यातायात भी बाधित हुआ। पुलिस ने ऑटो को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश में जुट गई है।

बदले गए पूर्वी सिंहभूम जिले के छह थाना प्रभारी

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले के एसएसपी किशोर कौशल ने ग्रामीण इलाकों के छह थाना प्रभारियों को बदल दिया है। इनमें पोटका थाना प्रभारी रवि होनहागा को हटाकर गोलमुरी पुलिस लाइन भेजा गया है। उनकी जगह एसआई मनोज मुर्मू को पोटका का नया थानेदार नियुक्त किया गया है। मनोज मुर्मू पूर्व में मानगो थाना में कार्यरत थे। यहां से उन्हें पोटका भेजा गया है। गुड़ाबांदा थाना प्रभारी सन्नी टोप्पो को हटा कर पुलिस लाइन भेजा गया है और उनकी जगह राजीव कुमार को गुड़ाबंदा का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। गोविंदपुर के थाना प्रभारी अशोक कुमार को कमलपुर भेजा गया है। जबकि, कमलपुर के थाना प्रभारी दीपक कुमार ठाकुर को पुलिस लाइन में योगदान देने के निर्देश दिए गए हैं। अमित कुमार, जो पुलिस लाइन में तैनात थे, उन्हें अब गोविंदपुर थाना का नया प्रभारी बनाया गया है। शंकर कुशवाहा, जो पुलिस लाइन में कार्यरत थे, अब बहरागोड़ा थाना के नए थानेदार होंगे। उनके स्थान पर पूर्व प्रभारी ईश्वर दयाल मुंडा को पुलिस लाइन भेजा गया है। बमामाईंस थाना में पोस्टेड सुनील कुमार भोक्ता को अब श्यामसुंदरपुर थाना का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है, जबकि पूर्व प्रभारी अखिलेश कुमार को पुलिस लाइन भेज दिया गया है।

एसएसपी किशोर कौशल

सीएम से लेकर मंत्री तक करते रहे दौरा, कभी जर्जर बिल्डिंग की तरफ नहीं दिया गया ध्यान

आखिर कई सालों से क्यों नहीं हो रही थी एमजीएम अस्पताल की मरम्मत

PHOTON NEWS JSR : कोल्हान के सबसे बड़े व 60 साल पुराने महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) मेडिकल कॉलेज-अस्पताल की इमारत की मरम्मत नहीं होती थी। शायद ही किसी को याद हो जब इस बिल्डिंग की मरम्मत हुई हो। इस जर्जर इमारत के लटके हुए छज्जे, उखड़े प्लास्टर वाली छतें और काई लगी दरार वाली दीवारें एमजीएम अस्पताल की बदहाली की कहानी बयां कर रही हैं। एमजीएम अस्पताल के एक डॉक्टर बताते हैं कि साल 2018 में मरम्मत का पैसा आया था। मगर, उसकी भी बंदरबांट कर ली गई। मरम्मत का काम कुछ नहीं हुआ। ब्लड बैंक, गायनी वार्ड, चिल्ड्रेन वार्ड, बर्न वार्ड, ऑर्थो आदि बिल्डिंग अभी जर्जर हैं और किसी भी समय ढह सकती हैं। एमजीएम अस्पताल में 20 साल पहले से छज्जा और छत के प्लास्टर गिरने का सिलसिला चल रहा है। यहां आज भी इमारतों के बाहर छज्जे लटके हुए हैं। कई छज्जे टूट कर लटक रहे हैं, जो अगर गिर जाएं तो नीचे मौजूद लोगों के लिए खतरा है। इन लटक रहे छज्जों को भी नहीं हटाया गया है। यही नहीं, जहां छज्जे टूट गए हैं, वहां उनकी मरम्मत तक नहीं कराई गई है। गायनी वार्ड और चिल्ड्रेन वार्ड की दीवार पर दरारें हैं। इनकी छतों के प्लास्टर उखड़ गए हैं। ऑर्थो वार्ड की दीवारों पर दरारों के साथ काई जमी है। यहां मौजूद मरीज रविवार को हुई घटना के बाद दहशत में हैं। द फोटान न्यूज ने इन मरीजों से बात करनी चाही तो उन्होंने साफ मना कर दिया। बोले न नाम छापिए और ना ही उनकी फोटो लीजिए। अस्पताल प्रबंधन ने मना कर दिया है। किसी भी बाहरी व्यक्ति से बात नहीं करनी है।

एमजीएम अस्पताल के अन्य जर्जर हिस्से • फोटोन न्यूज

मंत्रियों को क्यों नहीं दिखी जर्जर इमारत

जब रघुवर दास झारखंड के सीएम थे, तो उन्होंने एमजीएम अस्पताल का निरीक्षण किया था। इसके अलावा, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी, राजेंद्र प्रसाद सिंह, बन्ना गुप्ता आदि भी एमजीएम अस्पताल का निरीक्षण करते रहते थे। मगर, किसी ने इमारत की मरम्मत की तरफ ध्यान नहीं दिया। कहा जा रहा है कि अगर इमारत की मरम्मत होती रहती तो यह बिल्डिंग इतनी जर्जर नहीं होती।

दो साल पहले चकाचक हुआ था एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक

बताते हैं कि दो साल पहले एमजीएम अस्पताल के एडमिनिस्ट्रिेटिव ब्लॉक की मरम्मत की गई थी। इस ब्लॉक में ही एमजीएम अस्पताल के अधीक्षक का चैंबर है। साथ ही इसमें क्लर्क भी बैठते हैं। बताया जा रहा है कि जब भी सरकार ने मरम्मत का पैसा दिया तो उससे प्रशासनिक ब्लॉक को ही संवारा गया। विजया जाधव जब पूर्वी सिंहभूम की डीसी थीं, तो एमजीएम अस्पताल की इमरजेंसी का विस्तार किया गया था। इसके फर्श को ठीक किया गया था। मगर, इमारतों को ठीक करने की तरफ ध्यान नहीं दिया गया। जबकि, एमजीएम अस्पताल में कुछ नई इमारतों का निर्माण कराया गया।

भवन निर्माण से नहीं कराई गई जांच

नियमानुसार एमजीएम अस्पताल प्रबंधन को जर्जर इमारतों की जांच के लिए भवन निर्माण विभाग को पत्र लिखना चाहिए था। मगर, कभी अधीक्षक ने इस तरफ ध्यान नहीं दिया। एमजीएम अस्पताल के अधिकारियों का कहना है कि एमजीएम अस्पताल डिमना में बने नए अस्पताल में शिफ्ट होना था। इस वजह से इसकी मरम्मत का काम नहीं हुआ। जबकि, डिमना में नया एमजीएम अस्पताल तो इसी साल बन कर तैयार हुआ है। लोग सवाल कर रहे हैं कि डिमना में तो इसी साल नया अस्पताल बन कर तैयार हुआ है। ऐसे में पुराने अस्पताल की मरम्मत करनी चाहिए थी।

हादसे में तीन की मौत के बाद जांच शुरू

एमजीएम अस्पताल में बिल्डिंग की छत गिरने से तीन मरीजों की मौत में अधिकारियों की बड़ी लापरवाही सामने आई है। इससे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सख्त नाराज हैं। उनका कहना है कि अस्पताल में लोग मौत से बचने के लिए आते हैं। अगर, यहां हादसे में उनकी मौत हो जाए तो यह ठीक नहीं है। सीएम ने देर रात न केवल स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी को पूरे मामले को देखने के लिए भेजा बल्कि, स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों के जरिए हालात पर निगाह रखे हुए हैं। सूत्रों की मानें तो सीएम ने आदेश दिया है कि हर हाल में उन सभी अधिकारियों पर कार्रवाई हो, जो इसके लिए जिम्मेदार हैं।

10 साल बाद परिजनों को आई डेविड की याद

एमजीएम अस्पताल में मलबे में दब कर साकची के डेविड जॉनसन की मौत हुई थी। रविवार को डेविड का शव लेने परिजन पहुंचे तो एमजीएम अस्पताल के सफाई कर्मचारियों ने हंगामा कर दिया। सफाई कर्मचारियों का कहना है कि डेविड 10 साल से अस्पताल में था। सफाई कर्मचारी ही उसकी सेवा करते थे। आज जब सरकार ने मुआवजे का एलान कर दिया है तो डेविड के परिजन आ गए हैं। जबकि, अब तक 10 साल से कोई परिजन डेविड की हाल खबर लेने नहीं आता था। सफाई कर्मियों का कहना है कि उन्हें मुआवजे का लालच नहीं है। मगर, वह चाहते हैं कि जब 10 साल तक डेविड की सेवा की है तो अंतिम संस्कार भी वही करेंगे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने बिखेरी सतरंगी छटा

CHAIBASA : शारदा संगीतालय ने रविवार को पिल्लई हॉल में वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम किया, जिसमें बच्चों ने गीत, नृत्य व संगीत से सतरंगी छटा बिखेर दी। कार्यक्रम में गायन में श्रेष्ठ विद्यार्थी सम्मान हिमांशु बिस्वाल, गिटार में अयन दास, मॉडर्न डांस में अन्वी अनीषा सोय एवं परी रॉय, ड्राइंग में सृजिब गिरी को पुरस्कृत किया गया। बेस्ट सपोर्टिंग पर्सन के लिए देवाशीष चटर्जी, देबोजित राय, शुभंकर घोष, प्रणब दरिपा व राजकुमार सिंह को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि राम अवतार अग्रवाल के साथ विशिष्ट अतिथि समाजसेवी गुरमुख सिंह खोखर, राजकुमार सिंह व डॉ. मानोशी सांतरा ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के निदेशक मानस रॉय, देवाशीष चटर्जी, प्रणब दरिपा, देबोजित राय, आशीष सिन्हा, मुनमुन बोस, विवेक सिन्हा, स्निग्धा दे, सौरभी दत्ता, दीपेश गोप, नेहा बॉस आदि सक्रिय रहीं।

BRIEF NEWS

मेघ गर्जन के साथ हुई बारिश से मौसम हुआ सुहावना

ARARIA : अररिया सहित आसपास के इलाकों में रविवार की शाम मौसम ने अपना मिजाज बदला। मेघ गर्जन के साथ जमकर बारिश हुई।बारिश के साथ ही दिन के तापमान में भी गिरावट हुई और लोगों को गर्मी से राहत मिली। अचानक शाम पांच बजे के करीब आसमान काले बादलों से घिर गया और मेघ गर्जन के साथ ही तेज बारिश होनी शुरू हो गई।अचानक हुए बारिश से बाजार में भागमभाग की स्थिति उत्पन्न हो गई। बाजार में मौजूद लोग सुरक्षित स्थानों और दुकानों में घुस कर बारिश से बचाव की। बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली। हालांकि बारिश से मक्का का उत्पादन करने वाले किसानों को परेशानी का सामना भी करना पड़ा और सड़क सहित अन्य स्थानों पर सुख रहे मक्के के दानों को समेटने में लग गए।

अधिकार सेना पार्टी की जिला कमेटी गठित बुंदेल बने अध्यक्ष

NAVADA : नवादा के खादी भंडार के गेस्ट हाउस में रविवार को आजाद अधिकार सेना पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद मिश्रा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अरविंद मिश्रा ने बताया कि आजाद अधिकार सेना पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष (पूर्व आईपीएस) अमिताभ ठाकुर हैं और आजाद अधिकार सेना पार्टी संपूर्ण भारत में अन्याय अत्याचार शोषण दोहन के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है। समाज में सभी को न्याय मिले और क्षेत्र का विकास हो इसके लिए आजाद अधिकार सेना पार्टी सदैव मुस्तैद होकर खड़ा रहेगा। आज की बैठक में जिला कमेटी का भी विस्तार किया गया जिसमें बुन्देल मांझी (पूर्व लोकसभा प्रत्याशी) को जिला अध्यक्ष, सुमंत मिश्र को कार्यकारी अध्यक्ष, दिलीप पांडे को प्रधान महासचिव, प्रशांत तिवारी मीडिया प्रभारी, सुदामा पासवान को संगठन मंत्री, उज्जवल पाण्डेय को सचिव ,बबीता देवी को सचिव, रवि रंजन पांडे को सचिव।

शिकायत नहीं सुनने पर थानाध्यक्ष पर लगा जुर्माना

EAST CHAMPARAN : जिले के पहाड़पुर थाना में एक महिला की शिकायत नहीं सुनने व गलत लोगों पर एफआईआर दर्ज करने के गंभीर मामले को लेकर जिला लोक शिकायत निवारण कार्यालय ने कारवाई की सिफारिश की है। लोक शिकायत कार्यालय ने थानाध्यक्ष पर 5,000 के जुमार्ने की अनुशंसा की है। उल्लेखनीय है,कि पहाड़पुर के सरैया बरवा गांव की निवासी प्रभावती कुंवर ने थाने में शिकायत दी थी कि कुछ भू- माफियाओं ने उनकी जमीन पर जबरन कब्जा कर लिया है और विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई। महिला ने पहाड़पुर थाने में दिए आवेदन में जिन लोगों के नाम बताए थे, उन पर केस दर्ज करने के बजाय थानेदार ने किसी और के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी,जिनका इस विवाद से कोई लेना-देना नहीं था। महिला को इसकी जानकारी एफआईआर की प्रति मिलने के बाद हुई तो वह पूछताछ के लिए थाने गई, लेकिन वहां किसी ने उसकी बात नहीं सुनी।

हिरण्य पर्वत को ईको टूरिज्म हब बनाने के लिए 2.64 करोड़ रुपये की मंजूरी

AGENCY NALANDA : ईको पर्यटन एवं पार्क विकास योजना के अंतर्गत नालंदा वन प्रमंडल के हिरण्य पर्वत पार्क एवं आसपास के क्षेत्रों के उन्नयन कार्यों की शुरूआत रविवार को की गई। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं स्थानीय विधायक डॉ. सुनील कुमार ने 2 करोड़ 64 लाख रुपए की लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया।

इस अवसर पर वन मंत्री ने कहा कि हिरण्य पर्वत को पर्यटन का उत्कृष्ट स्थल बनाकर इसे नालंदा जिले का आकर्षण केंद्र बनाया जाएगा। इस परियोजना के तहत हिरण्य पर्वत से शिव मंदिर तक जाने वाली नई सीढ़ियों का निर्माण, कैफेटेरिया, फाउंटेन, ओपन जिम, विश्वस्तरीय शौचालय, कैंटीन सहित कई आधुनिक सुविधाओं का विकास किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि आने वाले पर्यटकों को अधिकतम सुविधाएं उपलब्ध हों इसके लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र में चल रहे अन्य विकास कार्यों का भी उल्लेख करते हुए कहा कि बिहारशरीफ को सुविधाओं से युक्त और सुंदर शहर के रूप में विकसित करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने सोहसराय और आशानगर स्थित सूर्य मंदिर एवं बाबा मणिराम अखाड़ा में आगामी विकास योजनाओं की जानकारी भी दी। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने मंदिर में पूजा-अर्चना की और वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय भाजपा नेता एवं जिला मीडिया सह प्रभारी सह पूर्व नगर अध्यक्ष अमरेश कुमार ने मंत्री का ध्यान हिरण्य पर्वत क्षेत्र में व्याप्त जल संकट की ओर आकर्षित किया। उन्होंने बताया कि मंसूर नगर से लेकर छोटी पहाड़ी तक नल जल योजना की पाइपलाइन एवं कनेक्शन होते हुए भी दो वर्षों से जल आपूर्ति नहीं हो रही है। नगर आयुक्त को हस्ताक्षरयुक्त आवेदन देने के बावजूद समाधान नहीं हुआ।इस बिषय को गंभीरतापूर्वक लेते हुए मंत्री डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि बिहारशरीफ क्षेत्र के लोगों की समस्याओं का समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि नगर आयुक्त के साथ बैठक कर अविलंब समस्या का स्थायी समाधान कराया जाएगा, ताकि बड़ी पहाड़ी, मंसूर नगर और छोटी पहाड़ी के प्रत्येक घरों तक पानी पहुंचे सके।

एंबुलेंस से की जा रही थी तस्करी, 180 किलो गांजा जब्त

नेपाल सीमा पार गांजा के साथ चालक गिरफ्तार

AGENCY ARARIA : भारत नेपाल बॉर्डर क्षेत्र में गांजा की तस्करी बढ़ गई है। भारत नेपाल के बॉर्डर क्षेत्रो में आए दिन गांजा का खेप पकड़ा जा रहा है। इसके बावजूद भी तस्कर नए हथकंडे और जुगाड़ लगाकर गांजा के खेप की तस्करी में जुट हैं। कभी चार पहिया वाहन तो कभी ट्रक में तहखाना बनाकर गांजा की तस्करी की जा रही है। अररिया जिला का एक एम्बुलेंस सीमा पार नेपाल में 180 किलो गांजा के खेप के साथ पकड़ा गया। वही, सुनसरी जिला पुलिस के एसपी सुमन कुमार तीमिशिना ने रविवार को प्रेस कांफ्रेंस कर यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि शनिवार की देर रात गुप्त सूचना पर सुनसरी जिला पुलिस की ओर से यह कार्रवाई की गई। शनिवार की रात्रि गुप्त सूचना के आधार पर इलाका पुलिस कार्यालय इटहरी, पकली और प्रस्तावित इलाका पुलिस कार्यालय रामधुनी की संयुक्त पुलिस टीम के द्वारा कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि सूचना के आलोक में इस क्षेत्र के सभी सड़कों को ब्लॉक कर वाहनों की देर रात जांच शुरू की गई। इसी क्रम में बीआर 38 पी 5414 नंबर के एम्बुलेंस को जांच के दौरान 30 किलो के 6 पैकेट गांजा बरामद किया गया। जिसका कुल वजन 180 किलो था। मामले में एम्बुलेंस के चालक सुनसरी निवासी 25 वर्षीय राज कुमार साह को गिरफ्तार किया गया है। यही, सुनसरी एसपी ने बताया की एम्बुलेंस के मलिक सीमा पार अररिया के बसमतिया के इमाम नामक व्यक्ति का है।

बंद बोरे में मिली महिला की लाश, पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा

BETIYA : पश्चिम चंपारण ज़िला के मझौलिया में रविवार की सुबह मझौलिया पुलिस ने शेख मंझरिया मन के पास से बोरा में बंद एक महिला के शव को बरामद किया है। इसकी शिनाख्त शेख मंझरिया पंचायत के निवासी प्रमिला देवी के रूप में की गयी है। घटनास्थल पर पहुंचे थानाध्यक्ष विश्वमोहन चौधरी ने पत्रकारों को बताया की ससुराल पक्ष के लोगों ने इसकी हत्या कर साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को बोरा में बंद कर शेख मंझरिया धोबिया घाट मन मे फेंक दिया है उन्होंने बताया कि मामले में विवाहिता के जेठ मनोज पासवान को गिरफ़्तार कर लिया गया है। पुलिस उसके पति सनोज पासवान, ससुर योद्धा पासवान और सास को गिरफ्तार करने में जुटी है। ससुराल पक्ष के लोग फरार हो गये है। एसएचओ ने बताया कि मामले में अभी कोई आवेदन प्राप्त नही हुआ है। बताते चले कि बिगत 01मई से विवाहिता लापता थी।04 मई को धोबिया घाट मन से शब बरामद किया गया। रविवार को सनोज पासवान के बहन की शादी के लिए आज कथा मटकोर है, कल बारात आनेवाली है। घर मे मांगलिक कार्य है, दूसरी तरफ इसी घर की बहू की लाश मिली।इस घटना से सभी आश्चर्यचकित है।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम का आयोजन

AGENCY EAST CHAMPARAN : महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में फिट इंडिया मिशन के तहत 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ₹फिटनेस का डोज-आधा घंटा रोज₹ जैसे प्रेरणास्पद स्लोगन के साथ विश्वविधालय के गांधी भवन से इंजीनियरिंग कॉलेज तक 5 किलोमीटर लंबी साइकिल रैली निकाली गई, जिसमें विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर लोगो को स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया। रैली की शुरूआत वाणिज्य विभाग के प्रो. शिरीष मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर कर किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि साइकिलिंग न केवल एक उत्कृष्ट व्यायाम है, बल्कि यह पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का भी बेहतर विकल्प है। विश्वविद्यालय का यह प्रयास युवाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

रैली में प्रो. शिरीष मिश्रा (वाणिज्य विभाग), प्रो. सुनील दीपक घोड़के (जनसंचार विभाग), एवं प्रो. उमेशा पात्रा (अंग्रेजी विभाग) ने प्रमुख भूमिका निभाई और पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। मौके पर बताया गया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को शारीरिक गतिविधियों के प्रति प्रेरित करना और जीवन में फिटनेस को प्राथमिकता देना है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने घोषणा की कि इस तरह के स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन नियमित रूप से किया जाएगा, ताकि विश्वविद्यालय परिसर में एक सक्रिय, सकारात्मक और स्वस्थ वातावरण का निर्माण किया जा सके।

कल नरपतगंज में होगी प्रशांत किशोर की जन उद्घोष रैली

ARARIA : जिले के नरपतगंज आदर्श हाई स्कूल मैदान में जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर की रैली 06 मई मंगलवार को होगी, जिसकी तैयारी में जन सुराज के कार्यकर्ता लगे हुए हैं और अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी की अपील कर रहे हैं। जन सुराज के युवा नेता सैफ अली खान ने बताया कि 6 मई को नरपतगंज विधानसभा क्षेत्र में दिन के एक बजे जन सुराज पार्टी का जन उद्घोष रैली होगा,जिसमें रैली के मंच से जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर नरपतगंज विधानसभा क्षेत्र की जनता से सीधा संवाद स्थापित करेंगे। सैफ ने कहा कि नरपतगंज सहित प्रदेश की शत प्रतिशत जनता बिहार में नया विकल्प चाहती है। राज्य के लोग अब समझ चुके है की 30-35 सालों से दलगत और जातिगत राजनीति ने बिहार को बर्बाद कर दिया है। प्रशांत किशोर ने जन सुराज के रूप में एक विकल्प बिहार के 13 करोड लोगों को दी है।युवा नेता ने अपने बयान में कहा कि नरपतगंज में प्रशांत किशोर की सभा से कोसी- सीमांचल के विधानसभा क्षेत्रों पर आने वाले दिनों में बड़ा असर दिखेगा। सैफ ने कहा कि नरपतगंज के आदर्श हाई स्कूल मैदान में हजारों की संख्या में लोग प्रशांत किशोर के बिहार को लेकर उनके द्वारा दिए गए विकल्प और बदलाव के मंत्र को आत्मसात करने के लिए हजारों की संख्या में लोग पहुंचने वाले है और यह रैली ऐतिहासिक होगी।

भागलपुर जदयू की बैठक में राष्ट्रीय महासचिव मनीष वर्मा हुए शामिल

AGENCY BHAGALPUR : जिला अतिथि गृह के सभागार में रविवार को भागलपुर विधानसभा जदयू की अति महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर जदयू के राष्ट्रीय महासचिव मनीष वर्मा सहित अन्य पदधारक उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता महानगर जिलाध्यक्ष संजय शाह ने किय। बैठक शुरू होने से पहले राष्ट्रीय महासचिव मनीष वर्मा का भागलपुर महानगर कमिटी की ओर से स्वागत किया गया। बैठक में मनीष वर्मा ने भागलपुर महानगर जदयू के पदाधिकारी एवं नेताओं से सीधा संवाद किया एवं आगामी चुनाव को लेकर कार्यकताओं में ऊर्जा का संचार किया। मुख्य रूप से महानगर जदयू द्वारा बनायी गई बूथ कमेटियों पर चर्चा हुई एवं भागलपुर विधानसभा अंतर्गत सभी सेक्टर की भी समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य रूप से भागलपुर महानगर अंतर्गत राष्ट्रीय, प्रदेश एवं नगर के पदाधिकारी महानगर प्रवक्ता मौजूद रहे।

गंगा अवतरण दिवस पर सुल्तानगंज की उत्तर वाहिनी गंगा में श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

AGENCY BHAGALPUR : मां गंगा के अवतरण दिवस के मौके पर रविवार को जिले के सुल्तानगंज के आसपास के इलाकों सहित देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने सुल्तानगंज के पवित्र उत्तर वाहिनी गंगा में आस्था की डुबकी लगाई, जिसके बाद फल, फूल, मिठाई, धूप दीप, अक्षत, चंदन, रोड़ी इत्यादि सामग्रियों से मां गंगा की पूजा अर्चना कर सुख शांति और समृद्धि की कामना की। वहीं स्थानीय पंडा पुरोहितों के द्वारा भी पूरे विधि विधान और भक्ति भाव से मंत्रोच्चारण के साथ मां गंगा की पूजा अर्चना किया गया। देर शाम मां गंगा के अवतरण दिवस के मौके जाहन्वी गंगा महाआरती के अध्यक्ष पंडित संजीव कुमार झा के

नेतृत्व में सात विद्वान पंडितों के द्वारा पूरे विधि विधान के साथ बनारस के तर्ज भव्य गंगा महा आरती का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें हजारों हजारों की संख्या में स्थानीय श्रद्धालु शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि मां गंगा को संपूर्ण भारत वर्ष में नदियों में सबसे पवित्र और श्रेष्ठ नदी माना जाता है। हिंदू धर्म में मां गंगा को श्रद्धा आस्था और तपस्या का भी प्रतीक भी माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार वैशाख शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि यानी आज के ही दिन भगवान शिव की जटाओं से निकलकर धरती पर मां गंगा अवतरित हुई थी और समस्त पापों को बहाकर ले गई थी।

मेहसी में लीचीपुरम उत्सव समिति की बैठक में लिए गए कई निर्णय

EAST CHAMPARAN : विकास और सामाजिक सरोकारों को समर्पित संस्था लीचीपुरम उत्सव समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को मोहब्बत छपरा स्थित सत्याश्रम में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष सुधीर कुमार सिन्हा ने की, जबकि संचालन महासचिव सुदिष्ट नारायण ठाकुर द्वारा किया गया। समिति के कोर ग्रुप की इस बैठक में सर्वसम्मति से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जो क्षेत्रीय उन्नति, कृषि विकास, स्वास्थ्य जागरूकता एवं सांस्कृतिक समृद्धि को नया आयाम देंगे। बैठक में सर्वप्रथम लीची अनुसंधान केंद्र, मुसहरी (मुजफ्फरपुर) के सहयोग से लीची के वैज्ञानिक विकास हेतु एक विशेष कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय लिया गया। यह

कार्यशाला किसानों को नई तकनीक, रोग नियंत्रण, और लीची उत्पादन को व्यावसायिक स्तर पर बढ़ाने की दिशा में प्रशिक्षित करेगी। जिला प्रशासन के सहयोग से जापानी इंसेफेलाइटिस (जेई) एवं चमकी बुखार जैसी गंभीर बीमारियों के रोकथाम हेतु एक व्यापक प्रचार-प्रसार और जन-जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय भी लिया गया। यह कार्यक्रम विशेषकर बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर संचालित किया जाएगा।

बिहार में पहली बार किया जा रहा है इस प्रकार का मेगा आयोजन, होगी प्रतिभा की खोज

भागलपुर में खेलो इंडिया यूथ गेम्स का ऐतिहासिक आगाज

AGENCY BHAGALPUR : भागलपुर में रविवार को खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का आगाज तीरंदाजी स्पर्धा से हुई। बिहार में पहली बार आयोजित हो रहे खेलों के सबसे बड़े राष्ट्रीय आयोजन खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का शुभारंभ आज भव्य रूप से हुा। इस ऐतिहासिक मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन खेलों का विधिवत उद्घाटन किया। बिहार के लिए यह आयोजन न केवल गर्व का विषय है बल्कि राज्य के खेल क्षेत्र को एक नई पहचान देने वाला क्षण भी है।

इस आयोजन में देश के 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों से 8500 से अधिक युवा खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में कुल 28 खेलों में 2435 पदकों के लिए मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। पूरे राज्य में खेल भावना का माहौल है और खिलाड़ियों का उत्साह चरम पर है। खेलों की शुरूआत भागलपुर से हुई, जहां सैंडिस कंपाउंड मैदान में तीरंदाजी स्पर्धा का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के लिए इस मैदान को भव्य रूप से सजाया गया है। देश भर से पहुंचे तीरंदाजी के खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आंध्र प्रदेश, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, और दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन और दीव से आए प्रतिभागी खिलाड़ियों ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया। खेल भावना, अनुशासन और प्रतिस्पर्धा का अद्भुत संगम इस आयोजन को खास बना रहा है। भागलपुर में शुरू हुई तीरंदाजी प्रतियोगिता ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 को एक शानदार शुरूआत दी है। आयोजकों की बेहतरीन व्यवस्था और खिलाड़ियों की ऊर्जा ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया है। आने वाले दिनों में बिहार के विभिन्न शहरों में अन्य खेलों की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। यह आयोजन न केवल खिलाड़ियों को मंच दे रहा है, बल्कि राज्य के खेल संस्कृति को भी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिला रहा है। उधर भागलपुर खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में कला का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी से आए पेंटिंग कलाकारों की टीम ने आयोजन स्थलों को अपनी खूबसूरत चित्रकारी से जीवंत कर दिया। इस टोली का नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ कलाकार गोपाल विश्वास ने बताया कि भागलपुर आकर उन्हें बेहद खुशी हुई और बिहार ने उन्हें सकारात्मक रूप से चौंका दिया है।

नेहरू युवा केंद्र के स्वयंसेवकों की चयन समिति के सदस्य मनोनीत

AGENCY ARARIA : फारबिसगंज के प्रवीण कुमार और नरपतगंज के जीवनदीप कुमार को नेहरू युवा केंद्र संगठन राष्ट्रीय युवा स्वयं सेवक भर्ती योजना के तहत मेरा युवा भारत परियोजना के जिला चयन समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। मनोनयन पर जिला के छात्र युवा सहित सामाजिक व राजनीतिक कार्यकताओं ने दोनों को बधाई दिया है। भाजपा नेता प्रवीण कुमार व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक जीवनदीप कुमार के चयन समिति सदस्य के रूप में नामित होने पर अभाविप जिला संयोजक अजित रंजन, विभाग सह संयोजक आकाश श्रीवास्तव, प्रदेश कार्य समिति सदस्य शिवम साह, प्रिंस कश्यप, भाजयुमो जिला मंत्री अर्णव सिंह, उमेश राणा जिला उपाध्यक्ष प्रीतम यादव बुलबुल, नगर अध्यक्ष किशन शर्मा, विपुल सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य नारायण झा उपाध्यक्ष प्रताप नारायण मंडल,जिला महामंत्री आकाश राज, पूर्व नगर अध्यक्ष सुनील मिश्रा, धीरज पासवान, रघुनंदन साह, राहिल खान, राष्ट्रीय हिन्दू फ्रंट के सुबोध मोहन ठाकुर, शिवानी सिंह, संदीप शर्मा, सत्यवान मालाकार, विभाष झा, वीरेंद्र मेहता, राजप्रकाश चौधरी, चंद्रकला राय, लक्ष्मी रंजन प्रसन्नजीत चौधरी सहित अनेकों युवा व कार्यकताओं ने केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जयसवाल का आभार व्यक्त करते हुए मनोनयन का स्वागत किया है।

लड़की को घुमाने के बहाने किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

BETIA : पड़ोसी देश नेपाल घूमने के बहाने लड़की से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। एसएसबी की मानव तस्करी रोधक इकाई ने कार्रवाई कर, आरोपी वैशाली जिले के कटहरा थाने के चपही गांव निवासी, मुन्ना सिंह उम्र 45 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया। किशोरी को मेडिकल जांच के बाद पूर्वी चंपारण बालिका गृह भेज दिया गया है। बेतिया पुलिस जिला के बलथर थानाध्यक्ष, नीतीश कुमार ने रविवार को बताया कि इस मामले को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई। थानाध्यक्ष ने आगे बताया कि गौरोल के एक गांव की लड़की को गांव के ही विकास कुमार ने नेपाल घूमाने का झांसा देकर बुलाया था, किशोरी उसके साथ ट्रेन से निकली, रास्ते में मुन्ना सिंह के मिलने पर, विकास ने नेपाल के वीरगंज में मिलने की बात कह लड़की को ले गया।

भारत व हिंदुओं के प्रति शत्रुता

यह पहली बार नहीं है, जब आतंकवादियों ने हिंदुओं और भारतीय रक्षा बलों पर कायराना हमला किया है। यह कई दशकों से नियमित बर्बर कार्रवाई रही है। पाकिस्तानी सेना द्वारा प्रशिक्षित आतंकवादियों को भारत में स्थानीय समर्थन प्राप्त है। स्थानीय सहायता के बिना हमला असंभव है। भारत विरोधी तत्वों और कुछ राजनीतिक दलों के बीच का काला गठबंधन देश और हिंदू समुदाय के खिलाफ मुसलमानों का ब्रेनवॉश कर रहा है। भले ही भारत में मुसलमानों को हिंदुओं की तुलना में समान व्यवहार और लाभ मिले हों, फिर भी कई मुसलमान उनके प्रति शत्रुता क्यों रखते हैं। मैं यह दावा नहीं कर रहा हू कि सभी मुसलमान एक जैसे हैं, लेकिन बहुसंख्यक अच्छे मुसलमान कभी मानवता और राष्ट्र के खिलाफ इन आतंकवादियों के भयानक कृत्यों का सार्वजनिक रूप से विरोध क्यों नहीं करते। अगर अच्छे मुसलमान और बुद्धिजीवी मानते हैं कि भारत में मौजूदा सरकार मुस्लिम विरोधी है तो उन्हें शोध करना चाहिए और समझना चाहिए कि चीन में मुसलमानों के साथ किस तरह का व्यवहार किया जाता है, जिस विचारधारा को मुस्लिम समुदाय अपने करीब मानता है। किसी भी इस्लामिक संगठन या इस्लामिक राष्ट्र द्वारा चीनी सरकार के खिलाफ एक भी प्रदर्शन नहीं किया गया है। अच्छे मुसलमानों को इस रणनीति का मूल्यांकन और अध्ययन करना चाहिए, ताकि यह समझा जा सके कि विभिन्न राजनीतिक दल, वामपंथी इस्लामिक संगठन और पाकिस्तान, बांग्लादेश और तुर्की जैसे देश व्यक्तिगत लाभ के लिए धार्मिक मान्यताओं का सहारा लेकर कैसे शोषण करते हैं। चीनी मुस्लिम वयस्कों में से अधिकतर दस जातीय अल्पसंख्यक समूहों से हैं, जो इस्लाम का पालन करते हैं, जिनमें से दो सबसे बड़े हैं- हुई और उइगर। चीन के अधिकतर मुसलमान उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में रहते हैं, विशेष रूप से गांसु, किंगहाई, निंगज़िया और झिंजियांग में। चीनी अधिकारियों और अंतरराष्ट्रीय शोधकताओं का अनुमान है कि चीन में 18 मिलियन मुस्लिम वयस्क हैं। अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने चीन की सरकार पर मानवाधिकारों के उल्लंघन और उइगर मुसलमानों के खिलाफ नरसंहार का आरोप लगाया है। कुछ चीनी मुस्लिम प्रोफेसरों को कथित तौर पर जेल में डाल दिया गया है, जबकि चीन में इस्लाम का अध्ययन करने वाले विदेशियों को देश में आने से रोक दिया गया है। शिनजियांग में चीन की कार्रवाइयों के उनके व्यापक दस्तावेज इस बात की पुष्टि करते हैं कि कम से कम मार्च 2017 से स्थानीय अधिकारियों ने उइगर मुसलमानों और जातीय कजाकों और जातीय किर्गिज सहित अन्य जातीय और धार्मिक अल्पसंख्यकों के सदस्यों के खिलाफ दशकों से चल रहे दमन अभियान को नाटकीय रूप से बढ़ा दिया है। उनकी नैतिक रूप से घृणित नीतियों, प्रथाओं और दुर्व्यवहारों को जातीय उइगरों के साथ एक अलग जनसांख्यिकीय और जातीय समूह के रूप में भेदभाव करने और उन पर नजर रखने, प्रवास करने और स्कूल जाने की स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करने और सभा, भाषण और पूजा जैसे अन्य मौलिक मानवाधिकारों से वंचित करने के लिए डिजाइन किया गया है। उइगर महिलाओं का चीनी अधिकारियों द्वारा जबरन नसबंदी और गर्भपात कराया गया, उन्हें गैर-उइगरों से शादी करने के लिए मजबूर किया गया है और उनके परिवार से अलग कर दिया गया है। झिंजियांग के आधिकारिक अनुमानों के अनुसार, ह्यूमन राइट्स वॉच ने 2022 में कहा कि 2017 से 500,000 लोगों को दंडित किया गया है। एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार, चीन में हर पच्चीस में से एक व्यक्ति को आतंकवाद से संबंधित आरोपों में जेल की सजा सुनाई गई थी और वे सभी उइगर थे। पुनर्शिक्षा शिविरों में कैद अधिकांश कैदियों पर कभी कोई अपराध का आरोप नहीं लगाया गया था और उनके पास अपने कारावास का विरोध करने का कोई कानूनी सहारा नहीं था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बंदियों को कई कारणों से निशाना बनाया गया है, जिसमें तुर्की और अफगानिस्तान जैसे चीन विरोधी 26 संवेदनशील देशों में यात्रा करना या उनसे संपर्क करना; मस्जिद सेवाओं में भाग लेना; तीन से अधिक बच्चे होना और कुरान की आयतों वाले पाठ भेजना शामिल है। मानवाधिकार संगठनों का दावा है कि मुस्लिम होना उनका एकमात्र अपराध माना जाता है, और कई उइगरों को केवल इसलिए चरमपंथी कहा जाता है क्योंकि वे अपने मजहब का पालन करते हैं। बीजिंग सभी उइगरों को आतंकवादी या आतंकवादी समर्थक मानता है। बीजिंग के तियानमेन स्क्वायर, एक स्थानीय सरकारी कार्यालय, एक रेलवे स्टेशन और एक आउटडोर बाजार पर हुए हमलों के लिए अधिकारियों ने उइगरों को जिम्मेदार ठहराया। शिक्षा, आतंकवाद-रोधी, महिला सशक्तिकरण और गरीबी उन्मूलन पहलों में भाग लेने वाले संतुष्ट उइगरों के बारे में काल्पनिक कहानियां गढ़ने के लिए पार्टी के अधिकारियों ने अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों को झिंजियांग में प्रवेश करने से रोक दिया है और जमीन पर बिगड़ती स्थिति के बारे में विश्वसनीय रिपोर्टों की निंदा की है। उइगरों को घातक ट्यूमर के रूप में चित्रित किया जा रहा है, उनके विश्वास की तुलना संचारी प्लेग से की जा रही है और वे पार्टी के वफादारों को यह कहकर कुचलने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं कि आप खेतों में फसलों के बीच छिपे सभी खरपतवारों को एक-एक करके नहीं उखाड़ सकते; आपको उन सभी को मारने के लिए रसायनों का छिड़काव करना होगा। वे ऐसे गहरे संदेश भेज रहे हैं। झिंजियांग के प्रशासन ने 2017 में एक चरमपंथ विरोधी अध्यादेश लागू किया, जिसमें सार्वजनिक रूप से बुर्का पहनने और लंबी दाढ़ी रखने पर रोक लगाई गई। इसके अतिरिक्त, इसने चरमपंथ को मिटाने के लिए प्रशिक्षण सुविधाओं के उपयोग को औपचारिक रूप से स्वीकार किया।

हम पर थोपा गया युद्ध

ANALYSIS

हृदयनारायण दीक्षित

क्या मुंबई के 26/11 के नाम से चर्चित नवंबर 2008 के हमले को केवल आतंकवादी घटना कहा जा सकता है। यह दरअसल अपने ढंग के जिहादी युद्ध का ही रौद्र रूप है। इस्लामिक विचारधारा के अंतरराष्ट्रीय विद्वान प्रोफेसर डेनियल पाइप (इन दि पाथ ऑफ गॉड,पृष्ठ 46) ने कहा था जिहाद एक अंतरराष्ट्रीय धारणा है। यह संसार के इंसानों को दो भागों में बांटती है। एक दारुल हरब, जहां इस्लाम का राज नहीं है। दूसरा दारुल इस्लाम जहां इस्लामी राज्य है। जिहाद इन लोगों के मध्य निरंतर युद्ध की स्थिति है। इस्लामी चिंतन के विद्वान मौलाना मौदूदी कहते हैं, दीन की स्थापना के मकसद से हुकूमत पर कब्जा करने के लिए युद्ध की इजाजत है। (इस्लामिक लॉ एंड कांस्टीट्यूशन, पृष्ठ 177, खुर्शीद अहमद) दरअसल, इस्लामी चिंतन में युद्ध एक अनिवार्य धारणा है। कुरान (2/216) में कहा गया है कि तुम पर युद्ध अनिवार्य किया गया है। यह भी हिदायत है, जो लोग अल्लाह के मार्ग में मारे जाएं, उन्हें मुर्दा न कहो, बल्कि वह जिंदा हैं। कुरान (8.74) में कहा गया है, जो अल्लाह के मार्ग में लड़ेगा, वह मारा जाय या विजयी हो, हम शीघ्र ही उसको बड़ा बदला देंगे।

दुनिया अनेक युद्धों की गिरफ्त में है। कहीं युद्ध जारी है और कहीं वैश्विक तनाव के कारण युद्ध की आशंकाएं हैं। भारत में कश्मीर के पहलगाम में हृदय विदारक जिहादी हमला हुआ है। इसे युद्ध कहना ज्यादा उचित होगा। यह स्वतंत्र घटना नहीं है। इसके पहले भी अनेक ऐसे ही हमले हुए हैं। क्या मुंबई के 26/11 के नाम से चर्चित नवंबर 2008 के हमले को केवल आतंकवादी घटना कहा जा सकता है। यह दरअसल अपने ढंग के जिहादी युद्ध का ही रौद्र रूप है। इस्लामिक विचारधारा के अंतरराष्ट्रीय विद्वान प्रोफेसर डेनियल पाइप (इन दि पाथ ऑफ गॉड,पृष्ठ 46) ने कहा था जिहाद एक अंतरराष्ट्रीय धारणा है। यह संसार के इंसानों को दो भागों में बांटती है। एक दारुल हरब, जहां इस्लाम का राज नहीं है। दूसरा दारुल इस्लाम जहां इस्लामी राज्य है। जिहाद इन लोगों के मध्य निरंतर युद्ध की स्थिति है। इस्लामी चिंतन के विद्वान मौलाना मौदूदी कहते हैं, दीन की स्थापना के मकसद से हुकूमत पर कब्जा करने के लिए युद्ध की इजाजत है। (इस्लामिक लॉ एंड कांस्टीट्यूशन, पृष्ठ 177, खुर्शीद अहमद) दरअसल, इस्लामी चिंतन में युद्ध एक अनिवार्य धारणा है। कुरान (2/216) में कहा गया है कि तुम पर युद्ध अनिवार्य किया गया है। यह भी हिदायत है, जो लोग अल्लाह के मार्ग में मारे जाएं, उन्हें मुर्दा न कहो, बल्कि वह जिंदा हैं। कुरान (8.74) में कहा गया है, जो अल्लाह के मार्ग में लड़ेगा, वह मारा जाय या विजयी हो, हम शीघ्र ही उसको बड़ा बदला देंगे। जिहादी युद्ध के लिए अपने जांबाज समर्थक तैयार करने के लिए ऐसी विचारधारा उपयोगी है। लगातार युद्ध की इस्लामी धारणा आतंकवादी समर्थक विचारकों के शोध का नतीजा नहीं है। इस्लामी विद्वानों के तमाम लेख और विचार दुनिया के चिंतनशील लोगों के लिए बेचैनी है। दुनिया को इस्लाम में शामिल करना उनका लक्ष्य है। जिहादी आतंकवाद व्यवस्थित युद्ध का हिस्सा है। भारतीय दर्शन में सत्य की विजय का आश्वासन है। सत्यमेव जयते की घोषणा मुंडुकोपनिषद में है। मगर जीवन में सत्य की विजय प्रायः नहीं दिखाई पड़ती। संसार में शक्ति की विजय ही दिखाई पड़ती है। इसे भारतीय विचार में मत्स्य न्याय कहा गया है और यूरोप में सर्वाइवल ऑफ फिटेस्ट। छोटी मछली बड़ी मछली को खा जाती है। बड़ी मछली को मछुआरे पकड़ लेते हैं। वन में शेर बलवान है। वह वनराज है। छोटे जीवों को बड़े जीव खा जाते हैं। कठोपनिषद में कहा गया है कि आत्मतत्व का ज्ञान बलहीन को नहीं मिलता-नायेनात्मा बलहीन लाभ्यो। संसार कर्म क्षेत्र है। युद्ध क्षेत्र है। धर्म क्षेत्र है। शक्ति की विजय भौतिक अध्ययन के निष्कर्ष हैं। सारी दुनिया के इतिहास में युद्धों के किस्से हैं। पिता शाहजहां को औरंगजेब द्वारा पीने का पानी न उपलब्ध कराने की घटना महत्वपूर्ण है। परिवार में भाई द्वारा भाइयों की हत्या के उदाहरण भी तमाम हैं। क्या युद्ध मानव जाति का स्वभाव है। भारतीय चिंतन में शक्ति का महत्व है। श्रीराम विश्व मानवता के मयार्दा पुरुषोत्तम हैं। स्वाभाविक महानायक हैं। गीता में श्रीकृष्ण श्रेष्ठ विभूतियों का उल्लेख करते हैं। कहते हैं, ऋतुओं में बसंत मैं हूं। नदियों में गंगा मैं हूं। वृक्षों में पीपल का वृक्ष मैं हूं। शस्त्रधारियों में शस्त्रधारी श्रीराम मैं ही हूं। श्रीराम के अनेक रूप हैं, लेकिन शस्त्रधारी श्रीराम की बात ही दूसरी है। भारतीय देव प्रतीकों में शस्त्रधारियों की संख्या कम नहीं है। परमवीर हनुमान वज्रधारी हैं। परशुराम फरसा धारण करते हैं। ऋग्वेद में रुद्र बिजलियां गिराते हैं। दुर्गा देवी अनेक शस्त्र धारण करती हैं। श्रीकृष्ण सुदर्शन चक्र धारण करते हैं। वैदिक देवता इंद्र शस्त्र धारण करते हैं। भौतिकवादी दृष्टि से गीता का पूरा दर्शन युद्ध भूमि के तनाव की प्रेरणा है। अर्नाल्ड टायनबी ने दि स्टडी ऑफ हिस्ट्री में सभ्यताओं के जन्म की परिस्थितियों का विवेचन किया है। उन परिस्थितियों का भी विवेचन है, जिनमें सभ्यताओं का पतन होता है। डॉ. राधाकृष्णन ने एक भाषण माला (1924) में कहा था कि, सभ्यता मनुष्यों द्वारा आसपास की परिस्थितियों के साथ कठिन संबंधों में तालमेल बिठाने का परिणाम होती है। टायनबी ने इस प्रक्रिया को चुनौती और प्रतिभावन के ढंग की प्रक्रिया माना है। बदलती हुई परिस्थितियां समाजों के लिए चुनौती के रूप में सामने आती हैं और उनका सामना करने से भी सभ्यताओं का जन्म और विकास होता है। अपने आपको परिस्थितियों के अनुकूल ढालने के अनवरत प्रयत्न का नाम जीवन है। जब हम अपने आपको सफलतापूर्वक उनके अनुकूल ढाल लेते हैं, तब हम प्रगति कर रहे होते हैं और जब बर्बरता चुनौती देती है तो युद्ध अनिवार्य हो जाता है। इसी भाषण माला में डॉ. राधाकृष्णन ने कहा है कि युद्ध अच्छे उद्देश्यों को पूरा करने के साधन है। यहां कुछ उद्धरण दिए जाते हैं, जिनसे यह बात स्पष्ट हो जाएगी। नीत्शे का कथन है, जो राष्ट्र दुर्बल और दयनीय होते जा रहे हैं, उनके लिए युद्ध को औषधि के रूप में सुझाया जा सकता है। उसने कहा, पुरुषों को युद्ध का प्रशिक्षण दिया जाए। बाकी सब बातें बेहूदा हैं। यदि उद्देश्य अच्छा हो, तो उसके कारण युद्ध तक को भला समझा जा सकता है। अच्छे युद्ध के कारण किसी भी उद्देश्य को भला समझा जा सकता है। गीता में परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्-युद्ध का उद्देश्य है। रस्किन का कथन है, महान राष्ट्रों ने अपने विचारों की सत्यता और सफलता को युद्धों में ही पहचाना है। युद्धों द्वारा वे राष्ट्र पनपे और शांति द्वारा नष्ट हो गए। युद्ध में उनका जन्म हुआ और शांति में वह मर गए। मोल्टेक ने कहा, युद्ध परमात्मा के संसार का आंतरिक अंग है, जो मनुष्य के सर्वोत्तम गुणों का विकास करता है। स्थायी शांति केवल एक स्वप्न है और वह भी कोई सुंदर स्वप्न नहीं। बर्नहार्डी ने घोषणा की- युद्ध एक प्राणी शास्त्रीय आवश्यकता है। यह मानव जाति के जीवन में एक अनिवार्य नियामक वस्तु है। युद्ध के अभाव में घटिया और चरित्रहीन जातियां स्वस्थ और सशक्त जातियों पर हावी हो जातीं और परिणामस्वरुप पतन ही होता। युद्ध नैतिकता का एक अनिवार्य उपकरण है। यदि स्थितियों के कारण आवश्यकता हो, तो युद्ध करवाना न केवल उचित है, अपितु राजनीतिज्ञों का नैतिक और राजनीतिक कर्तव्य भी है। ओसवाल्ड स्पैंगलर लिखता है, युद्ध उच्चतर मानवीय अस्तित्व का शाश्वत रूप है। राष्ट्रों का अस्तित्व ही केवल युद्ध करने के लिए है। आर्थर कीथ ने 1931 में ऐबर्डीन विश्वविद्यालय में भाषण देते हुए कहा था, प्रकृति अपने मानवीय उद्यान को छंटाई द्वारा स्वस्थ बनाए रखती है। युद्ध उसकी कतरनी है। हम उसकी सेवाओं के बिना काम नहीं चला सकते। सभी राष्ट्रों में ऐसे व्यक्ति हुए हैं, जिन्होंने युद्ध को शक्ति प्रदान करने वाले के रूप में स्तुति की है। कहा जाता है कि युद्ध से साहस, स्वाभिमान, निष्ठा और वीरता जैसे उच्च गुणों का विकास होता है। लेकिन, भारत युद्ध प्रिय देश नहीं है।

मध्य प्रदेश में मोहन सरकार की कृषि क्षेत्र में दंड नीति

संत तुलसीदास ने रामचरितमानस के जरिए सामाजिक जीवन के आदर्श को स्थापित किया है, प्रत्येक स्थित में सीख देने के लिए प्रभु श्रीराम और उनके इर्द-गिर्द अनेकों लोगों के कई उदाहरण इस ग्रंथ में मौजूद हैं। एक प्रसंग लंका चढ़ाई के समय श्रीराम ने विनयपूर्वक समुद्र से मार्ग देने की गुहार लगाने के संबंध में भी है। लेकिन, जब देखा कि समुद्र से आग्रह करते हुए तीन दिन बीत गए, किंतु समुद्र पर कोई प्रभाव नहीं हुआ है, तब भगवान राम ने अपने सामर्थ्य की शक्ति का उपयोग कर दंड के रास्ते की अनिवार्यता को व्यवहार में लाने की ठानी। इस संपूर्ण घटना के बारे में संत तुलसी लिखते हैं- विनय न मानत जलधि जड़, गए तीनि दिन बीति।बोले राम सकोप तब, भय बिनु होइ न प्रीति।। रामचरितमानस की इस पंक्ति की जो सबसे बड़ी सीख है, वह यही है कि जब अनेक बार आग्रह से काम न बने, तब दंड ही अंतिम विधान है, क्योंकि भय बिनु होइ न प्रीति। वस्तुतः मध्य प्रदेश में भी यही स्थिति बनी है और इस बार राज्य के सामने हैं उसके अपने किसान भाई। उनमें अनेक किसानों को कई बार समझाने के बाद वे अपनी सुविधा के लिए खेतों में नरवाई जलाने के कृत्य में लगे हुए हैं, जबकि वह भी जानते हैं कि यह कृत्य पर्यावरण की दृष्टि से बेहद नुकसानदायक है। वस्तुतः इस संबंध में एक नया निर्णय राज्य की डॉ. मोहन यादव सरकार ने लिया है। मुख्यमंत्री ने साफ कह दिया है, फसल कटाई के बाद खेतों में नरवाई जलाने के मामलों में वृद्धि होने से वायु प्रदूषण सहित कई प्रकार से पर्यावरण को बेहद नुकसान हो रहा है। खेत में आग लगाने से जमीन में उपलब्ध पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं और भूमि की उर्वरक क्षमता में भी गिरावट आती है। इसके निदान के लिए राज्य सरकार पहले ही नरवाई जलाने को प्रतिबंधित कर चुकी है। इसके बाद भी यदि कोई किसान अपने खेत में नरवाई जलाता है तो उसे मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ नहीं दिया जाएगा। इसके अलावा नरवाई जलाने पर संबंधित किसान से अगले साल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर फसल उपार्जन भी नहीं किया जाएगा। एक तरह से देखा जाए तो इस तरह का सख्त निर्णय लेने की आज बेहद आवश्यकता थी, ताकि जो कृषक पर्यावरणीय नुकसान में जाने-अनजाने भागीदार हो रहे हैं, उसे रोका जा सके। हालांकि यह अच्छी बात है कि राज्य का कृषि क्षेत्र पिछले कई वर्षों से श्रेष्ठ कार्य कर रहा है। पिछले 20 सालों में मध्य प्रदेश के किसानों को जो सुविधाएं राज्य शासन की ओर से मिलीं और दूसरी तरफ कृषकों ने भी राज्य से मिलने वाली सुविधाओं का लाभ उठाकर कृषि को सामान्य से उन्नत बनाने का जो प्रयास अपने स्तर पर किया है, वह देशभर में आज मिसाल है। यही कारण है कि अब तक कृषि कर्मण्ड अवार्ड जैसे अनेक कृषि नवाचार एवं अन्य सफलताओं के लिए पुरस्कार मध्य प्रदेश को मिले हैं। एक संक्षिप्त नजर इस क्षेत्र पर डालें तो मध्य प्रदेश में 45 लाख हेक्टेयर में कृषि सिंचाई की सुविधा है। उद्यानिकी उत्पादों के समग्र रूप से उत्पादन में राज्य देश में प्रथम स्थान पर है। देश में आज टमाटर, सोयाबीन, गेहूं, मक्का, प्याज, लहसुन और हरी मिर्च के उत्पादन में राज्य का दूसरा स्थान है। इसी तरह से प्रदेश फूल-फल तथा एरोमेटिक फसलों के उत्पादन में देश में दूसरे स्थान पर है। राज्य दुग्ध उत्पादन में तीसरा स्थान रखता है। प्रतिदिन साढ़े पांच लाख किलोग्राम दुग्ध उत्पादन होता है, जो सरप्लस है। देश की 27 प्रतिशत जैविक खेती आज मध्य प्रदेश में हो रही है। प्रदेश में बेहतर वेयरहाउसिंग कैपेसिटी है, 13 लाख मीट्रिक टन से अधिक क्षमता के कोल्ड स्टोरेज हैं। इसके साथ ही प्रदेश में 25 लाख हेक्टेयर भूमि में उद्यानिकी उत्पाद लिए जा रहे हैं। खाद्य डेरी प्रोसेसिंग यूनिट्स के लिए सकारात्मक उद्योग नीति बनाई गई है। प्रदेश में प्लांट तथा मशीनरी पर 40 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है। कृषि खाद्य एवं डेयरी की सूक्ष्म इकाइयों की स्थापना के संबंध में अतिरिक्त रूप से शासन द्वारा इंसेंटिव प्रदान किया जाता है। अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए अतिरिक्त तथा निर्यात करने वाली इकाइयों को एडिशनल 12 प्रतिशत इंसेंटिव दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश में 15 फूड क्लस्टर बनाए गए हैं। यहां कृषि तथा खाद्य प्रोसेसिंग इकाइयों की स्थापना के लिए बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार है। अनेक योजनाएं कृषकों से जुड़ीं और खेती को लाभ का धंधा बनाने के उद्देश्य से आज राज्य में चलायी जा रही हैं, जिसका कुल परिणाम यह है कि मध्य प्रदेश विविध कृषि एवं उद्यानिकी गतिविधियों में देश में अग्रणी है। कहना होगा कि देश के 10 प्रतिशत क्षेत्रफल वाले राज्य मध्य प्रदेश में देश की लगभग सात प्रतिशत आबादी निवास करती है। यहां 11 कृषि जलवायु क्षेत्रों में विभिन्न फसलों का उत्पादन किया जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में वर्तमान सरकार परिणाम देने वाली नीतियों के माध्यम से प्रगति के नए अध्याय लिख रही है। स्वभाविक है कि कुछ किसानों के द्वारा नरवाई जलाने का कृत्य प्रदेश को आलोचना का शिकार बनाता है और कहीं न कहीं किसानों की मंशा पर प्रश्न भी खड़े करता है कि वे पर्यावरण संरक्षण के लिए संवेनशील नहीं दिखते। स्वभाविक है कि इन परिस्थितियों में राज्य सरकार का यह निर्णय कहीं न कहीं उन किसानों को नरवाई जलाने से अवश्य रोकेगा, जो अब तक जन-जागृति की भाषा समझने को तैयार नहीं दिखे हैं। कम से कम नई व्यवस्था में लाभ से वंचित हो जाने का भय उन्हें अवश्य अपने नागरिक कर्तव्य के प्रति जिम्मदार बनाएगा, आज इस निर्णय से यही आशा की जानी चाहिए।

Social Media Corner

सच के हक में...

योग साधक और काशी निवासी शिवानंद बाबा जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। योग और साधना को समर्पित उनका जीवन देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। योग के जरिए समाज की सेवा के लिए उन्हें पद्मश्री से सम्मानित भी किया गया था। शिवानंद बाबा का शिवलोक प्रयाण हम सब काशीवासियों और उनसे प्रेरणा लेने वाले करोड़ों लोगों के लिए अपूरणीय क्षति है। मैं इस दु:ख की घड़ी में उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

धनबाद जिले से लव जिहाद का एक और गंभीर मामला सामने आया है। तीन बच्चों का पिता, 45 वर्षीय अधेड़ आरिफ, एक युवती को बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। युवती का उम्र शपथ पत्र में संदिग्ध रूप से 19 वर्ष दर्ज किया गया है, ठीक वैसे ही जैसे सरायकेला मामले में देखा गया था। लव जिहाद की बढ़ती घटनाएं किसी गहरी और सुनियोजित साजिश का संकेत देती हैं। धनबाद पुलिस से आग्रह है कि वे तत्काल कार्रवाई करते हुए बेटी को जिहादी तत्वों के चंगुल से सुरक्षित मुक्त कराएं और सुनिश्चित करें कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

अब तो आतंक पर हो आर-पार

पहलगाम में आतंकियों ने जिस बर्बरता से हिंदू पर्यटकों को निशाना बनाकर उनकी हत्या की है, वह कई बड़े सवाल खड़े करता है। सबसे पहला सवाल तो यही है कि क्या वास्तव में भारत में हिंदू होना अपराध है, अगर नहीं तो पाकिस्तानी आतंकियों ने उन्हें केवल हिन्दू होने की सजा क्यों दी। वैसे भी पाकिस्तान हमेशा से हिंदुओं के बारे जहर उगलता रहा है। हाल ही में पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने हिंदुओं के विरोध में जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग किया, उससे ऐसा लगता है कि पाकिस्तान कभी सुधर नहीं सकता। उसे उसीकी भाषा में समझाने की आवश्यकता है। आतंक के मुद्दे पर अब आर-पार करने का समय आ गया है। भारत में हर आतंकी घटना के बाद प्रायः यह सुनाई देता है कि आतंकवाद का कोई धर्म या संप्रदाय नहीं होता। यह निश्चित रूप से इस्लामिक आतंकवाद को सही ठहराने का कार्य करते हैं। यह उस स्थिति में सही माना जा सकता था, जब आतंकी बिना धर्म पूछे गोली चलाते, लेकिन पहलगाम में तो केवल हिन्दुओं को ही गोली मारी गई। जो संगठन या व्यक्ति हमेशा यह कहते रहे हैं कि आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता, पहलगाम में हुई आतंकी घटना से उनकी आंखों से परदा हट जाना चाहिए। घटना में केवल हिंदू पर्यटकों को धर्म पूछकर गोली मारी गई। पाकिस्तान द्वारा की गई इस आतंकी घटना के बाद स्पष्ट हो गया है कि पाकिस्तान अपनी हरकतों से तब तक बाज नहीं आएगा, जब तक उसे जैसे को तैसा जवाब नहीं दिया जाएगा। अब पाकिस्तान के विरोध में कठोर कदम उठाने का समय आ गया है, क्योंकि बार-बार मुंह की खाने के बाद पाकिस्तान, कश्मीर में अशांति फैलाने का कायरता पूर्ण कार्य करता है। यह सारा खेल पाकिस्तान में आश्रय लेने वाले आतंकी आकाओं के इशारे पर किया गया है। सबसे बड़ी बात यह है कि पाकिस्तान के इशारे पर आतंकवादियों को कश्मीर में आश्रय कौन देता है, यह जांच का विषय है। कोई भी विदेशी आतंकी तब तक अपने कार्य में सफल नहीं हो सकता, जब तक उसे स्थानीय स्तर पर सहयोग न मिले। इसलिए ऐसी आतंकी घटनाओं को रोकने के लिए स्थानीय आतंकी तत्वों की पहचान भी जरुरी है। अभी कुछ दिन पूर्व पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने भारत और हिंदुओं के विरोध में जहर उगला, उससे साफ हो गया कि वे अपनी सेना और आतंकियों को भारत के विरुद्ध भड़का रहे हैं। हो सकता है यह आतंकी घटना उसी का परिणाम हो। हालांकि सेना प्रमुख के जहरीले बयान के बाद उनके ही देश पाकिस्तान के उन नागरिकों की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई थी, जो पाकिस्तान के वर्तमान हालातों में समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इसके बाद भी आतंकी सरगनाओं के इशारों पर आतंक फैलाने वालों के लिए यह बयान एक प्रकार से हौसला बढ़ाने वाला ही रहा। जहां एक ओर पूरी दुनिया आतंक की समाप्ति के कदम का समर्थन कर रही है, वहीं पाकिस्तान इसे रोकने के बजाय बढ़ाने में लगा है। अमेरिका भी पाकिस्तान को कई बार आतंक पर लगाम लगाने की चेतावनी दे चुका है, लेकिन ऐसा लगता है कि पाकिस्तान सरकार का आतंकी आकाओं पर किसी प्रकार का नियंत्रण नहीं बचा, इसके विपरीत कभी-कभी ऐसा लगता है कि आतंकियों के नियंत्रण में पाकिस्तान की सरकार कार्य कर रही है। अब तो विश्व के कई मुस्लिम देशों ने भी पाकिस्तान के साथ खड़े होने से इनकार कर दिया। ऐसी स्थिति में पाकिस्तान अलग-थलग दिखाई दे रहा है। पाकिस्तान सरकार आतंकियों के सामने बेबस इसलिए है क्योंकि आज पाकिस्तान के अंदरूनी हालात ऐसे हो चुके हैं, जो बिखराव का रास्ता ही निर्मित करता है। बलूचिस्तान में पाकिस्तान के विरोध में लम्बे समय से स्वर उठ रहे हैं, आज इन स्वरों में और तेजी आती जा रही है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के नागरिक भारत के साथ अपने सुखद भविष्य का सपना देखने लगे हैं। ऐसी स्थिति में यही कहना समुचित होगा कि आतंक के मामले पर आर-पार हो ही जाना चाहिए। अब पाकिस्तान को दिन में तारे दिखाने का समय आ गया है। भारत सरकार को आतंक के विरोध में कठोर कार्रवाई करना चाहिए।

औद्योगिक गतिविधियां

वित्तीय वर्ष 2025 के दौरान भारत के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) का 4 फीसद का औसत पिछले चार सालों में सबसे कम है, जो औद्योगिक गतिविधियों में मंदी को दशार्ता है। इसकी वजह वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में छाई अनिश्चितता हो सकती है, जिसके चलते वस्तुओं के निर्यात में धीमी वृद्धि, उपभोग मांग में उम्मीद से कम वृद्धि तथा निजी पूंजीगत व्यय में गिरावट हो सकती है। यूं तो देश के औद्योगिक उत्पादन का मासिक बैरोमीटर माना जाने वाला, आईआईपी, फरवरी महीने के 2.7 फीसद से बढ़कर मार्च महीने में 3 फीसद हो गया, लेकिन यह मुख्य रूप से बिजली उत्पादन में वृद्धि की वजह से हुआ है, जो गर्मियों में चक्रीय रूप से चरम पर होता है। फरवरी (3.6 फीसद) और मार्च (6.3 फीसद) के बीच बिजली उत्पादन की वृद्धि लगभग दोगुनी हो गई। लेकिन आईआईपी में 5.9 फीसद (2023-24) से 4 फीसद (2024-25) तक की गिरावट, पिछड़ जाने वाले क्षेत्रों पर ज्यादा बारीकी से नजर डालने की मांग करती है। जहां खनन क्षेत्र में भारी गिरावट आई और यह 7.5 फीसद (वित्तीय वर्ष 2024) से घटकर 2.9 फीसद (वित्तीय वर्ष 2025) रह गया, वहीं मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र गिरकर 5.5 फीसदी (वित्तीय वर्ष 2024) और 4 फीसद (वित्तीय वर्ष 2025) पर आ गया तथा बिजली उत्पादन घटकर सात फीसद (वित्तीय वर्ष 2024) और 5.1 फीसद (वित्तीय वर्ष 2025) रहा। इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि वित्तीय वर्ष 2025 में उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुओं में -1.6 फीसद की ऋणात्मक वृद्धि देखी गई, जबकि पिछले साल यह वृद्धि 4.1 फीसद थी। इसके बरक्स उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं में 3.6 फीसद (वित्तीय वर्ष 2024) से 8 फीसद (वित्तीय वर्ष 2025) तक की लगभग दोगुनी वृद्धि से शहरी निजी उपभोग में बढ़ोतरी का संकेत मिलता है, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष की अक्टूबर से दिसंबर वाली तिमाही में उच्च खाद्य मुद्रास्फीति के असर के चलते ग्रामीण उपभोग पर दबाव जारी है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Pakistan's old playbook in a new crisis

THE meadow massacre of innocents on April 22 at Pahalgam and the Pakistani responses to the dastardly terrorist attack are eerily reminiscent of the past. With 50 per cent of India's population being younger than 25 years, young Indians may view the crisis as unprecedented. Statecraft, however, is as old as the ages. The tools states use tend to endure beyond the here and now. The options chosen are often pulled off the toolkit on the shelf. As Mark Twain said, "History doesn't repeat itself, but it often rhymes."Pakistan's army chief, General Asim Munir, harking upon the two-nation theory in his speeches of April 16 and 26, has antecedents to ideologues since the nineteenth century. His reference to Jammu & Kashmir as the jugular vein of Pakistan is a refrain echoed since Jinnah articulated it in the 1940s.The connection of the present strongman to the primal roots of the Pakistani state runs deep, despite the two-nation theory having long faltered with the birth of Bangladesh in 1971 and Pakistan's jugular vein remaining in Indian hands more than seven decades after Pakistan's birth and Jinnah's death.

As a relatively weaker power keen to alter the status quo, Pakistan's perpetual quest has been to draw international attention to India-Pakistan tensions, especially during the visit of a foreign dignitary to India. The hope is to move beyond the bilateral paradigm. It was US Vice-President JD Vance's first visit to India this time. Did it draw from the playbook of the Chittisinghpura massacre during President Clinton's visit to India in March 2000?

Let's take another example: the disdain with which terrorist attacks are insensitively portrayed in Pakistan as a 'false flag' action is a staple. The jailed PTI supremo Imran Khan posted on April 29 on X that the Pulwama terrorist attack, which resulted in the killing of 40 Indian security personnel, was a false flag action. Inside or outside prison, civilian or military leaders, the refrain is the same as it has always been — denial, deceit and deception.Just like the Jaish-e-Mohammed first claimed responsibility for the Pulwama attack and then recanted, The Resistance Front, too, denied a few days after claiming responsibility. Such tools have enduring value in the Pakistani tool kit.

The Pakistani Information Minister's press conference past midnight on April 30 made media headlines in India. However, crying wolf past midnight in crises is not new for the Pakistani establishment. I recollect that in 1998, the then UN Secretary General's staff officer had regaled me with anecdotes of how Pakistani officials had summoned numerous diplomats, including the UN representative, past midnight to tell them that they had credible information about India and Israel planning to launch an imminent attack on Pakistani nuclear assets. Attaullah Tarar, too, has drawn from the same playbook of the past.

It is obvious that, diplomatically, Pakistan is continuing with its old playbook — asking for a neutral inquiry, threatening to take the matter to the UN Security Council (which last discussed the India-Pakistan question formally in 1965), seeking mediation from states friendly to both India and Pakistan and calling on the international community to restrain the Indian response. For old-timers like me, there is a pervasive sense of deja vu.It is possible that a Pakistani recounting of the past can well draw up a similar listing of Indian diplomatic responses not being very dissimilar from the current approach, give or take a few unique features — for example, holding the Indus Waters Treaty in abeyance.Since the diplomatic space for India and Pakistan to engage openly through diplomatic envoys is more circumscribed than during similar crises in the past, is there anything in the playbook of the past that can be helpful? Perhaps, there may be something.

Reflections from Dover: Punjab's cultural and moral decay

Punjab lies suspended in a crisis — neither fully belonging to its past nor confidently striding into the future. This dislocation is not merely political or economic; it is ontological.

Visualising myself standing on the white cliffs of Dover, gazing across the turbulent waters of the English Channel, I am struck by a deep and unsettling thought — the deteriorating social, political and economic condition of my homeland, Punjab. At this moment, on this wind-swept edge between land and sea, I cannot help but think of Matthew Arnold, who stood here nearly 150 years ago and looked out across the same waters in a desperate engagement with the collapsing world of classical culture, a world bizarre, neurotic and overwrought.

Confronted by the turmoil of his own time, Arnold gave voice to his reflections in 'Dover Beach', a poem that meditates on the decline of faith and human connection. Arnold, witnessing the erosion of religious and cultural certainties in Victorian Europe, lamented the "melancholy, long, withdrawing roar" of a civilisation with its patterns of myth, worship and traditions of high culture retreating into the shadows.Like him, I find myself drawn to a philosophical contemplation of the world's condition — his world then, and mine now — united by a shared sense of unease and a longing for something deeper amidst the noise of history, where coherence is wrecked and confidence sapped.

Standing at the crossroads of East and West, past and present, I'm struck by a parallel disquiet at the dark and ominous landscape of a land once anchored in faith, reason and moral certitude, now succumbing to doubt and confusion. Arnold's lament goes beyond spiritual disillusionment, revealing a profound crisis: the disintegration of meaning, civilisation and shared values, plunging us into a 'darkling plain' devoid of direction.

Interestingly, his lyrics resound with a tantalising propinquity to the landscape of contemporary Punjab, particularly the emotional and spiritual bankruptcy of a generation and its plunge into the abyss of violence and drugs, their moral, sexual and spiritual existence overwhelmed by the sterility and intellectual uncertainty of the times. The poem's emotional topography — marked by loss, fragmentation and longing — mirrors the psychological terrain of a generation caught between a fading past and a future yet unborn.

Arnold's "Sea of Faith" once girdled the world "like the folds of a bright girdle furled", providing unity and comfort. In Punjab too, there was once a strong cultural and intellectual ethos — rooted in resistance, in literature and language and the pursuit of justice — that lent direction to student life underpinned by the realisation of the value of great works of literature and their importance not so much as a matter of dry academic inquiry as of urgent need.Just as Arnold hears the retreating roar of the sea of faith, today's students witness the slow dissolution of these ideals in a culturally transitional world, disjointed and beleaguered. They are confronted with an institutional framework that has been drained of its vitality by an overpowering bureaucratic apparatus, which, in tandem with corporatisation, has stifled critical inquiry and intellectual freedom.This loss is not abstract. It is lived daily in classrooms where curiosity is discouraged, on campuses where surveillance replaces debate, and where futures increasingly depend on migration rather than meaningful engagement with one's own culture.The university — once a lighthouse in Arnold's "darkling plain" — now resembles the plain

itself, swept with "confused alarms", torrents of anguish and silences. At its core, the educational crisis represents a profound imaginative failure — an inability to envision and create spaces where young people can engage with nuance, critical thinking and aspirational values, and not rest tremulously on the brink of a dark neurosis.

Punjab, therefore, lies suspended in a crisis — neither fully belonging to its past nor confidently striding into the future. This dislocation is not merely political or economic; it is ontological. The cultural imagination of Punjab seems to have been colonised not only by neoliberal aspirations but also by a hollow modernity, where identity increasingly performs through the aggressive beats of hyper-masculine music, consumer excess and social media spectacle.The once-vibrant language of resistance has given way to a lexicon of alienation. Punjab's youth confront not only economic instability but also a profound existential disorientation, for which they tragically seek solace in the substance abuse that is ravaging the state.The consequences of this decadence are visible everywhere. Unemployment gnaws at the economic foundations. Young people seek refuge in distant lands, their migration not simply a pursuit of opportunity but a quiet, unspoken surrender to despair. For instance, their music, marked by violence, materialism and performance, is a symptom of a deeper cultural void, reflecting a desperate cry for power and relevance. Nothing could be so profoundly disturbing and aesthetically unappealing.Arnold's poem, while despondent, does not surrender to nihilism. There is a quiet plea in its closing lines: "Ah, love, let us be true to one another!" — an appeal to tenderness, solidarity and authenticity in a world stripped of external certainties. It is here that a way forward might be glimpsed, even in Punjab.In the face of disillusionment and false intellectual standards, a resilient spirit prevails, with youth seeking connection, purpose and meaning through art, activism and solidarity. It may not yet be a tide, but it is a hint — that even as the old world ebbs away, something else, quieter but no less vital, might be stirring.

For the youth of Punjab, caught in precisely such an in-between space, Dover Beach offers more than a parallel; it offers a vocabulary of a dirge, but with the subtext of a deeply envisaged reconstruction. In Punjab, we are standing on the shore, listening to the sound of what is receding, a layered history of syncretism, struggle and visionary wisdom. If we listen closely, we might also begin to hear the faint stirrings of struggles to be born and one day rise in a wave of rapture, commitment and fervour, ignited by a cultural renaissance of the spirit of Punjab's history, rich with poets and warriors, whose lives and works have shaped its cultural, spiritual and martial legacy.Bulleh Shah's transcendent verses and rebellion against religious orthodoxy, Waris Shah's timeless love story that also critiques the social order of his time; the lyrical defiance of Amrita Pritam and the indomitable courage of Guru Gobind Singh, Banda Bahadur and Bhagat Singh are striking embodiments of a cultural imagination deeply engrained in spiritual enquiry, moral simplicity and shared identity.

Thus, all is not lost. The positive metaphysical view of modern man is visible in the distant echoes of poetry, the histories of struggle, the memory of communal solidarity offering a counter-narrative to the decline. To remember our literary past is to resist the erasure of a deeper identity.

The question is whether we can re-engage our historical consciousness in a critical retrieval of tradition — an engagement with the past that is neither gushy nor intransigent. It is dialogical in our reading of the seminal classics not as distant vestiges, but as living resources in a new struggle for creative expression, that speaks to a lived experience in a world of love and harmony. Punjab longs for its youth to live deeply in their imaginations, yearning for liberation into a new consciousness.

Courts show the way

Time for govts to act on heatwave protection

THE country's judiciary and human rights institutions have rung an urgent alarm on the growing threat of heatwaves — marking a rare and significant convergence of concern. In Beat The Heatwave And Climatic Change vs Union of India, the Supreme Court, on April 17, recognised that extreme temperatures are no longer seasonal inconveniences, but life-threatening events. Calling for immediate action, it directed states to establish cooling spaces, issue health advisories and implement relief mechanisms for the most vulnerable populations. This intervention is both timely and necessary. Already, parts of the country are reeling under unrelenting heat, with daily wage workers, children, the elderly and the homeless most at risk. The SC call, rooted in Article 21 of the Constitution — the right to life — brings much-needed legal weight to climate resilience and public health.The National Human Rights Commission (NHRC) on Thursday reinforced this call to action,

writing to 11 states, urging pre-emptive measures to prevent avoidable deaths. By framing heatwaves as a human rights issue, the NHRC has expanded the climate conversation beyond weather forecasts and infrastructure into the realm of dignity and justice. It rightly asserts that ignoring the suffering of the poor during such disasters amounts to systemic neglect. Adding to this chorus is the Rajasthan High Court, which took suo motu cognisance of the crisis. It rebuked the state government, stating that "citizens cannot be treated as cattle." Its sharp words highlight the callousness with which heat-related deaths are often brushed aside and reinforce the need for accountability.These directives together form a moral and constitutional indictment of administrative indifference. They also create a framework for long-term planning — where climate adaptation must be tied to governance reform, health equity and basic infrastructure. Courts have done their part. The question now is: Will governments finally act?

How to solve a problem like Pakistan

THE GREAT GAME: Modi understands that his legacy will be affected by how he deals with his western neighbour

THE Americans are back to doing what they do best, trying to walk the middle path on the Pahalgam massacre, on the one hand underlining that PM Modi "has our full support," but at the same time careful of being overly critical of Pakistan. After all, if you publicly accuse the perpetrator, goes the argument in DC, how are you supposed to ask him for help?

At the end of the day, make no mistake, nobody wants war. Not the Americans, not the Europeans. The Russians don't care that much – they have been in a war for three years and lost many men, but Vladimir Putin seems determined to get the slice of Ukraine he covets. As for the Chinese, they don't want war because, as Jabin T Jacob has written in these pages, they would much rather let tensions between India and Pakistan continue, "short of war," which would gradually drain each other.The aftermath of Pahalgam is certainly unusual. First, innocent civilians have been killed, unlike in Uri in 2016 and in Pulwama in 2019, when soldiers lost their lives. India responded to the Uri attack by conducting "surgical strikes" across the Line of Control and to Pulwama by sending missiles deep into Pakistan territory to strike at terror camps in Balakot.Second, all previous wars between India and Pakistan, including the conflict at Kargil, have been fought — and won — by India, even though India never started the fire.

This time around, PM Modi has publicly upped the ante. From promising that his government would go to the "ends of the earth" to find the terrorists who carried out the attack to Home Minister Amit Shah saying, in Hindi, "chun-chun ke jawaab diya jayega," it seems clear there will be retribution.Clearly, the PM wants to change Pakistan's behaviour forever. Previous governments, both BJP and Congress — led by Atal Bihari Vajpayee and Manmohan Singh — have tried the gamut of responses. From fighting a war in Kargil to inviting Pervez Musharraf for talks in Agra but refusing to consummate an agreement with him, to shutting down ties after the Mumbai attacks to restoring relations by sending a foreign minister on a

direct, special flight from Delhi to Rawalpindi — everything has been tried in the last 30-odd years.

Question is, how to solve a problem like Pakistan?

Like every PM who has wrestled with this question, Modi understands that his legacy will be affected by how he deals with his western neighbour. He has attempted the handshake too, not just by inviting Pakistan PM Nawaz Sharif to Delhi in 2014, but by visiting him in his lair in 2015. The next few days and weeks are expected to be some of the toughest.

The America factor is amongst the most important. As the only power with significant purchase both in India and in Pakistan, the Trump administration has been in touch with both sides, hoping to cool passions. But the fact that no US special envoy has packed his suitcases and sallied forth for New Delhi and Islamabad — even though New Delhi publicly abhors the idea of "third party" — should indicate that DC has many other fish to fry, including the pursuit of tariff deals with India as well as the world.In fact, India and the US are expected to be among the earliest countries to sign a bilateral trade agreement that puts an end to some of the economic anxiety that was a staple of the pre-Pahalgam days.Note, then, Donald Trump's early comments on Pahalgam. "I am very close to India and I'm very close to Pakistan, as you know. And they've had that fight for 1,000 years in Kashmir. Kashmir has been going on for 1,000 years, probably longer than that…" Trump told press reporters a week ago.

But as the rhetoric from Delhi has escalated, echoing the grief of families across the country, US Vice-President JD Vance's latest comments mirror some of Bill Clinton's nervousness during the 1999 Kargil conflict which, he felt, could boil over into a "nuclear flashpoint."Vance's remarks to Fox News Thursday were like a flashback. "Well, sure, I'm worried about any time you see a hot spot breaking out, especially between two nuclear powers," he said.Vance added: "Our hope here is that India responds to this terrorist attack in a way that does not lead to a broader regional conflict…And we hope, frankly, that Pakistan, to the extent that they're responsible, cooperates with India to make sure that the terrorists sometimes operating in their territory are hunted down and dealt with…"Glass half-full or half-empty? Like all big powers who like to play both sides, Vance is both sympathetic of India, but clearly wants it to use restraint. Meanwhile, he is also telling Pakistan to "cooperate with India", while he distances America from the international probe that Pakistan wants. But note that Vance also doesn't seem fully convinced that the terrorists always operate from Pakistani territory — only "sometimes."

Then there is the Arab world. Saudi Arabia's reaction to the Pahalgam crisis has significantly evolved in the last 10 days — remember, PM Modi was visiting Riyadh when the massacre took place. At the time, a joint statement between the powerful Crown Prince Mohammed bin Salman and PM Modi had condemned "cross-border terrorism" and said there cannot be "any justification for any act of terror."

But as Pakistan has sought to internationalise the situation, while it hikes up its defence preparedness and shuts its airspace, the Saudis have said both countries should "avoid further escalation and resolve disputes through diplomatic means."

What happens now? No matter what the world tells PM Modi, he and his government would have made it clear to the international community, especially the Americans, that if Pakistan doesn't quickly bring the guilty to book, India would have no option but to take matters in its own hands.

Question is, how long India is prepared to wait and whether the monsoons will offer their own deadline to the decision. The next few days and weeks will be key.

ITR Filing 2025: You Should Gather THESE Key Documents Before Filing Your ITR– Check List

New Delhi. The new financial year 2025-26 has begun and that means it's time to start preparing for your Income Tax Return (ITR) filing. Filing your ITR is mandatory under the Income Tax Act if your income during the previous financial year — from April 1, 2024, to March 31, 2025 — crossed the exemption limit. To ensure a smooth and hassle-free process, it's important to start collecting and organizing your documents early.Individual taxpayers who are not required to get their accounts audited must file their Income Tax Return (ITR) for the Assessment Year 2025-26 by July 31. While filing the ITR, you need to report all sources of income — including salary, profits from assets, capital gains, bonuses, and any other earnings. If your total income exceeds the exemption limit, filing your ITR is mandatory. Failing to do so or hiding income can lead to penalties and legal action, as tax evasion is treated as a serious offence.Form 26AS: A consolidated tax statement available on the Income Tax Department's e-filing portal. It shows TDS, TCS, advance tax, and self-assessment tax paid during the year.

- Updated Bank Passbook: Helps verify interest income and track transactions. Ensures accuracy while reporting income in your ITR.
- Other Income Statements: Include details of income from sources like rent, medical insurance claims, or freelance work. These are crucial for claiming deductions under the old tax regime.PAN Card: Your Permanent Account Number is required to file ITR and is used to authenticate your identity on the tax portal.- Home Loan Statement: Needed to claim deductions on principal and interest repayment under various sections of the Income Tax Act.
- Updated Bank Details: Ensure your bank account information is correct on the e-filing portal for refund processing and verification.- Annual Information Statement (AIS): Provides a detailed summary of your financial transactions including interest income, mutual fund investments, and stock trades.

Bharti Airtel, Tata Group call off talks for merger of DTH business

New Delhi. Bharti Airtel and Tata Group have terminated discussions for a merger of their direct-to-home (DTH) business, according to a Bombay Stock Exchange (BSE) filing on Saturday. In the BSE filing, Airtel said this was because the two sides were not able to find a satisfactory resolution.

"This is in reference to our intimation dated February 26, 2025, wherein the company informed that it is in bilateral discussions with TATA Group to explore a potential combination of TATA Group's Direct To Home ('DTH') business housed under Tata Play Limited with Bharti Telemedia Limited, a subsidiary of the company," it said.In this regard, we wish to inform you that after not being able to find a satisfactory resolution, the parties have mutually decided to terminate the discussions," Airtel added. On February 26, Sunil Mittal-led telecom services provider Bharti Airtel had said it was in talks with Tata Group for a merger of its loss-making direct-to-home (DTH) business.Airtel was holding discussions with the salt-to-software conglomerate for a merger of Bharti Telemedia, which offers cable and satellite television services, with Tata Play, the regulatory filing earlier this year said. "We wish to submit that Bharti Airtel and Tata Group are in bilateral discussions to explore a potential transaction to achieve a combination of Tata Group's DTH business housed under Tata Play Ltd, with Bharti Telemedia, a subsidiary of Airtel, in a structure acceptable to all parties," it had then stated.

The specific details were not shared at that point. If completed, this would have been the second merger in the DTH sector after the Dish TV-Videocon d2h merger in 2016.

Buy Rating on Adani Ports share: Brokerage gives target price after Q4 Results

New Delhi. Brokerage firm Motilal Oswal Securities Limited has backed shares of Adani Ports and Special Economic Zone Limited to rise. The financial advisory firm advocated for Adani Ports as the company has expanded its domestic and global business with new ports, terminals and has strengthened its logistics infrastructure. Along with this, work has also been done to increase the revenue. The Adani Group company's capital expenditure is expected to reach Rs 120 billion in FY 2026. The firm expects the Adani Ports to record an 11 percent growth in cargo volume in FY 2025-27 and increase in its revenue.

Giving a 'BUY' rating on Adani Ports, Motilal Oswal predicts company's EBITDA/PAT and CAGR to grow by 15 to 21 percent in FY25-27. The brokerage firm has set a share price target of Rs 1,550 in the range of 12 months, which indicates a possibility of a return of more than 27 percent.The shares of Adani Ports surged more than 4 percent on May 2 Friday after the Adani Group firm reported a 50 per cent jump in profit in the last quarter of 2024-25. The stock gained 4.11 percent to close at Rs 1,267.05 on the BSE. At the NSE, it ended with 4.37 percent gains at Rs 1,269.70. Intra-day, the stock rallied 6.45 per cent to Rs 1,295.

The surge in share price, resulted in the Adani Ports stock emerging as the biggest gainer among the Sensex and Nifty firms. The market valuation of the firm increased Rs 10,811.51 crore to Rs 2,73,700.41 crore.The Adani Ports board has recommended a dividend Rs 7/- (@ 350%) per equity share of Rs 2/- each fully paid-up for the financial year 2024-25, subject to the approval of shareholders at the ensuing AGM. The board has approved the proposal to convene 26th Annual GeneralMeeting of the company on June 24, 2025.Adani Ports Q4 Results 2024-25Adani Ports and Special Economic Zone on May 1, 2025 declared its January-March quarter (Q4) Results of 2024-25.

Explained: Why Warren Buffett warned that US Dollar could be 'going to hell'

A poll by major travel agency JTB showed last month that 20.9 percent of its respondents will or "probably" will go on a trip during Golden Week, down 5.6 percent from last year.

NEW DELHI. In what was both a historic milestone and a symbolic passing of the torch, Warren Buffett delivered a candid, cautionary message in his final appearance as CEO of Berkshire Hathaway.Speaking at the company's 60th annual shareholder meeting in Omaha on Saturday, the 94-year-old investment legend didn't mince words, especially when it came to the future of the US dollar."Obviously, we wouldn't want to be owning anything that we thought was in a currency that was really going to hell," Buffett said, raising eyebrows across the packed arena. "There could be... things happen in the United States that... make us want to own a lot of other currencies."Buffett's comments came in response to concerns about the long-term sustainability of US fiscal policy and the rising risks of protectionism. While not predicting an immediate collapse of the greenback, the Oracle of Omaha signalled that under certain conditions — like a large investment in Europe — Berkshire could consider shifting parts of its financing into foreign currencies."I suppose if we made some very large investment [in a] European country... there might be a situation where we would do a lot of financing in their currency," he noted.That remark wasn't just about currency hedging. It reflected deeper concerns Buffett has long harboured: America's swelling deficit, a

growing culture of bureaucratic inefficiency, and the rising use of trade policy as a political weapon.Without directly naming Donald Trump, Buffett made it clear he's uncomfortable with the former US president's aggressive stance on trade. "Trade should not be a weapon," he said, referring to the sweeping tariffs recently imposed on Chinese imports. "Trade and tariffs can be an act of war... I think it's led to bad things. Just the attitudes it's brought out."The latest escalation, including US duties of up to 145% on Chinese goods — with China responding with 125% tariffs of its own — has reignited fears of another global trade war. And though the Trump administration later paused most of the increases for 90 days, the damage, at least psychologically, may already be done."There could be things happen in the United States," Buffett reiterated, hinting again at potential shifts in how Berkshire allocates its capital and currency exposure in the years ahead.What made Buffett's remarks particularly resonant wasn't just his critique of trade policies or his concerns about the dollar — it was his broader worldview."It's a big mistake, in my view, when you have seven and a half billion people that don't like you very well, and you got 300 million that are crowing in some way about how well they've done," he said. "I don't think it's right, and I don't think it's wise."He urged Americans, and by extension, US policymakers, to remember how far the country has come. "The United States won. I mean, we have become an incredibly important country, starting from nothing 250 years ago. There's not been anything like it."

Dr KV Subramanian Removed As India's IMF Director 6 Months Before Term End

New Delhi. Krishnamurthy Subramanian has been relieved of his duties as Executive Director (India) at the International Monetary Fund (IMF), according to an official statement issued by the government on Friday. The decision was made through an order dated April 30, 2025.

The government has announced the removal of Dr Krishnamurthy Subramanian from his role as Executive Director (India) at the International Monetary Fund (IMF). "The Appointments Committee of the Cabinet has approved the termination of services of Dr Krishnamurthy Subramanian as Executive Director (India) at the International Monetary Fund with immediate effect," an official order issued by the Ministry of Personnel read.Subramanian took charge as India's representative at the IMF in August 2022. Before that, he served as the country's 17th Chief Economic Advisor from 2018 to 2021. Meanwhile, on April 22, the International Monetary Fund (IMF) revised India's growth forecast for 2025-26, lowering it to 6.2 per cent.This reflects a more cautious outlook amid global trade disruptions posed by the reciprocal tariffs by the US and domestic challenges. In its World Economic Outlook (WEO) report for April, it slashed the economic growth rate forecast of almost every economy.

In its annual publication, the global body said that the growth outlook for the Indian economy is relatively more stable at 6.2 per cent in 2025 (Fiscal 2025-26). The growth of the Indian economy is supported by private consumption, especially in the rural areas, but this rate is 0.3 percentage points lower than in the January 2025 WEO estimate, impacted by trade tensions and global uncertainties. (With ANI Inputs)

Sensex, Nifty Extend Gains; All Eyes On US Fed Policy And India-Pakistan Tensions

Mumbai: As Indian markets gear up for a data-heavy week, experts say that the direction of the stock market will largely depend on the US Federal Reserve's policy decision, March quarter corporate earnings, macroeconomic data, and the geopolitical tensions between India and Pakistan following the April 22 Pahalgam terror attack.

In the past week, both the Sensex and Nifty rose for the third straight time, supported by strong foreign fund inflows, robust earnings from index heavyweights, and hopes of progress in the India-US trade deal.The benchmark Nifty index gained 307.35 points or 1.28 per cent to close at 24,346.70, while the Sensex jumped 1,289.46 points or 1.62 per cent to end the week at 80,501.99.However, gains were slightly capped due to concerns over geopolitical developments after the terror attack in Jammu and Kashmir's Pahalgam. Looking ahead, investors will be

watching the US Federal Reserve's monetary policy meeting scheduled for May 7.

The Fed is widely expected to keep interest rates unchanged for the third straight meeting at 4.25 - 4.50 per cent. Fed Chair Jerome Powell had earlier indicated two rate cuts in 2025, and also warned that US President Donald Trump's tariff measures could push inflation higher and hurt employment.

Back home, the earnings season continues with key companies such as Mahindra and Mahindra, Coal India, Titan, Coforge, and Dr Reddy's Labs set to release their Q4 results. On the economic front, market watchers will track the HSBC Composite PMI and Services PMI Final data for further cues on the country's growth momentum.

Foreign investors have turned bullish on Indian equities. In the week ending May 2, foreign institutional investors (FIIs) bought stocks worth nearly Rs 7,680 crore in the cash market. This marks a significant reversal in trend, as FIIs had sold shares worth over Rs 1.29 lakh crore in the first three months of 2025.Meanwhile, domestic institutional investors (DIIs) also supported the market with Rs 9,269 crore worth of investments.

Netflix's India Investments Generated Over USD 2 Billion In Economic Impact Post-COVID: Co-CEO Ted Sarandos

New Delhi.Ted Sarandos, Netflix's Co-CEO, on Saturday said that the company's investments in India have generated over USD 2 billion in economic impact, post-COVID-19 pandemic."Our investments in India have generated over USD 2 billion in economic impact, post-COVID. That's all the jobs created, skills developed, and infrastructure supported. We've filmed across 100+ towns and cities in India across 23 states, and collaborated with over 25,000 local cast and crew," the Netflix CEO said while talking to actor Saif Ali Khan in an engaging conversation on the third day of the inaugural World Audio Visual and Entertainment Summit (WAVES) at Jio World Centre in Mumbai today.When asked about the future of storytelling, the co-CEO of the American subscription video streaming company said, "It's very difficult to predict where storytelling is headed. But what remains constant is the intent to connect with audiences."The conversation on the theme "Streaming the New India: Culture, Connectivity, and Creative Capital" explored the evolving landscape of storytelling in the digital era, the impact of streaming on creative freedom, and India's growing presence on the global entertainment map, as added in a Ministry of Information & Broadcasting release.

Saif Ali Khan, reflecting on his collaboration with Netflix in the popular series Sacred Games, emphasised the transformative power of streaming platforms. "Earlier, we had to conform to rigid formats. Streaming has liberated actors and filmmakers from those constraints. Now, people across the globe can watch our stories, which they might have missed in traditional cinema," he said.Elaborating on the democratisation of filmmaking in India, he said, "Audiences can access diverse stories anytime, and creators have more freedom to tell them. It's a continuous cycle of watching and making."Addressing the coexistence of cinema and streaming, Sarandos reaffirmed that theatrical releases still hold value. "Cinemas are not outdated. Streaming and theatres are not competitors. They can move ahead coexisting each other as the market before us is huge," he said.Saif echoed the sentiment, adding that the most meaningful projects for him are those rooted in Indian culture. "If someone abroad asks me about my films, I talk about Omkaara or Parineeta -- films deeply connected to our culture. There's something incredibly thrilling about telling our own stories to the world," he said.Both Sarandos and Saif praised WAVES as a platform that amplifies the creative synergy between global and Indian storytellers. Sarandos praised the initiative, saying, "If the ideas presented here work, they'll succeed beyond imagination. WAVES is a fantastic platform for that momentum."The WAVES summit continues to bring together visionaries and industry experts from across the globe to shape the future of the entertainment industry through dialogue, innovation, and cultural exchange, the Ministry's statement added.

Who is Greg Abel, Warren Buffett's heir to Berkshire's $1.18 trillion empire

NEW DELHI. When Warren Buffett officially announced at Berkshire Hathaway's annual shareholder meeting on Saturday that he would step down as CEO at the end of the year, he also confirmed what many in the investment world had long suspected: that Greg Abel, a 62-year-old Canadian executive and longtime Berkshire insider, would succeed him at the helm of the USD 1.18 trillion conglomerate.While the news marked the end of an era, it also placed Abel-a man who has operated mostly in Buffett's shadow until now-into the full glare of the global financial spotlight.

"It's working way better with Greg Abel than with me, because I don't want to work as hard as he works," Buffett quipped at the meeting, underscoring both his admiration for Abel and his readiness to pass the baton.Abel, who has served as vice chairman overseeing Berkshire's sprawling non-insurance operations, has been a trusted Buffett lieutenant for over a decade. Since 2011, he has led Berkshire Hathaway Energy, a company he joined back in 1992 when it was still known as MidAmerican Energy.Under his watch, the company's utility and energy assets flourished. In recent years, Abel also assumed greater responsibility across the conglomerate's manufacturing, retail, and transportation businesses-including well-known names like BNSF Railway, See's Candies, and Dairy Queen.Born in Edmonton, Alberta, Abel grew up in a working-class household where financial uncertainty was part of daily life. "It was a real working-class family where sometimes people had jobs, and sometimes they didn't," he once recalled.As a teenager, he earned pocket money by collecting discarded bottles and filling fire extinguishers. He credits these early experiences-and the values of hard work and perseverance-with shaping his approach to life and business. "If I put in a lot of work and was well-prepared, then success would be more likely," he told the Horatio Alger Association in 2018, when he was honoured for his achievements.Abel graduated from the University of Alberta in 1984, worked at PricewaterhouseCoopers and energy firm CalEnergy, and eventually made his way into Buffett's orbit through MidAmerican. Since then, he has earned a reputation within Berkshire as a sharp, no-nonsense operator with exceptional business instincts.

Executives from across Berkshire's far-flung subsidiaries-from flooring giant Shaw Industries to jeweller Borsheims - regularly turn to Abel for guidance. "The intuition is really important," Dairy

Queen CEO Troy Bader said. "Warren has that intuition, but Greg has a lot of it as well."Though Abel lacks Buffett's public persona and star power, those who know him well praise his integrity, strategic thinking, and quiet leadership. "Is he another Warren Buffett? No, there is no other Warren Buffett that I know," longtime Berkshire board member Ron Olson said. "But he has so many of the fundamentals of Warren."Abel has gradually assumed more control over Berkshire's capital allocation duties, a sign of Buffett's deep trust in him. Last year, Buffett publicly stated that he would want Abel to have the final say over investment decisions for Berkshire's vast public equities portfolio-one of Buffett's most jealously guarded responsibilities.Despite his new title, Abel is not expected to relocate to Berkshire's headquarters in Omaha. He lives in Des Moines, Iowa, and is known for coaching his children's hockey and soccer teams.

The decentralised nature of the conglomerate means there is no need for him to sit in Buffett's old chair-figuratively or literally. What matters more is preserving the unique culture Buffett and the late Charlie Munger built: one based on independence, integrity, and trust. As Munger once famously remarked, "Greg will keep the culture."As Abel prepares to take over in 2025-pending a formal board vote that Buffett expects to be unanimous-the investment world will watch closely.

Pakistan shuts ports for Indian ships after Delhi bans imports from Islamabad

Pakistan has banned the use of its ports by Indian flag carriers. This comes after India imposed a ban on the import of goods and entry of Pakistani ships into its ports.

NEW DELHI. Pakistan has banned the use of its ports by Indian flag carriers, hours after New Delhi imposed fresh punitive measures, including a ban on import of goods and entry of Pakistani ships into its ports, against Islamabad.

India on Saturday imposed a ban on the import of goods coming from or transiting through Pakistan and also the entry of Pakistani ships into its ports even as Prime Minister Narendra Modi said the country is committed to take "firm and decisive" action against terrorists and their backers.Pakistan late Saturday ordered that any "Indian flag carriers shall not be allowed to visit any Pakistani port", Dawn, a Pakistani newspaper reported.

"In view of the recent development of maritime situation with neighbouring country, Pakistan in order to safeguard maritime sovereignty, economic interest and national security enforces following measures with immediate effect: Indian flag carriers shall not be allowed to visit any Pakistani port, Pakistani flag carriers shall not visit any Indian port (and) any exemption or dispensation shall be examined and decided on case to case basis," the newspaper reported.

The Dawn newspaper had quoted an order issued late Saturday by Pakistan's Ministry of Maritime Affairs' Ports and Shipping Wing.

Ties between the two neighbouring countries plummeted following the April 22 Pahalgam terror attack that killed 26 people, mostly tourists.In fresh punitive measures against Pakistan that came into effect immediately amid heightened Indo-Pak tensions in the wake of the deadly Pahalgam terror attack, India also suspended the exchange of mails, parcels from the neighbouring country via air and surface routes.Besides banning entry of Pakistani ships into Indian ports, India also barred Indian ships from visiting Pakistani ports, according to the Directorate General of Shipping (DGS). The restrictions were put into place with immediate effect, officials said.

According to an Indian government order, the complete ban on imports of all goods from Pakistan was imposed on the grounds of national security and public policy.

Though the 200 per cent import duty imposed on Pakistani goods in 2019 after the Pulwama attack had effectively halted direct imports, the latest decision also prohibits the entry of Pakistani goods routed through third countries.

The fresh moves came a week-and-half after India announced a raft of punitive measures against Pakistan including suspension of the Indus Waters Treaty, shutting down of the only operation land border crossing at Attari and downgrading of diplomatic ties following the terror attack.

'No welcome till J&K attack avenged': Union Minister refuses bouquet at event

NEW DELHI. Union Jal Shakti Minister CR Patil on Saturday made a striking statement at the Global Investor Conference, refusing to accept a bouquet or memento, saying he would not accept any symbol of welcome until justice is served for the victims of the recent Pahalgam terror attack."No welcome till there is revenge," Patil reportedly said in Gujarati, as he declined a ceremonial bouquet and a proposed memento on stage. A person assisting the event announced that the minister had decided not to accept any such gestures until the perpetrators of the Pahalgam attack are punished.

Patil, who greeted attendees with folded hands, received applause for his resolute stand. Businessman Ashok Mehta, who attended the event, confirmed to ANI that Patil expressed the same sentiment off-stage as well.

Twenty-six people, mostly tourists, were killed and several injured in Pahalgam terror attack on April 22. The government has vowed a strong response, with full operational freedom granted to the armed forces to determine the timing and nature of the retaliation.

Cross-border links to the attack have been identified, and steps like suspending the Indus Water Treaty are being taken to pressure Pakistan over its support for terrorism.Patil had earlier said that the government will not allow "even a single drop of Indus water" to reach Pakistan after the attack.

Pakistan violates border ceasefire for 10th day, Army responds

New Delhi. Pakistani troops continued ceasefire violations along the Line of Control for the tenth consecutive night with its unprovoked firing in Kupwara, Baramulla, Poonch, Rajauri, Mendhar, Naushera, Sunderbani, and Akhnoor areas of Jammu and Kashmir, and the Indian Army responded in a calibrated and proportionate manner."During the night of 03–04 May 2025, Pakistan Army posts resorted to unprovoked small arms fire across the LoC," said Army's spokesperson.However, there were no casualties in the border skirmishes initiated by Pakistani troops in violation of the ceasefire agreement.

Firing between the two sides comes amid heightened tensions following the April 22 terror attack in Pahalgam in which 26 people, mostly tourists, were killed.Since the night of April 24, just hours after India suspended the Indus Waters Treaty following the killing of 26 people in the terror attack, Pakistani troops have been resorting to unprovoked firing at various places along the LoC in J&K, beginning from the Kashmir Valley.

On April 24, Pakstan blocked its airspace for Indian airlines, closed the Wagah border crossing, suspended all trade with India, and stated that any attempt to divert water meant for Pakistan under the Indus Waters Treaty would be considered an "act of war.India and Pakistan had agreed to a renewed ceasefire along the borders in Jammu and Kashmir in February 2021.

The situation has changed significantly since February 2021, when the DGMOs of India and Pakistan reiterated their commitment to the 2003 ceasefire agreement to ensure peace along the de facto border.

6 Months Left, Centre Ends IMF Executive Director KV Subramanian's Tenure

New Delhi. Six months ahead of his three-year tenure, the government has terminated the services of K V Subramanian as the executive director at the International Monetary Fund (IMF), sources said on Saturday.The Appointments Committee of the Cabinet has terminated Mr Subramanian's services effective April 30, 2025, they added.The reasons for Mr Subramanian's exit have not been officially announced.The sources said the government would soon find his replacement to be nominated to the IMF board.

According to the sources, Mr Subramanian is learnt to have raised questions about the IMF's datasets, which did not go down well in the corridors of the multilateral agency.

Besides, the sources said, concerns were raised over an "alleged impropriety" relating to the promotion and publicity of his latest book, "India @ 100".Mr Subramanian was appointed as the executive director (India) at the IMF with effect from November 1, 2022 for a period of three years. Prior to this, he served as the chief economic adviser to the government.

The executive board of the IMF is composed of 25 directors (executive directors or EDs) elected by the member countries or groups of countries.India is in a four-country constituency, along with Bangladesh, Sri Lanka and Bhutan as members.

Parents meet Delhi CM, seek furrther discussion on issue of fee hike by private schools

CM Gupta told the parents that if any school harasses them over fees, they are welcome to report the matter directly to her office or to the education minister

New Delhi. Parents from across Delhi gathered at the Secretariat on Saturday to meet Chief Minister Rekha Gupta and Education Minister Ashish Sood over the proposed Delhi School Education (Transparency in Fixation and Regulation of Fees) Bill, 2025. The legislation, which seeks to introduce transparency in private school fee hikes, received praise from many in attendance, along with calls for further consultation.Describing the legislation as a "decisive and historic step," Gupta said, "For 27 years, private schools had been arbitrarily increasing fees without any checks or clear regulations. Previous governments had no concrete legal mechanism to control such practices."

She told the parents that if any school harasses them over fees, they are welcome to report the matter directly to her office or to the education minister.Gupta acknowledged that implementing the Bill and its framework would take time. "There will be a backlog, but there is no doubt that in the coming years, Delhi government schools will be good… this government promises that you (parents) will not have to constantly worry about your children's education," she told the parents.Sood said that the problem of fee hikes had persisted due to lack of adequate schooling alternatives. "The problem of the fee hike has been a supply and demand issue… The previous government neglected the quality of government schools," he said.During the interaction, while many parents welcomed the move as a long-awaited reform, others, including parents from schools like DPS Dwarka and Birla Vidya Niketan in Pushpa Vihar, urged the government to involve parent bodies more actively before the Bill is tabled in the Assembly.

Delhi storm: Over 200 trees uprooted across city during last week's rain. Here's why it happened

New Delhi. -A healthy peepal tree fell close to the President's Estate in Lutyens' Delhi.-At the Army Depot, a giant neem tree fell and blocked the main entrance.-Outside the AIIMS Trauma Centre, another large tree came down.

-In Sheikh Sarai, a tree fell on a car whle its roots left another car suspended in the air.-In Vasant Kunj fallen trees crushed parked cars. South Delhi's Aurobindo Marg and Defence Colony were also not spared.These trees were among 200 that came toppling down when an intense thunderstorm — strong winds reaching up to dangerous speeds of 80 kmph accompanied by 77 mm of rain — hit Delhi on Friday.

As the rain, the second-highest single-day May rainfall in Delhi since 1901, swept through the city, it also brought down large branches, damaged vehicles, power lines and public infrastructure, and led to the loss of four lives.

This isn't even the first time that Delhi's neighbourhoods and busy roads witnessed trees falling at such a large scale.

In May 2022, a 'severe' category storm claimed two lives and uprooted hundreds of trees across Delhi, including a total of 77 trees under the New Delhi Municipal Council (NDMC), while damaging over 50 branches.

Why does this happen?

Experts said the extreme weather does play a major role. But it isn't the only cause.Issues ranging from root damage, poor or irregular pruning, widespread concretisation around trunks, termite attacks, unscientific cabling, and a lack of updated data on tree health have all added to the problem.For context, Delhi has 147 sq km of tree cover that falls outside forest areas. This is around 9.8% of Delhi's geographical area as per the India State of Forest Report (IFRS) 2023.

Why isn't anything being done to prevent this?

The answer to this lies in a complex web of laws and guidelines, and a 2023 Delhi High Court order.Delhi has laws and administrative guidelines that outline how trees are to be maintained, pruned, and protected. It also includes who is responsible for assessing their health and ensuring they don't pose risks during such weather events.These rules are grounded in the Delhi Preservation of Trees Act (DPTA), 1994; its associated 2019 Guidelines for Pruning; and several binding orders from the Delhi High Court and National Green Tribunal (NGT) over the last decade.

Pak's artillery supplies can sustain for 4 days amid tensions with India: Report

NEW DELHI. Amid tensions with India over last month's Pahalgam terror attack, the Pakistani military is battling a severe shortage of critical artillery ammunition, with its warfighting capabilities lasting for just four days, news agency ANI reported, citing sources.

The shortage in artillery ammunition is mainly due to Pakistan's recent arms deals with Ukraine and Israel, which have drained its war reserves.

Amid fears of a regional conflict, the Pakistan Ordnance Factories (POF), which supplies the military, has been grappling to replenish supplies amid surging global demand and outdated production facilities, sources said.

Many Pakistani leaders have claimed that India will launch military action on the neighbouring country in response to the Pahalgam terror attack. They said their armed forces would give a befitting response to what they say "Indian aggression" or "misadventure". However, the picture is not so rosy.With dwindling supplies, Pakistan's ammunition reserves can sustain just 96 hours of high-intensity conflict, leaving its military vulnerable, sources said.Generally, Pakistan's military doctrine is centred on rapid mobilisation to counter India's numerical superiority. The military has insufficient 155mm shells for its M109 howitzers or 122mm rockets for its BM-21 systems to blunt an Indian military action.Several posts on X in April claimed that the 155mm artillery shells were diverted to Ukraine, leaving stockpiles dangerously low.

According to sources, the Pakistani defence brass is deeply concerned and panicked over the lack of critical ammunition. The issue was raised at the Special Corps Commanders Conference on May 2.

Before Pahalgam attack, intel warned of possible tourist targeting: Officials

Days before the deadly April 22 terror attack in Pahalgam, intelligence agencies had flagged the potential targeting of tourists, especially those staying in hotels on the outskirts of Srinagar, officials said.

NEW DELHI. Days before the deadly terror attack in Pahalgam, intelligence agencies had flagged the potential targeting of tourists especially those staying in hotels on the outskirts of Srinagar in the foothills of the Zabarwan range, officials in the know said Saturday.

This prompted a heightened security presence in these areas with top police brass camping in Srinagar to oversee combing operations around Dachigam, Nishat, and adjacent areas.

These areas gained attention and security forces increased patrolling because of a terrorist attack on a construction site in Gangangir, Sonamarg in October last year in which seven people including a doctor were killed. The area is located on the other side of Zabarwan range overlooking the Srinagar city.

Despite a two-week operation, security forces conducted extensive searches on the outskirts of Srinagar based on the intelligence, but these efforts did not yield any breakthroughs and the operation was called off on April 22, the day when terrorists targeted tourists in Pahalgam area killing 26 of them.There were inputs to suggest that terrorists wanted to carry out such nefarious designs during the visit of Prime Minister Narendra Modi earlier last month to flag off the first train from Katra to Srinagar.

Definitely, Pakistan is not happy over the impending railway link that aims to connect the Kashmir Valley with the rest of the country, the officials cited above said.However, they said the visit of the prime minister, earlier scheduled for April 19, was postponed due to adverse weather forecasts predicting high-speed winds in the Katra area.The officials made it clear that while weather conditions are the sole reason for the postponement, fresh inauguration dates are expected to be announced soon.

The state and non-state actors sitting across the border never want the powerful visuals of flagging off the first train to get international attention and hence may have planned to overshadow the event with such barbaric killings, the officials said.

On the Pahalgam attack, the officials said what is emerging was that two local terrorists had already mingled with the tourists and as soon as the first shots were fired, they herded the tourists to a food court complex, where two other terrorists, reportedly Pakistanis, fired and killed 26 of them.The aim of the attack seems to be creating fear among the citizens and possibly to lead to retribution attacks against Kashmiris elsewhere in the country, sources said.

NEWS BOX

Pakistan PM Shehbaz Sharif says response to Indian provocation was 'responsible, measured'

ISLAMABAD. Prime Minister Shehbaz Sharif on Saturday said that Pakistan's response was responsible and measured to India's provocation following the Pahalgam terror attack.

Sharif was talking to Turkiye Ambassador Dr Irfan Neziroglu who met him in Islamabad, reported Radio Pakistan.The prime minister said "despite India's provocative actions following the Pahalgam incident, Pakistan's response was responsible and measured". He said that Pakistan has always condemned terrorism in all its forms and manifestations.The prime minister claimed that India has "failed to share any evidence and is falsely trying to link Pakistan to the Pahalgam attack".

He further alleged that India has "yet to respond to Pakistan's offer to have a credible, transparent and neutral international investigation to ascertain the facts behind the Pahalgam incident".Sharif also said Pakistan would cooperate fully with such an investigation and would welcome if Turkiye joined it.

He said Turkiye's support to Pakistan is reflective of historic, deep-rooted, and time-tested brotherly relations between the two countries.Ties between India and Pakistan plummeted following the April 22 Pahalgam terror attack in Jammu and Kashmir that killed 26 people, mostly tourists, in the deadliest attack in the Valley since the Pulwama strike in 2019.

5 Arrested, Including 4 Iranians, Over Suspected Terror Plot In UK

London. Britain's counter-terrorism police arrested five men, including four Iranian nationals, on suspicion of terrorism offences over a plot to target a specific premises, the Metropolitan Police said in a statement on Sunday.The arrests occurred on Saturday in Swindon, west London, Stockport, Rochdale and Manchester.The police did not disclose details of the plot, citing operational reasons.

The Embassy of Iran in London did not immediately respond to a request for comment."The investigation is still in its early stages and we are exploring various lines of enquiry to establish any potential motivation as well as to identify whether there may be any further risk to the public linked to this matter," said Commander Dominic Murphy, head of the Met's Counter Terrorism Command.

4-Year-Old Girl Among 2 Killed In Philippines Airport Crash

Manila.Two people, including a four-year-old girl, were killed and several others injured after a car crashed into the entrance of Manila's Ninoy Aquino International Airport on Sunday, the Philippine Red Cross said.The airport said the "vehicular accident" occurred earlier on Sunday when a car crashed through the outer railing and into the walkway near the entrance of NAIA Terminal 1.

"We understand the concern this incident has caused, especially as images have circulated on social media. We urge the public not to speculate and to wait for verified updates, which will be issued as soon as they become available," NAIA said in a statement.

The Philippine Red Cross, which responded to the scene, said the incident resulted in the deaths of two individuals, a male adult and a four-year-old girl.

Images shared by local media on social media platforms showed some people lying on the ground. Glass was shattered across the entrance and the front of a black SUV was visibly damaged after hitting the airport doors.NAIA said those who sustained injuries were being treated, and the driver of the vehicle is in police custody.

Massive Russian Drone Attack On Kyiv Sets Several Buildings On Fire

Kyiv. Russia's overnight drone attack on Kyiv damaged several residential buildings and set cars on fire throughout the city, the military and officials of the Ukrainian capital said on Sunday.

Falling debris from destroyed drones sparked fires at residential buildings in Kyiv's Obolonskyi and Sviatoshynskyi districts, Timur Tkachenko, head of Kyiv's military administration, said on social media.

He added that several cars throughout the city also caught fire from falling drone debris.Mayor Vitali Klitschko said on the Telegram messaging app that medics were called to the Sviatoshynskyi district, west of the city centre, where they provided assistance.Reuters' witnesses heard several explosions in what sounded like air defence systems in operation. There was no immediate information on the full-scale of the attack. Kyiv, its surrounding region and the eastern half of Ukraine were under air-raid alerts for about an hour, starting soon after midnight on Sunday local time (2100 GMT).There was no immediate comment from Moscow about the attack that took place amidst uncertainty over whether both sides will stop war activities during Moscow's May 8-10 commemorations of the victory of the Soviet Union and its allies in World War Two.

On Monday, Russia declared a three-day ceasefire for May 8-10, to which Kyiv responded with a proposal to stop war activities for 30 days.

Both Russia and Ukraine deny targeting civilians in the war that Russia started more than three years ago with a full-scale invasion of Ukraine.Ihor Taburets, governor of the central Ukrainian region of Cherkasy, said a Russian drone attack on the region late on Saturday sparked several fires.

Singapore's long-ruling party wins another landslide in election boost for new prime minister

SINGAPORE. Singapore's long-ruling People's Action Party won another landslide in Saturday's general elections, extending its 66-year unbroken rule in a huge boost for Prime Minister Lawrence Wong who took power a year ago.The Election Department announced the PAP won 82 Parliamentary seats after vote counting ended. The party had earlier won five seats uncontested, giving it 87 out of a total 97 seats. The opposition Workers Party maintained its 10 seats.The PAP's popular vote rose to 65.6%, up from a near-record low of 61% in 2020 polls. Jubilant supporters of the PAP, which had ruled Singapore since 1959, gathered in stadiums waved flags and cheered in celebration.

"We are grateful once again for your strong mandate. We will honor the trust you have given to us by working even harder for all of you," Wong said in a speech earlier to his constituency before the full results were out.

Eugene Tan, a law professor at the Singapore Management University, said the opposition's failure to make further inroads after 2020 was a surprise. "Singapore voters played their cards close to their chest. Today, they indicated that their trust is with a party that has delivered over the years," he said.A U.S.-trained economist who is also finance minister, Wong's appeal for a resounding mandate to steer trade-reliant Singapore through economic turbulence following U.S. President Donald Trump's tariff hikes has hit home. The government has lowered its growth forecast and warned of a possible recession.Wong, 52, succeeded Lee Hsien Loong to become the city-state's fourth leader. Lee stepped down in May 2024 after two decades at the helm but remained in the Cabinet as a senior minister. His retirement as premier ended a family dynasty started by his father, Lee Kuan Yew, Singapore's first leader, who built the former colonial backwater into one of the world's richest nations during 31 years in office.The PAP is

seen as a beacon of stability and prosperity, but tight government control and the rising cost of living in one of the world's most expensive cities also has led to growing unhappiness, especially among younger voters. Widening income disparity, increasingly unaffordable housing, overcrowding and restrictions on free speech have loosened the PAP's grip on power.The opposition says giving it a stronger presence in Parliament will allow a more balanced political system and greater accountability. But they face an uphill task, often hamstrung by a lack of resources, fragmented support and a lack of unity. Critics said gerrymandering also gives the PAP an advantage.Pritam Singh, leader of the Workers Party, acknowledged it was a tough contest and vowed to continue the fight for a more balanced Parliament. "The slate is wiped clean, we start work again tomorrow, and we go again," he said.While the Workers Party failed to expand its presence, it had consolidated its support with increased share vote in some areas, said Southeast Asia political analyst Bridget Welsh. Other smaller opposition parties however, failed to make a breakthrough.Welsh said voters opted for stability amid concerns over global volatility due to sweeping U.S. tariffs. Wong's more approachable leadership in engaging yunger voters and efforts to renew PAP by bringing in about a-third of new faces also helped swung votes, she said.

Israel Calls Up 'Tens Of Thousands' Of Army Reservists For Gaza Offensive

Tel Aviv. Israel was issuing orders to call up tens of thousands of reservists ahead of an expanded offensive in Gaza, Israeli media reported Saturday, as Prime Minister Benjamin Netanyahu attacked truce mediator Qatar.

Several news outlets reported the military had begun sending the orders for reservists to replace conscripts and active-duty soldiers in Israel and the occupied West Bank so they can be redeployed to Gaza.A military spokesperson neither confirmed nor denied the reports, but relatives of AFP journalists were among those who received mobilisation orders.

According to Israel's public broadcaster, the security cabinet is scheduled to meet on Sunday to approve the expansion of the military offensive in Gaza.Israel resumed major operations across Gaza on March 18 amid deadlock over how to proceed with a two-month ceasefire that had largely halted the war sparked by Hamas's October 2023 attack.Qatar, which hosts Hamas's political office, brokered the truce alongside the US and Egypt that came into effect in January. Efforts to secure a new deal however have appeared to stall in recent weeks.Netanyahu accused the gas-rich Gulf state of "playing both

sides with its double talk". Posting on X, he said Qatar had to "decide if it's on the side of civilization or if it's on the side of Hamas barbarism".The Israeli prime minister, under pressure from his far-right supporters, without whom he would lose his governing coalition, has been increasingly vocal in his calls to continue the war since the restart of the Gaza offensive."Israel will win this just war with just means," he added.Qatari foreign ministry spokesman Majed al-Ansari rejected the "inflammatory" comments, charging that they "fall far short of the most basic standards of political and moral responsibility" in a statement on X.Israel has also blocked all aid deliveries to Gaza since March 2, prompting warnings from UN agencies of impending humanitarian disaster.Hamas on Saturday released footage of an apparently wounded Israeli-Russian hostage held in Gaza as 11 Palestinians, including three infants, were killed in a strike on the territory, its civil defence agency said.The health ministry in Hamas-run Gaza said at least 2,396 people had been killed since Israel resumed its campaign in Gaza, bringing the overall death count from the war to 52,495.

Gaza militants still hold 58 hostages, 34 of whom the army says are dead. Hamas is also holding the remains of an Israeli soldier killed in a previous war in Gaza in 2014.The militant group's armed wing, the Ezzedine al-Qassam Brigades, released a video on Saturday showing a hostage AFP and Israeli media identified as Russian-Israeli Maxim Herkin.

"Will Strike Structures On Indus River": Pak Minister's Warning To India

Islamabad. Pakistan's Defence Minister Khawaja Asif has warned India that it would strike any structure that is built on the Indus River in "violation of the Indus Waters Treaty", which was suspended following the Pahalgam terror attack.Ties between the two neighbouring countries plummeted following the April 22 Pahalgam terror attack that killed 26 people, mostly tourists.India, among other punitive actions, announced the suspension of the 1960 accord, which governs water sharing between the two countries.

Speaking on a Geo News programme on Friday, the defence minister said, "Certainly, if they attempt to build any kind of structure, we will strike it." Asif said that building any structure on the Indus River would be seen as "Indian aggression" against Pakistan.

"Aggression is not just about firing cannons or bullets; it has many faces. One of those faces is [blocking or diverting water], which could lead to deaths due to hunger and thirst," he added.The defence minister said, "If they make any architectural attempt, then Pakistan will destroy that structure.

"But for now, we are heading to forums available to us, starting from the IWT [Indus Waters Treaty]. We will pursue this matter." According to a media report on Friday, Pakistan is planning to issue a formal diplomatic

notice to India against its unilateral move to suspend the Indus Waters Treaty.The decision was made after initial consultations between Pakistan's ministries of Foreign Affairs, Law, and Water Resources, The Express Tribune reported.Separately, Pakistan on Saturday conducted a training launch of the Abdali weapon system - a surface-to-surface missile with a range of 450 kms.Earlier on April 24, Prime Minister Narendra Modi vowed to punish the terrorists involved in the Pahalgam terror attack and their backers.In a high-level meeting with the top defence brass on April 29, Modi asserted that the armed forces have "complete operational freedom" to decide on the mode, targets and timing of India's response to the terror attack, according to government sources.

Who Is Greg Abel, Executive Picked To Be Warren Buffett's Successor

Omaha, Nebraska. When Warren Buffett announced at his annual shareholder meeting Saturday that he is stepping down as CEO of Berkshire Hathaway at the end of the year, he elevated a low-key 62-year-old Canadian executive named Greg Abel, who has long been one of his top lieutenants.For the past seven years, Abel has been overseeing Berkshire's BNSF railroad and its treat makers, See's Candies and Dairy Queen, along with dozens of other manufacturing and retail businesses that Buffett acquired over the years.He grew up in Canada as a hockey player and learned the value of hard work as he redeemed discarded bottles and worked for a small company filling fire extinguishers. Now he finds himself at the top of the food chain in the investment world.Read: Warren Buffett To Step Down, Greg Abel To Be New Berkshire Hathaway CEOBerkshire confirmed Abel as Buffett's successor in 2021 after former Vice Chairman Charlie Munger let it slip at the annual meeting. Since then, Abel has largely remained in Buffett's shadow, although shareholders have had a chance to get to know him a bit when he appeared alongside Buffett at the annual meetings and in interviews.Berkshire's board will now vote on whether to formally approve Abel as the new CEO to take over at the end of 2025.\

At the annual meeting in Omaha, Buffett said he expects that to occur by a unanimous vote.Abel will step forward to take responsibility for all of Berkshire's eclectic assortment of businesses with their nearly 400,000 employees and the conglomerate's massive stock portfolio. Buffett and members of Berkshire's board, who for years have devoted much of their time to finding Buffett's successor, have praised Abel's brilliance and knack for understanding all kinds of businesses.Buffett once said Berkshire is "so damn lucky" to have Abel ready to take over, but he will have trouble coming close to Buffett's remarkable track record of outpacing the market. Whereas Buffett grew Berkshire over the decades by making well-timed deals and stock investments at attractive prices,

Berkshire's massive size has made it that much harder lately to find anything big enough to change the conglomerate's bottom line.Abel has big shoes to fill, but no one expects him to match the accomplishments of Buffett, who made him a billionaire many times over and one of the wealthiest investors of the past century. Longtime Berkshire board member Ron Olson said two days before the announcement that he believed Abel was ready to take over.

'Temu Trump', Atomic Power Promise: 5 Key Takeaways From Australia Elections

US President Donald Trump's trade tariffs, and the chaos they unleashed, may not have been the biggest factor in the Labor Party victory -- but they helped.

Melbourne. Australia's left-leaning Prime Minister Anthony Albanese has won re-election in a landslide, defying the so-called "incumbency curse" that has haunted governing parties around the globe.

His Labor Party dealt a crushing defeat to its conservative opposition, which was thrown into further disarray when leader Peter Dutton lost a seat he has held for 24 years.

Here are five takeaways from Saturday's vote.

'Temu Trump'

US President Donald Trump's trade tariffs, and the chaos they unleashed, may not have been the biggest factor in the Labor Party victory -- but they helped.

Dutton vowed to slash the civil service, clamp down on immigration, and said he would not stand before an Aboriginal flag.

The harshest critics likened Dutton's offering to that of a "Temu Trump", an unflattering reference to the popular website offering cut-price unbranded goods.

"If we want to understand why a good chunk of the electorate has changed across the election campaign over the last couple of months, I think that's the biggest thing," said Henry Maher, a politics lecturer at the University of Sydney. Curse or gift?From South Africa to the United States, voters have in recent times turfed out a string of established governments in a global backlash dubbed the "incumbency curse".

With inflation biting, and populist parties seemingly on the rise elsewhere, many wondered whether Albanese's government would meet a similar fate.

Instead, Australians rewarded his steady-as-she-goes leadership style, choosing political stability in a time of global upheaval. Dutton's US$200 billion promise to introduce atomic power to Astralia for the first time has imploded. The opposition leader was hounded on the campaign trail for not visiting any of the seven sites where

he proposed to build industrial-scale nuclear reactors.

His nuclear dream included ramping up gas production, slowing the rollout of solar and wind projects, and ditching the clean energy goals set by Albanese's centre-left government. "This was an energy referendum. Nuclear bombed at the ballot with Australians dubbing it toxic," said Amanda McKenzie, chief executive of clean energy advocate the Climate Council.

Conservatives drubbedDutton's Liberal-National coalition crashed to one of its worst-ever defeats, losing a string of seats once considered conservative strongholds. With Dutton turfed from his own seat of Dickson -- an electorate he has held for 24 years -- the coalition will lick its wounds with no leader in place. Notably, Dutton's opposition failed to win back a string of seats claimed by the so-called "teal" movement in 2022. The teals -- a loose-knit group of political novices pushing for climate action -- held on to their inner-city seats despite a targeted conservative campaign. Polls called it, almost

Most opinion polls picked the winner -- but few hinted at the scale of the Labor landslide. "This was beyond even our most optimistic expectations. It was a history-making night. It was one for the ages," Treasurer Jim Chalmers said Sunday.

Most polls pointed towards a Labor government -- but were split on whether Albanese would command a slim majority, or cobble together a coalition.

NEWS BOX

Virar special Ayush Mhatre: A breath of fresh air for CSK in forgetful IPL 2025

New Delhi. High scores haven't been Chennai Super Kings' calling card this season, and chasing 214 was always going to be an uphill task—especially after Romario Shepherd's brutal late assault, hammering 53 off just 14 balls. But 17-year-old Ayush Mhatre, born in Mumbai's Virar, nearly pulled off the impossible, launching a breathtaking counterattack that saw CSK fall just short.CSK's young openers signalled their intent from the outset. Shaik Rasheed set the tone early, pulling Dayal for a six and a four in the third over. But it was Mhatre who truly took center stage. The teenager took on veteran Bhuvneshwar Kumar in the fifth, smashing five boundaries and a six in a stunning over that announced his arrival emphatically.

RCB clawed their way back as Krunal Pandya and Lungi Ngidi shut down the PowerPlay, dismissing Rasheed and Sam Curran while conceding just nine runs. But Mhatre, composed well beyond his years, found a steady ally in CSK stalwart Ravindra Jadeja. Together, they stitched a vital 114-run stand for the third wicket, blending calculated aggression with smart strike rotation.

STORIES YOU MAY LIKEIPL 2025, RCB vs

CSK: Highlights

Mhatre nearly outdid Romario Shepherd's 14-ball fifty with a classy 94, but RCB's Yash Dayal kept his nerves in the death overs to secure a two-run win over the Chennai Super Kings in this IPL thriller.

MHATRE LIGHTS UP CHINNASWAMY

Mhatre's strokeplay was a mix of street-smart flair and classical technique—skills honed through years of grinding at Mumbai's famed Oval Maidan. With Josh Hazlewood sidelined, RCB's bowling lacked bite, and the young right-hander capitalized. He even returned the favor to Shepherd, launching a pair of glorious pulls, including a 98-meter six that vanished into the night sky.

adeja, playing the ideal foil with a composed 77* off 45, guided the youngster through pressure-laden overs. Dropped on 57 and 69, Jadeja held his nerve at the other end, helping CSK stay in the hunt. Mhatre's magnificent knock finally ended when a tired-looking heave off Ngidi found Krunal Pandya in the deep.Also Read.

Drama in Bengaluru! Jadeja confronts umpire after CSK batter Dewald Brevis denied DRS

NEW DELHI. Chennai Super Kings' young star Dewald Brevis found himself at the centre of a major controversy during their IPL 2025 clash against Royal Challengers Bengaluru at the M Chinnaswamy Stadium on Saturday.

In a high-stakes chase, Brevis was dismissed for a golden duck on his very first ball after being adjudged LBW to Lungi Ngidi.

While the delivery looked to be sliding down leg, Brevis hesitated to take a review and was eventually denied the chance — the 15-second DRS timer had expired.

Go Beyond The Boundary with our YouTube channel. SUBSCRIBE NOW!

The South African batter, caught in a moment of doubt, discussed the decision with non-striker Ravindra Jadeja before finally signalling for DRS.

But it was too late. Replays later onfirmed that the ball would have missed the stumps comfortably, sparking widespread criticism of both the on-field umpire's decision and the rigidity of the DRS timing system.

Visibly frustrated, Brevis and Jadeja briefly argued with the umpire, but the decision stood.Many fans and experts felt the youngster was hard done by, with some questioning whether players should be given more flexibility to review controversial calls, especially in such a crucial game.

The missed review came back to haunt CSK, who eventually fell short by just two runs while chasing RCB's formidable 213/5.

Despite heroic efforts from 17-year-old Ayush Mhatre (94 off 48) and Jadeja (77 not out off 45), the Super Kings ended at 211/5. Brevis's early exit proved pivotal, as one more boundary could have swung the match CSK's way.The game had it all — blistering fifties from Virat Kohli, Jacob Bethell, and Romario Shepherd for RCB, and a stunning near-chase by CSK.But it was the DRS drama involving Brevis that will remain the most talked-about moment from a thriller that pushed RCB to the top of the points table.

IPL 2025: KKR to follow MI roadmap in must-win game vs Rajasthan, says Rovman Powell

IPL 2025: Struggling KKR will follow Mumbai Indians' strategy against Rajasthan Royals in a crucial IPL match, said Rovman Powell. KKR have to win all their games to make it to the playoffs.

New Delhi. Kolkata Knight Riders' Rovman Powell has said that the team will follow Mumbai Indians' roadmap in their next match against Rajasthan Royals. KKR take on the Royals on Sunday, May 4 in a must-win game in the Indian Premier League 2025.KKR have their backs to the wall and will get knocked out of the playoffs race if they lose to Rajasthan at their home ground in Kolkata. Speaking at the pre-match press conference, Rovman Powell said that the team will follow MI's process to beat Rajasthan in their crucial clash.Mumbai Indians played a complete game against Rajasthan on May 1 at Jaipur. After hitting 217 runs in the first innings, MI gave an incredible account of themselves in the second half of the match, bowling RR out for just 117 runs.Fast bowlers were key to MI's success against Royals. In the powerplay, Trent Boult was brave to pitch the ball up to Jaiswal, and dismissed him with a riveting length ball that crashed into the top of Jaiswal's off stump. Jasprit Bumrah was riveting in the middle overs where he bowled a bouncer barrage to the RR middle order.

"As a bowling group, we've come up with specific plans for each individual. If you look at Rajasthan's last game against Mumbai, it was tactical excellence from Mumbai that gave them such a big win. We're trying to do the same," Rovman Powell told the reporters on Saturday, May 3.KKR'S STRUGGLE WITH CONFIDENCE

KKR have been all over the place in the ongoing season of the Indian Premier League 2025. They retained their core from the winning 2024 season but have completely failed to execute their plans. KKR's worst result perhaps came in their match vs Punjab Kings, where they failed to chase down 112 runs against Punjab Kings away from home.Powell spoke about the same and said that the Punjab game really hurt the confidence of the team. Powell revealed that the KKR players and the management had some tough conversations after that and that they took positive strides in the correct direction."If you go back to the Punjab game where we had only 111 to chase and still didn't get over the line — that really hurt. It affected our standings. If we had secured those two points, we'd be sitting here with more smiles. But credit to the group, we've had some strong conversations since, and the guys have made great strides. Hopefully, we continue in that direction," Rovman Powell said ahead of the match.KKR are currently in the 7th position of the league table and need to win every single match to remain in the hunt for the playoffs. KKR won their previous match against Delhi Capitals after Sunil Narine put in an all-round performance.

Pratika Rawal's rise and India's bold charge towards Women's World Cup glory

Speaking to India Today Digital, former Indian cricketer and Mumbai Indians batting coach Devika Palshikar opened up on India's experimentation spree before the World Cup, Pratika Rawal's stupendous form and Shafali Verma's future in the ODI setup.

New Delhi. India were left disappointed after their hopes of securing a coveted world title were dashed by an early exit from the T20 World Cup in the UAE last year. Harmanpreet Kaur faced heavy criticism for the team's lack of intent during the campaign. However, India will have a chance to redeem themselves and restore their reputation when they compete in the ODI World Cup later this year on home soil.

With the mega event fast approaching, women's cricket in India has undergone a significant transition over the past six months. India have handed debut caps to ten players in ODIs: Minnu Mani, Tejal Hasabnis, Pratika Rawal, Titas Sadhu, Saima Thakor, Priya Mishra, Kashvee Gautam, Tanuja Kanwar, Sayali Satghare, and Sree Charani.With such a broad talent pool, the team management is expected to face a welcome dilemma when selecting the final 15-member squad for the World Cup. However, former Indian cricketer Devika Palshikar cautioned that experimenting so close to a major tournament could end up being counterproductive."If you ask for my opinion, then before the World Cup, we really shouldn't be doing all these experiments. As you rightly said, they've already handed caps to ten different players, even though the World Cup is just six months away," Palshikar told IndiaToday.in.So basically, I've always felt that this isn't something new to this World Cup, it's been happening for many years now. The selectors tend to experiment far too much. I'm sure the captain or coach doesn't get a consistent, settled team. They go more on an experimental basis."The same thing has happened again this time, so I was a bit disappointed. But then again, I'm sure whoever they've selected, they must've seen some potential in them, otherwise they wouldn't have picked them. At least, that's what I'm assuming," Palshikar added.Uttarakhand's Raghvi Bist, who didn't feature in the series against Ireland, and Madhya Pradesh left-arm spinner Shuchi Upadhyay, who is yet to play a match since her maiden call-up during the tri-nation series in Sri Lanka, also remain in the wings.

Romario Shepherd on heroic 53 vs CSK: Difficult to sit and watch others win

New Delhi. West Indies all-rounder Romario Shepherd played his fourth match in the Indian Premier League (IPL) 2025 when Royal Challengers Bengaluru (RCB) locked horns with Chennai Super Kings (CSK) at the M Chinnaswamy Stadium in Bengaluru. But it was the first time that he got a chance to bat, and he grabbed the opportunity with both hands.

Batting at No.7, Shepherd hit the joint second-fastest fifty in IPL history off 14 balls, along with KL Rahul (2018) and Pat Cummins (2022). The right-handed batter hit four fours and six sixes on his way to an unbeaten 53 off 14 balls. Shepherd said that he anxiously waited for his opportunity to make it count."It was tough, you know, sitting there and watching the other players win. Not because I didn't want them to win, but because I wanted the opportunity to go out

there and perform," Shepherd said in the post-match press conference.Today, that opportunity came, and I just tried to make the most of it. I wasn't aiming to score 53 off 14 balls—I just wanted to help the team finish strong and shift the momentum back in our favour," Shepherd said.

'Had a good sense of CSK bowling'

When Shepherd came in, RCB were struggling somewhat with their score at 157 for five in 17.4 overs. But Shepherd's blitz meant that the hosts raced to 213 for five, scoring 56 runs off their last 14 balls."At one point, they had the upper hand heading into the last two or three overs. But when I walked to the crease, I had a good sense of what they were trying to bowl. I went in prepared, and Timmy (Tim David) reminded me to hold my shape a bit, since the ball was gripping on the wicket," Shepherd added.Shepherd won the Player of the Match award as RCB won by two runs to reclaim the top spot in the points table. Their next match is against Lucknow Super Giants (LSG) on May 9 at the Bharat Ratna Shri Atal Bihari Vajpayee Ekana Cricket Stadium in Lucknow.

Hungry to make comeback, focus on training: Sathiyan

CHENNAI. It has not been easy days after 2022 Asian Games (held in 2023). Like all players, G Sathiyan too had to overcome the ordeal of recovering from injury with a very strong mind. His back injury he sustained after the Asian Games in Hangzhou took some time to heal. The spasms spread to his hips and his knees restricting the lightning pace for which he is known. He did manage to leave those tough days behind.

After winning three medals at the National Games earlier this year, Sathiyan is slowly shifting his focus towards the all-important Asian Games next year. And like he said he is now hungry to make a comeback. Sathiyan for now is focussing more on training. He would be competing more towards the end of the year leading up the Asian Games next year."I have taken a conscious decision to train more and play less tournaments (now)," he said adding he would want "to play more tournaments in the second half of the year just before the Asian Games. This will help in peaking at the right time," he told this daily during an award function organised by Raman TT High Performance Centre to felicitate National Games winning members of the Tamil Nadu team.Along the way he would want to accumulate as many WTT points as possible. "With the WTT system, balancing

tournaments due to the new ranking system is an challenge. And now with domestic circuit, points are necessary to enter the top 50," he added."It's more about having time to train, because I have seen that training had played an important role. That's why I could get into the top 25. So I really want to get back into the drawing board, have a good training phase and at the same time work on my fitness because that is key."

Two weeks from now, Sathiyan will hope to make his name again at the World Table Tennis Championship to be held in Doha. He wouldn't pair with Manika Batra in the worlds. Yashashwini (Ghorpade) and Harmeet (Desai) and Manush (Utpalbhai) and Diya (Chitale) have been selected in the mixed doubles for India. Sathiyan will play singles and men's doubles with Harmeet Desai.Sathiyan's coach Olympian S Raman said he would be evaluating his performance every quarter. "We worked on a few things and those things are not working out. So which means whatever we brought to the table is not sufficient enough. So we need to spice it up, we need to change a little bit. So, you know, it's an ongoing process of how we keep reinventing the wheel," he said.

PBKS vs LSG, IPL 2025 Preview: Predicted XI, team news and Dharamsala pitch

New Delhi Lucknow Super Giants (LSG) are set to take on Punjab Kings (PBKS) in Match 54 of the Indian Premier League 2025 (IPL 2025) on Sunday, May 4 at the Himachal Pradesh Cricket Association Stadium, Dharamsala. Lucknow are coming into the game after a six-day break following their back-to-back losses against Delhi Capitals (DC) and Mumbai Indians (MI).The Rishabh Pant-led side began the tournament well with five wins from their first eight matches. However, the last two losses have proved to be a hiccup in their campaign as they need to catch up with the rest of the teams, with the race for the playoffs starting to heat up.LSG are currently ranked sixth on the points table with five wins from ten matches, having ten points to their name. With four games remaining in their campaign, Lucknow need to quickly bounce back to winning ways to keep their playoffs hopes alive.On the other hand, Punjab Kings are coming into the fixture following a four-wicket win against Chennai Super Kings (CSK). The Shreyas Iyer-led side began the season by winning five out of the first seven matches, but a loss followed by a washed-out game forced them to lose their momentum.

However, the victory against CSK have once again brought them on the winning track and PBKS have a great chance to finish on the top two in the points table. They're currently ranked fourth with six wins from ten matches and have a chance to climb to the second spot with a win in the upcoming fixture.

PBKS vs LSG Head to HeadLucknow have the upper hand over Punjab in head-to-head records, having won three out of the five fixtures played between the two teams. Moreover, Punjab don't have a great record in Dharamsala, having won just five out of the 13 matches played. They've lost the last four fixtures at the venue on the trot, with their last win coming back in May 2013.

PBKS vs LSG Team News

Punjab are without their fast bowler Lockie Ferguson since the fifth game of the season. All-rounder Glenn Maxwell has also been

ruled out due to a finger injury. Apart from that, there are no injury concerns in their camp. On the other hand, Lucknow have al the players available for selection for the upcoming fixture.PBKS vs LSG Predicted Playing XI

Punjab Kings (Predicted XI): Priyansh Arya, Prabhsimran Singh, Shreyas Iyer (c), Josh Inglis (wk), Nehal Wadhera, Shashank Singh, Marco Jansen, Azmatullah Omarzai, Suryansh Shedge, Xavier Bartlett, Arshdeep Singh

Impact Sub: Yuzvendra Chahal

Lucknow Super Giants (Predicted XI): Aiden Markram, Mitchell Marsh, Nicholas Pooran, Rishabh Pant (c & wk), David Miller, Abdul Samad, Ayush Badoni, Digvesh Singh Rathi, Ravi Bishnoi, Avesh Khan, Prince Yadav

Impact Sub: Mayank Yadav

PBKS vs LSG: Pitch and Weather Conditions

The surface at Dharamsala has aided good pace and bounce for the seamers, hence they're likely to enjoy bowling at the venue. The pitch has provided some high-scoring games in the past few matches, and the upcoming fixture won't be too different. All in all, a batting-friendly surface will be available for the fixture with some assistance for the seamers early on.

Apoorva Mukhija Spoke To

Rhea Chakraborty

After IGL Row: 'Not Seen Media Trial...'

Apoorva Mukhija, aka The Rebel Kid, talked about the India's Got Latent row, and said that a media trial of this magnitude was not seen before in the creator industry.

Social media content creator Apoorva Mukhija aka The Rebel Kid recently opened up about the India's Got Latent controversy, and revealed receiving death threats for her comments on Samay Raina hosted show. She addressed the controversy, and pointed out that such a large-scale media trial hasn't been seen before in the creator industry, even though similar instances have occurred in Bollywood. She gave a shoutout to Rhea Chakraborty, and revealed that she talked to the Bollywood actress for an hour about the controversy. For the unversed, Rhea also faced a media trial after Sushant Singh Rajput's death in 2020.While speaking with Yuvaa, Apoorva Mukhija said, "We have not seen a media trial at this scale. Creator industry mein. We have seen Bollywood industry mein. Shoutout Rhea Chakraborty. I spoke to her also for an hour. My initial response was 'I want to talk about it', because Apoorva talks about everything. But everyone around me said, 'You cannot open your mouth, it'll start another media cycle for five more days. They'll take just one line from what you said, run it on the news, and use it against you. You can't do it.' The only option I had was to stay silent."

She also revealed that she lost a lot of business, and all the brands wrote to her saying that it's not the right time to be associated with her.A few months ago, Ranveer Allahabadia's alleged crude comments on Samay Raina's comedy show India's Got Latent led to massive outrage on social media. His remarks triggered a massive backlash, leading to legal action and multiple FIRs against him and other content creators associated with the show. Apoorva was also accused of making an objectionable comment on India's Got Latent.

The Rebel Kid recently made her comeback on Instagram when she revealed that she even faced sleep paralysis after the controversy because she was being threatened.

Shraddha Kapoor

Poses With Instagram Head Adam Mosseri. Do Not Miss Her Note

The second day of WAVES 2025 was packed with some adorable moments as Shraddha Kapoor and Instagram Head Adam Mosseri sat down together for a chat. After the event, Adam posted a picture on Instagram stories, featuring him with Shraddha. Later, the actress reshared the delightful image on the photo-sharing application. The highlight – her note attached to the photo. It read, "The CEO of Instagram and Adam."In the photo, we can see both Adam Mosseri and Shraddha Kapoor posing with each other, flashing wide smiles. The actress was dressed in a red tank top, relaxed fit jeans and a white blazer, perfect for a semi-formal event like WAVES. Adam, on the other hand, wore a striped black suit elevated with sunglasses.

In a heartwarming moment from the chat session, Shraddha Kapoor extended a warm welcome to Adam Mosseri before beginning the chat session about how Gen Z consumes content today. The actress surprised Adam with a homemade Maharashtrian sweet, Puran Poli, telling him, "I know you've been eating at fancy places and trying Indian food. I want you to try this Maharashtrian dessert called Puran Poli. It is made at my home."

Prior to his interaction with Shraddha Kapoor at WAVES 2025, Adam Mosseri also stepped out for dinner in Mumbai with Deepika Padukone and Ranveer Singh. The Instagram head also gave fans a peek into their dinner outing via a post on Instagram which featured his selfie with the couple at a Mumbai restaurant.

The photo seems to have been taken by Ranveer Singh. It captures the trio smiling, looking at the camera for a beautiful click. Sharing the picture, Mosseri wrote, "I got to meet the amazing and charismatic power couple that is Deepika Padukone and Ranveer Singh this evening in Bombay, and enjoy some unreal food at Papa's in Mumbai."

Shraddha Kapoor's last film was Amar Kaushik's horror-comedy Stree 2. The film featured her alongside Rajkummar Rao, Pankaj Tripathi, Abhishek Banerjee and Aparshakti Khurana. It is the fourth installment in the Maddock Supernatural Universe and the second in the franchise. Upon its release last year, Stree 2 emerged as the highest-grossing Hindi film of 2024.Shraddha Kapoor is yet to announce her next project.

Shah Rukh Khan's Character 'Could Have Raped' Juhi Chawla In Darr, Says Honey Irani

More than three decades since its release, Darr continues to stir debate among cinephiles. The 1993 psychological thriller, directed by Yash Chopra and starring Shah Rukh Khan in one of his early breakout performances, redefined the boundaries of the Bollywood anti-hero. But with time, SRK's portrayal of the obsessive lover Rahul has drawn criticism for allegedly romanticising stalking, possessiveness, and violence under the guise of love.In a recent interview with Friday Talkies, the film's screenwriter Honey Irani revisited those concerns — and firmly defended the intent behind Rahul's characterization. "He was crazy about her," Honey said, referring to Juhi Chawla's character Kiran. "Me and Yash ji were very conscious that we didn't want it to look like lust. He says 'I will marry you, I will make you meet my mother' — that was genuine love."

Addressing one of the most controversial moments in the film, she added, "He could have raped her when they were on the boat, but he didn't. That was our way of showing the difference. There's a very thin line between obsession and lust — and we wanted to stay on the side of love."

However, what remains unacknowledged is that Rahul's actions — stalking Kiran, infiltrating her personal life, and killing those around her — blatantly disregard her consent and safety. While Irani admitted the character was "complex" and "had his own problems," she seemed to sidestep the impact of his actions on the victim. "Even when he said her name, he would be so scared that he would stammer," she said, adding layers of vulnerability to his disturbing obsession.Honey Irani also revealed that Shah Rukh Khan was not the first choice for the role. "We narrated it to Aamir, but something happened between him and Yash ji. He said no. We then offered it to Sunny Deol, but he wanted to play the hero. Then we approached Shah Rukh, and he jumped at the opportunity. He said, 'Yeah, definitely I'm doing it.'"

Count The Number Of Stars In This Picture From Simone Khan Arora's Dinner Soiree

Gauri Khan and Sussanne Khan have long been celebrated not only for their achievements in design and creativity but also for their enduring and cherished friendship. Over the years, the two have often been seen together at high-profile events. They also frequently feature on each other's social media, reflecting their deep bond and mutual admiration. Their friendship recently took centre stage once again at a private dinner party.The event was hosted by Sussanne's sister, Simone Khan Arora, and brought together several close friends for an evening of conversation and celebration. Entrepreneur Pinky Reddy, who was among the attendees, shared glimpses of the evening on social media.

In her caption, she wrote, "Thanks Simone for the lovely evening, bestest hostess ever, was fun catching up with all my old buddies. Warmest Khan sisters."

The dinner was attended by several well-known personalities, including actress Dia Mirza. Gauri Khan kept her look casual yet sophisticated, opting for a classic white shirt paired with ripped blue denim jeans. She accessorised her outfit with gold hoop earrings and a delicate necklace, creating a polished yet relaxed ensemble.

Sussanne Khan made a stylish statement in a tan-coloured denim jumpsuit featuring a strapless, corset-style top with prominent seaming and wide-leg trousers. The slightly distressed fabric added a contemporary edge to the vintage-inspired outfit. She elevated the look with bold gold jewellery, including a chunky bracelet and a statement ring, perfectly blending modern and retro aesthetics.

Dia Mirza opted for a traditional ensemble for the evening. She wore a bright yellow kurta adorned with red and orange floral or abstract motifs. The straight-fit kurta, featuring long sleeves, appeared to be made from a lightweight fabric ideal for warmer weather. She paired it with white leggings and brown sandals, striking an elegant balance between festive and casual style.

The gathering also saw the presence of other well-known personalities, including Farah Khan Ali and Tanisha Mukherji, adding to the evening's star-studded ambience.

In professional developments, Sussanne Khan has recently expanded her interior design enterprise with the launch of The Charcoal Project in Hyderabad. Gauri Khan has collaborated with her on one of the floors in the store, reflecting their shared design vision and sensibilities.